THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 117 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण कृ.13 2080 शनिवार, 15 जुलाई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

चंद्रयान-3 पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा

> 40 दिन बाद चांद पर उतरेगा > इसरो चीफ बोले-सफर शुरू हो गया

श्रीहरिकोटा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी इसरो ने आज शुक्रवार (14 जुलाई) को चंद्रयान-3 मिशन को सक्सेसफुली लॉन्च किया। दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर सतीश धवन स्पेस सेंटर से एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए चंद्रयान को स्पेस में भेजा गया है। 16 मिनट बाद चंद्रयान को रॉकेट ने पृथ्वी की ऑर्बिट में प्लेस किया। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने इस सक्सेसफुल लॉन्च के बाद कहा कि चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है।

चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट के तीन लैंडर/रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। करीब 40 दिन बाद, यानी 23 या 24 अगस्त को लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे। ये दोनों 14 दिन तक चांद पर एक्सपेरिमेंट करेंगे। धरती से आने वाले रेडिएशन्स की स्टडी प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में रहकर करेगा। मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि लूनर सरफेस कितनी सिस्मिक है, सॉइल और डस्ट की स्टडी की जाएगी।

भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा

अगर मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सक्सेसफुली उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांगई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है।

चंद्रयान-3 का बजट लगभग 615 करोड़ रुपये है, जबकि हाल ही में आई फिल्म आदिपुरुष की कॉस्ट 700 करोड़ रुपये थी। यानी चंद्रयान-3 इस मूवी की कॉस्ट से करीब 85 करोड़ रुपये सस्ता है।

पीएम मोदी को फ्रांस का सर्वोच्च पुरस्कार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

वह यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। पुरस्कार समारोह गुरुवार रात पेरिस के एलिसी पैलेस में हुआ। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, आज शाम एलिसी पैलेस में मेरी मेजबानी करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और श्रीमती मैक्रों को धन्यवाद।

ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर सर्वोच्च फ्रांसीसी सम्मान है। अतीत में, लीजन ऑफ ऑनर का ग्रैंड क्रॉस दुनिया भर के चुनिंदा प्रमुख नेताओं और प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा प्राप्त किया गया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के दिवंगत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, किंग चार्ल्स तृतीय, जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुट्रोस बुट्रोस-घाली और कई अन्य शामिल हैं।

कूनो नेशनल पार्क में चीता सूरज का मिला शव, अब तक आठ चीतों की मौत

श्योपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की मौत का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को चीता प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। कूनो नेशनल पार्क में एक और चीता मृत पाया गया है।

बता दें कि सूरज नाम के नर चीते का पार्क में शव मिला है। उसे दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। गश्ती दल को सुबह में शव मिला, इसके बाद परियोजना में शामिल अधिकारी सदमे में आ गए हैं।

बताते चलें, तीन दिन पहले ही तेजस नामक के चीते की मौत रहस्यमयी तरीके से हो गई थी। अभी तेजस की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आ पाएगी। तेजस भी दक्षिण अफ्रीका से ही आया था। पांच साल की उम्र में वह दर्दनाक सदमे का शिकार हो गया। उसका वजन केवल 43 किलो था। सामान्य तौर पर चीतों का वजह 50-60 किलो होता है। तेजस के आंतरिक अंग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त था।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से आए आठ चीतों को जंगल में छोड़ा था। आठ नामीबिया और 12 चीता दक्षिण अफ्रीका से लाए गए थे। इसके साथ ही मादा चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया था।

ईडी और सीबीआई से 28 जुलाई तक जवाब मांगा

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। शराब नीति केस में 139 दिनों से जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों एजेंसियों को 14 दिन में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना, बेला एम त्रिवेदी और उज्ज्वल मुइयां की बेंच ने मनीष की जमानत अर्जी पर सुनवाई की। कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों एजेंसियों को अपना पक्ष रखने को कहा और सुनवाई की अगली तारीख 28 जुलाई रखी।

सीबीआई ने भ्रष्टाचार मामले में 26 फरवरी को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

महाराष्ट्र के वित्त मंत्री बने अजित पवार

भुजबल को खाद्य, धनंजय मुंडे को कृषि, मुश्रीफ को स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हुए एनसीपी के 9 मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। डिप्टी सीएम अजित पवार को वित्त और योजना विभाग का मंत्री बनाया गया है। छगन भुजबल को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग सौंपा गया है।

इसके अलावा, धनंजय मुंडे को कृषि, दिलीप वलसे पाटिल को सहकारी, अनिल पाटिल को पुर्नवास और आपदा प्रबंधन, संजय बनसोड़े को खेल और युवा मंत्रालय, अदिति तटकरे को महिला और बाल विकास, धर्मराव अत्राम को फुड एंड ड्रग विभाग, हसन मुश्रीफ को स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा (हेल्थ एजुकेशन) मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है।

इधर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने पास सामान्य प्रशासन, शहरी विकास, सूचना और प्रौद्योगिकी सूचना और जनसंपर्क, परिवहन, सामाजिक न्याय, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन और खनन विभाग रखा है। वहीं, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास गृह, कानून और न्याय, जल संसाधन और लाभकारी क्षेत्र विकास और ऊर्जा विभाग है।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए जज

मुख्य न्यायाधीश ने जस्टिस भुइयां और जस्टिस भट्टी को दिलाई शपथ

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस एस. वेंकटनारायण भट्टी को सुप्रीम कोर्ट के जजों के तौर पर शपथ दिलाई। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में चीफ जस्टिस समेत कुल जजों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है, जो कि सुप्रीम कोर्ट कुल 34 जजों की क्षमता से फिलहाल दो कम है।

सुप्रीम कोर्ट के ऑडिटोरियम में आयोजित शपथग्रहण समारोह में चीफ जस्टिस ने दोनों जजों को शपथ दिलाई। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 12 जुलाई को जस्टिस भुइयां और जस्टिस भट्टी को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त करने की मंजूरी दी थी। जस्टिस भुइयां इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट और जस्टिस भट्टी केरल उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस थे।

प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने उन्हें शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश पांच जुलाई को की थी। इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को ही दोनों जजों की नियुक्तियों की घोषणा की।

मुंबई में तेज बारिश, सड़कों पर भरा पानी, यातायात प्रभावित

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई और उसके उपनगरों में शुक्रवार सुबह से ही तेज बारिश हो रही है, जिसके कारण कुछ स्थानों पर जलजमाव होने से यातायात प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटे में यहां हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है महानगर में तड़के से ही मध्यम से भारी बारिश हो रही है। पिछले एक सप्ताह से यहां हल्की बारिश हो रही थी। उपनगर की तुलना में शहर में बारिश की तीव्रता अधिक है।

इस वजह से शहर के कुछ हिस्सों में जलजमाव होने से सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई। मुंबई यातायात पुलिस ने ट्वीट कर कहा, जलजमाव के कारण अंधेरी सबवे को बंद कर दिया गया है और यातायात को विले पार्ले पुल तथा कैप्टन गोर मार्ग एसवी रोड की ओर मोड़ दिया गया है। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) के एक प्रवक्ता ने बताया कि सायन में साधना विद्यालय के पास पेड़ गिरने के कारण परिवहन निकाय ने करीब 6 मार्गों पर अपनी बसों का मार्ग बदला। रेलवे के अधिकारियों ने दावा किया कि उपनगर में ट्रेन निर्धारित समय पर संचालित हो रही हैं, जबकि यात्रियों ने सेवाओं में 15 मिनट के विलंब की शिकायत की।

एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर हमला

बाल ठाकरे और पीएम मोदी के नाम पर वोट लेकर उन्होंने 'धोखा' दिया है

सीए शिंदे ने सभा में जुटी भीड़ से पूछा

ठाणे, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) के मुखिया और एमवीए सरकार में मुख्यमंत्री रहे उद्धव ठाकरे पर बेहद तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में शुक्रवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने वोट की खातिर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का इस्तेमाल किया और उसके बाद चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठंबधन को जीत मिली तो मुख्यमंत्री बनने के अपने स्वार्थ की खातिर उन्होंने दशकों से महाराष्ट्र में चले आ रहे शिवसेना-भाजपा के स्वाभाविक गठबंधन को तोड़ दिया।

सीएम शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर यह आरोप अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के मौजूदा शिवसेना-भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के मद्देनजर राज्यव्यापी दौरे पर ठाणे में कही। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने (उद्धव ठाकरे) चुनाव के समय बाला साहेब ठाकरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हाथ में ली थी और उनके नाम पर जनता से वोट मांग रहे थे। लेकिन गद्दी की खातिर उन्होंने कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया। उन्होंने न केवल महाराष्ट्र की जनता बल्कि बाला साहेब ठाकरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धोखा दिया है।

क्या उन्होंने चुनाव के बाद बाला साहेब और पीएम मोदी के नाम पर वोट देने वाले मतदाताओं को नहीं छोड़ दिया, क्या उन्होंने सत्ता की गद्दी पाने के लिए महाराष्ट्र की जनता से मिले जनादेश के साथ धोखा नहीं किया। अब आप ही बताए कि असली गद्दार कौन हैं? मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, उद्धव ठाकरे ने उस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धोखा दिया है, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में आजादी के बाद से चली आ रही धारा 370 को खत्म किया और धारा 370 का खत्म होना शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का सपना था। मैं पूछता हूं कि आखिर उन्होंने कैसे उस प्रधानमंत्री को धोखा दे दिया, जिसने अपने साहस और बल पर बाल ठाकरे के सपनों को पूरा किया हो। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिंदे ने ठाकरे पर परोक्ष हमला करते हुए कहा, सूबे में बहुत से ऐसे लोग हैं, जो उनकी सरकार की जतता के बीच पहुंच को पचा नहीं पा रहे हैं। मेरा उनके आधिकारिक निवास स्थान 'वर्षा' महाराष्टर की जनता के लिए हमेशा खुला रहता है, जबकि उनके शासनकाल में ऐसा नहीं था। मुख्यमंत्री आवास पर उन दिनों केवल कुछ लोगों को दाखिल होने की इजाजत थी। शिंदे ने कहा कि जब हमने उनका (उद्धव ठाकरे) का साथ छोड़ा और शिवसेना-भाजपा गठबंधन की सरकार बनाई, भाजपा ने हमेशा शिवसेना के साथ अपने गठबंधन धर्म का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा साल 2017 के चुनावों में हुई जीत के बाद बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की सत्ता पर अपना दावा पेश कर सकती थी, लेकिन उस वक्त भी उसने शिवसेना के साथ गठबंधन समझौते का सम्मान करते हुए उसे बीएमसी पर शासन करने की इजाजत दी थी। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, "उस वक्त साल 2017 में तो भाजपा के पास पर्याप्त संख्या थी, लेकिन देवेन्द्र फड़नवीस ने बड़ा दिल दिखाया और शिवसेना को बीएमसी पर दावा करने की इजाजत दी लेकिन दुख होता है कि आज वे (उद्धव ठाकरे गुट) देवेंद्र फड़नवीस को गाली दे रहे हैं।" अपने भाषण के अंत में शिंदे ने उद्धव ठाकरे सरकार का जिक्र करते हुए कहा, एमवीए की पिछली सरकार के ढाई सालों में कोई निर्णय नहीं लिया गया।

गुजरात के कच्छ में 3.0 तीव्रता का आया भूकंप

कच्छ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 3.0 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सीस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंपीय घटना रात 12:16 बजे हुई और खावड़ा (कच्छ) से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित थी। यह भूकंप इस महीने कच्छ क्षेत्र में दर्ज की गई दूसरी महत्वपूर्ण भूकंपीय गतिविधि है। 3 जुलाई को रापर में 3.4 तीव्रता का भूकंप आया था। उस भूकंप का केंद्र चोबारी गांव से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित था, जो 2001 में इस क्षेत्र में आए विनाशकारी भूकंप का भी केंद्र था। आईएसआर इस क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधि की बारीकी से निगरानी कर रहा है,

मुरबाड में दो वाहनों की टक्कर, वैन चालक और अन्य वाहन में मौजूद 800 से अधिक मुर्गियों की मौत

ठाणे, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मुरबाड में दो वाहनों की टक्कर में एक वैन चालक और अन्य वाहन में मौजूद 800 से अधिक मुर्गियों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया "एक टेम्पो मुर्गियां लेकर बदलापुर की ओर जा रहा था, जबकि वैन मालशेज घाट की ओर जा रही थी, सुबह करीब पांच बजे मुरबाड से करीब 10 किलोमीटर दूर अंबेले गांव के पास दोनों वाहनों के बीच टक्कर हो गई।" मुरबाड पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में वैन चालक प्रकाश डुकरे की मौके पर ही मौत हो गई

हथौड़े से वारकर बहू की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरु, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने कर्नाटक के मैसूरु जिले से 70 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी बहू की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हारोहल्ली गांव निवासी घंटैया अपनी बहू के नौकरी करने से परेशान था। कविता (पीड़िता) एक निजी कॉलेज में अटेंडेंट की नौकरी करती थी ,क्योंकि उसके पति की आय पर्याप्त नहीं थी। मृतका की शादी को 15 साल हुए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी घंटैया को अपनी बहू कविता का बाहर जाना पसंद नहीं था। अक्सर उससे काम को लेकर दोनों में झगड़ा होता रहता था। आरोपी ससुर ने बहु के चरित्र पर संदेह करते हुए गुरुवार शाम उस पर हथौड़े से हमला कर दिया,

बेंगलुरु में होगी विपक्ष की दूसरी बैठक

अरविंद केजरीवाल भी हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता के लिए तमाम राजनीतिक दल प्रयास कर रहे हैं। आपसी तालमेल को मजबूत और आपसी मथ्भेदों को दूर करने के लिए विपक्ष बैठकें कर रहा है। इसी क्रम में पिछले दिनों बिहार के पटना में बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद अब दूसरी बैठक कर्नाटक के बेंगलुरु में हो रही है। यह 17 और 18 जुलाई को होगी। पटना में हुई बैठक के बाद कहा जा रहा था कि आम आदमी पार्टी इससे अलग हो जाएगी लेकिन अब सूत्रों के अनुसार दूसरी बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल हिस्सा लेंगे।

इस बैठक में सोनिया गांधी भी लेंगी हिस्सा

पटना में बैठक नीतीश कुमार ने बुलाई थी और इस बार कांग्रेस पार्टी यह बैठक बुला रही है। माना जा रहा है कि इसमें 24 राजनीतिक दलों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में सोनिया गांधी भी शामिल होंगी। इसके साथ ही इस बार कई ऐसे दल भी शामिल होंगे जो पटना की बैठक का हिस्सा नहीं थे। इसमें मरूमलारची द्रविड़, मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), कोंगु देसा मक्कल काची (केडीएमके) भी शामिल हैं, जोकि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के साथ एनडीए के गठबंधन में शामिल थे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा है विपक्षी दलों के नेताओं को पत्र

इस बैठक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों को बुलावा भेजा है। उन्होंने इसके लिए बकायदा एक निमंत्रण नेताओं को भेजा है, जिसमें कहा गया है कि पटना में हुई बैठक बेहद ही सफल रही और इसे हमें कायम रखना है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, मेरा मानना है कि इन चर्चाओं को जारी रखना और हमने जो गति बनाई है, उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमें उन चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है, जिनका सामना हमारा देश कर रहा है।

जीतन राम मांझी ने बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को लाठी चार्ज के दौरान भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है, इस कारण यहां राष्ट्रपति शासन लगना चाहिए। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मांझी ने कहा कि लाठी में तेल पिलाने वालों की संस्कृति के साथ जाने के बाद नीतीश कुमार की संस्कृति बदल गई। उन्होंने अपनी संस्कृति गिरवी रख दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का विश्वास प्रजातंत्र पर नहीं लाठीतंत्र पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र को बिहार के मामले में हस्तक्षेप कर राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज सही अर्थों में तेजस्वी यादव सीएम बने हुए हैं और पहले ही उन्होंने भाजपा से बदला लेने की बात कही थी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि गुरुवार की घटना बदले की कारवाई है। लाठीचार्ज में मारे गए भाजपा के कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह के परिजनों को सरकार एक करोड़ रुपए मुआवजा दे। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि विजय सिंह की मौत पर प्रशासन लीपापोती कर रहा है, इस कारण इस घटना की जांच सीबीआई से करानी चाहिए।

चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेस में धुआं निकलने से मची अफरा तफरी

अमरावती, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में चेन्नई-बेंगलुरु डबल डेकर एक्सप्रेस में धुआं निकलने से यात्रियों में दहशत फैल गई। घटना गुरुवार की है। एक कोच से धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। धुआं देख एस6 कोच के यात्रियों ने चेन खींची और नीचे उतर गये। यह घटना चित्तूर जिले के कुप्पम शहर के पास हुई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन के गुडियाट्टम रेलवे स्टेशन से गुजरने के कुछ मिनट बाद धुआं देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि धुआं ब्रेक जाम के कारण था। घटना में किसी को कुछ नहीं हुआ। ठीक करने के बाद ट्रेन ने यात्रा फिर से शुरू कर दी।

तिलक नगर में दिनदहाड़े दुकानदार से सोने की चेन और कैश की लूट

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्ट दिल्ली में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वे दिनदहाड़े कहीं भी किसी भी आपराधिक घटना को अंजाम दे रहे हैं। शाम तिलक नगर थाना इलाके में एक दुकान में घुसकर बदमाशों ने कैश लूट लिया और बड़े आराम से मौके से फरार हो गए। वहीं दूसरी तरफ स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक शातिर झपट मार को गिरफ्तार किया है। वेस्ट जिले के डीसीपी विचित्रवीर से मिली जानकारी के अनुसार घटना तिलक नगर इलाके की गुरुवार की है। जहां दुकान में अचानक घुसे बदमाश ने दुकानदार से सोने की चेन और दुकान में रखा 80 हजार कैश लूट लिया।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर शुरू हुआ देश का पहला एलिवेटेड टैक्सी-वे, इस तरह अब हवाई यात्रियों के समय की होगी बचत

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को दिल्ली हवाईअड्डे पर दोहरे एलिवेटेड ईस्टर्न क्रॉस टैक्सी-वे और चौथी हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। देश के सबसे बड़े हवाईअड्डे पर नई सुविधाएं शुरू होने से विमानों की आवाजाही में सहूलियत बढ़ जाएगी। करीब 2.1 किलोमीटर लंबा ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवे (ईसीटी) शुरू हो जाने से विमान उतरने के बाद और उड़ान भरने के पहले यात्रियों का टरमैक पर बिताया जाने वाला समय कम हो जाएगा। विमानों के खड़े होने वाली जगह से हवाई पट्टी तक जाने वाला रास्ता टरमैक कहा जाता है। ईसीटी शुरू होने से आईजीआईए देश का इकलौता हवाईअड्डा हो गया है जहां एक एलिवेटेड टैक्सीवे होगा और उसके नीचे से सड़कें गुजरेंगी। ईसीटी दिल्ली हवाईअड्डे के पूर्वी हिस्से में उत्तरी और दक्षिणी हइंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) पर हर दिन 1,500 से अधिक विमानों की आवाजाही होती है। वाई क्षेत्रों को जोड़ने का काम करेगा। इससे विमान के उड़ान भरने से पहले और उतरने के बाद टरमैक पर सात किलोमीटर तक कम चलना होगा। यह ए-380, बी-777 और बी-747 जैसे चौड़े आकार वाले विमानों को भी संभाल सकता है। इसी के साथ दिल्ली हवाईअड्डे पर चौथी हवाई पट्टी भी शुरू हो गई है। इसके पहले तीन हवाई पट्टियों के सहारे विमानों का परिचालन होता था। आईजीआईए का परिचालन दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के पास है जो जीएमआर एयरपोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की अगुवाई वाला गठजोड़ है। टैक्सी-वे शुरू हो जाने से अब विमानों को हवा में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे यात्रियों के काफी समय की बचत होगी। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि देश के नागर विमानन क्षेत्र में इस समय वृद्धि का दौर शुरू है और यह एक आर्थिक शक्ति के रूप में देश के उदय में योगदान दे रहा है। सिंधिया ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर चौथी हवाई पट्टी और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवे (ईसीटी) के उद्घाटन के मौके पर कहा कि मौजूदा समय देश में नागर विमानन क्षेत्र के वृद्धि के दौर की शुरुआत का है।

बंगाल चुनाव हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हुई

कोलकाता, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के एक और कार्यकर्ता की मौत के बाद राज्य में चुनावी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तृणमूल कार्यकर्ता 8 जुलाई को मतदान के दिन झड़प में घायल हो गए थे और उसी दिन उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक की पहचान सैफुर रहमान के रूप में की गई है, जो मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज के रहने वाले स्थानीय तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता थे। पिछले शनिवार को एक बम विस्फोट में उन्हें और उनके भाई मैदुल रहमान घायल हो गए थे।

गाय का अवैध परिवहन: कर्नाटक में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित चार गिरफ्तार

दक्षिण कन्नड़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने जिले के धर्मस्थल में गायों के अवैध परिवहन के मामले में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने छह गायों व दो बछड़ों को बचाया और तीन वाहन जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बेलथांगडी तालुक के मोर्टजे निवासी प्रमोद साल्यान, ओलागड्डे के पुष्पराज, अरकलगुड निवासी चन्नकेशव और हासन जिले के होलेनारासिपुरा निवासी संदीप हिरेबेलागुली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पहले दो आरोपियों के बीजेपी कार्यकर्ता होने का संदेह है।

गुप्त सूचना मिलने पर धर्मस्थल पुलिस ने अवैध रूप से गायों को ले जा रहे वाहनों का पता लगाया। जांच से पता चला है कि जानवरों को बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। मामले की जांच जारी है।

स्वच्छता नहीं जाम छलकाने में भी नंबर वन, 140 अरब की दारू पी गए इंदौर वासी

इंदौर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर जहां स्वच्छता में नंबर वन बना हुआ है तो वहीं अब शराब पीने वाले लोगों की भरमार के कारण भी नंबर वन बनने से पीछे नहीं हटता हुआ नजर आ रहा है। यह आबकारी विभाग के द्वारा विधानसभा में पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के एक प्रश्न के उत्तर में जो रिकॉर्ड प्रस्तुत किए गए हैं, उसके आधार पर नंबर वन बनता हुआ नजर आ रहा है। बता दें कि पिछले दिनों विधानसभा का सत्र हंगामे के बाद स्थगित हो गया था। वहीं कांग्रेस के विधायक जीतू पटवारी ने शराब दुकानों के ठेके, उसे लेकर प्राप्त राजस्व, शराबबंदी और खपत में हुए इजाफे को लेकर भी सवाल पूछे थे। इसमें यह खुलासा हुआ कि जहां शासन को अधिक राजस्व शराब दुकानों की नीलामी में हासिल हुआ तो साल भर में इंदौर में भी 140 अरब से अधिक की शराब यहां के वासियों के द्वारा गटक ली गई है।

कांग्रेस विधायक ने विधानसभा में पूछा था सवाल

शराब की खपत में वैसे तो लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके चलते ठेकों की राशि भी कई गुना बढ़ गई और कीमतों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। बावजूद इसके घटने के बजाय लगातार बढ़ रही है। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के विधायक जीतू पटवारी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में इंदौर सहित सभी 52 जिलों में शराब की खपत के आंकड़े सामने आए हैं, जिसमें यदि बात इंदौर की जाए तो वर्ष 2021 और 2022 में जहां 107 अरब की शराब की बिक्री हुई थी तो वहीं 2022 और 23 में इस आंकड़े में काफी उछाल आया है और 140 अरब पार यह आंकड़ा पहुंच चुका है।

एक करोड़ 32 लाख की देसी शराब पी गए

वही देसी शराब की खपत की बिक्री सर्वाधिक रही है। एक अनुमान के मुताबिक, एक करोड़ 32 लाख प्रूफ लीटर से अधिक देसी शराब की खपत साल भर में हुई है, जो कि उसके पिछले वर्ष की तुलना में 10 गुना से अधिक रही है। इसी तरह विदेशी शराब की खपत लगभग साढ़े आठ लाख प्रूफ लीटर की रही है और इसमें भी वृद्धि हुई है तो वहीं शराब प्रेमियों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और 2440 प्रूफ लीटर की सालाना खपत हो रही है।

26.47 लाख बल्क लीटर बीयर की खपत हुई

इसी तरह बीयर की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल नजर आ रहा है। 26.47 लाख बल्क लीटर बीयर की खपत अभी तक हो चुकी है, जबकि उसके पिछले साल में यह आंकड़ा 17 लाख बल्क लीटर का था। इन आंकड़ों को आबकारी विभाग ने पूर्व मंत्री के द्वारा पूछे गए सवाल के एवज में जो रिकॉर्ड पेश किए गए हैं, उसी आधार पर यह कहना लाजमी होगा कि इंदौर में लगातार शराब प्रेमियों की तादाद में इजाफा हो रहा है।

सीएम शिवराज ने दिया तोहफा, राज्य के कर्मचारियों को मिलेगा 42 फीसदी डीए

भोपाल, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को अब केंद्र के समान 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 जुलाई को ये बड़ी घोषणा की। सीएम शिवराज ने कहा कि हमने कर्मचारियों के हित में अनेक क्रांतिकारी फैसले किए हैं। अब हमने फैसला किया है कि केंद्र के समान 42% महंगाई भत्ता जनवरी से ही देंगे। 42% महंगाई भत्ता जुलाई माह के वेतन में जुड़कर मिलेगा। यह अगस्त महीने से दिया जाएगा। जनवरी से लेकर जून 2023 तक महंगाई भत्ते का एरियर 3 समान किस्तों में दिया जाएगा। वह सारे कर्मचारी, जो छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे हैं, उनके महंगाई भत्ते में भी समानुपातिक वृद्धि की जाएगी। सीएम चौहान ने कहा कि हमने यह फैसला भी किया है कि जिन्होंने 1 जुलाई 2023 तक अपनी सेवा के 35 वर्ष पूर्ण कर लिए हों, उन सबको चतुर्थ समयमान वेतनमान भी दिया जाएगा।

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद प्राइवेट स्कूलों के टीचर्स की होने वाली है बल्ले-बल्ले, सैलरी से जुड़ी है बड़ी बात

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप भी प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते हैं तो ये खबर आपके काम की है। प्राइवेट स्कूल टीचर्स को लेकर हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि गैर सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के शिक्षक सरकारी शिक्षकों के बराबर वेतन और अन्य भत्ते पाने के हकदार हैं। हाईकोर्ट ने यह फैसला उस वक्त दिया जब एक प्राइवेट स्कूल ने याचिका दायर की थी। इसी याचिका के जवाब में आया है दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। याचिका में प्राइवेट स्कूल ने अपने शिक्षकों को 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के मुताबिक वेतन देने के निर्देश को चुनौती दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम की धारा 10 का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूल के शिक्षक का वेतन और भत्ता, मेडिकल सुविधाएं, पेंशन, ग्रेच्युटी, भविष्य निधि और अन्य लाभ का पैमाना सरकारी स्कूलों के कर्मचारियों से कम नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन के बारे में भी उल्लेख किया, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों को 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने का निर्देश दिया गया है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की बेंच ने कहा कि गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल अपनी वैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं और उन्हें टीचर्स को सरकारी स्कूलों के समान वेतन और लाभ देना ही चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गैर सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के शिक्षक भी सरकारी स्कूल समकक्षों के समान वेतन और सुविधाओं के हकदार हैं, जैसा कि दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 में दिया गया है। कोर्ट ने चुनौती देने वाली अपील खारिज करते हुए कहा कि इसमें योग्यता की कमी है। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने अपीलकर्ता स्कूल को 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के प्रावधानों के तहत शिक्षकों को लाभ और सैलरी देने का निर्देश भी दिया है। इस फैसले में टीचर्स को 1 जनवरी, 2016 तक के बकाया भी भुगतान करने का निर्देश दिया है।

हैलो सर! मैंने अपनी पत्नी और उसके आशिक को मार डाला है, आप जल्दी आ जाइए

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के रोहिणी इलाके से बेहद ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शख्स ने पत्नी के पड़ोसी से अफेयर के बारे में पता चलने पर दोनों को मौत के घाट उतार दिया। दिल्ली पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान इमरान के रूप में की गई है। दोनों मृतकों की पहचान आरोपी इमरान की पत्नी खुशबू और कथित प्रेमी रंजीत के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपी इमरान ने खुद ही पुलिस को फोन करके कहा था कि उसने पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या कर दी है। पुलिस ने वारदात में प्रयोग किए गए चाकू को भी बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी इमरान के मकान मालिक ने बताया कि इमरान करीब 3 साल से अपने परिवार के साथ यहां रह रहा था और ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरणपोषण कर रहा था। लेकिन कुछ दिनों से सामने वाले घर में रहने वाला व्यक्ति संजीत उर्फ रंजीत (22) उसके घर पर आ रहा था। उसके आरोपी की पत्नी के साथ अवैध संबंध बन गए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 15 जुलाई, 2023 3

सुविचार

आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

दलितों के जीवन में रोशनी लाना सरकार का लक्ष्य : कोप्पुला ईश्वर

एससी विकास मंत्री ने कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एससी विकास और कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई दलित बंधु योजना को पारदर्शी रूप से लागू किया गया है। उन्होंने शुक्रवार को करीमनगर में अपने कैंप कार्यालय से जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि लाभुकों के चयन में अनियमितता व गड़बड़ी के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि दलित रिश्तेदार लाभार्थियों का चयन मुख्यमंत्री केसीआर के निर्देशानुसार किया जाएगा। प्रथम चरण में लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया को लेकर भ्रांतियां होने के कारण विधायकों के सुझाव पर जिला कलक्टरों को जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले के मंत्री जिला कलेक्टरों से चर्चा कर निर्णय लेंगे. मंत्री ने कहा कि दलित बंधु के दूसरे चरण में सरकार द्वारा आवंटित 17 सौ करोड़ रुपये में से 850 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना को कदम दर कदम हर दलित परिवार तक लागू करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेगी। मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि राज्य के दलितों और कमजोर वर्गों के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन के लिए मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में कई कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि निचले तबके के गरीबों के लिए शिक्षा और चिकित्सा के मामले में कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। सीएम केसीआर ने दलित परिवारों में बदलाव लाने के उद्देश्य से दलितबंधु को डिजाइन किया है, जो आजादी के बाद भी छुआछूत और भेदभाव का शिकार रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य देश में कहीं और की तरह प्रत्येक दलित परिवार को दस लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करके रोजगार के अवसरों में सुधार करना है। बताया गया है कि इस योजना से लाभान्वित दलित परिवार आर्थिक विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राज्य एससी निगम सचिव राहुल बोज्जा भी शामिल रहे।

मारपीट कर पैसा छीनने के आरोप में 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मारडपल्ली पुलिस ने मारपीट कर दो लोगों से पैसा और मोबाइल फोन छीनने वाले 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। नार्थ जोन की डीसीपी चंदना दीप्ती के मुताबिक बीती 10 जुलाई की रात श्रमिक सूरज कुमार यादव वेस्ट मारेडपल्ली स्थित गणेश मंदिर के पास खुले क्षेत्र में पीछे की ओर सो रहा था। रात करीब 11.30 बजे अज्ञात छह सदस्य वहां आए और उससे पैसे की मांग करने लगे। उसने कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं और उनमें से एक ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसकी पैंट की जेब से 10 हजार रुपये निकाल लिए। इसी बीच दूसरे व्यक्ति ने उसके बाएं हाथ पर पेपर कटर ब्लेड से वार किया, जिससे उसके बाएं हाथ पर गंभीर चोट आई। उन्होंने पीड़ित का फोन भी ले लिया। उसी समय एक दूसरा व्यक्ति बिहारी यादव गणेश मंदिर के पीछे गांधी कॉलोनी के फुटपाथ की ओर जा रहा था। उन्हीं छह लोगों ने बिहारी यादव पर भी हमला कर दिया। उन्होंने वीवो फोन और 1700 रुपए छीन लिया। पैसा छीनने के दौरान बिहारी यादव के सिर के पीछे पेपर कटर ब्लेड से वार कर दिया। इसके बाद दोनों पीड़ितों से भानु प्रसाद नाम का एक व्यक्ति मिला। भानु प्रसाद ने कहा कि जब वह छावनी बस पार्किंग क्षेत्र से बाहरी गेट की ओर आ रहा था तो छह अज्ञात बदमाशों ने उसका फोन छीन लिया। तीनों पीड़ितों ने मारेडपल्ली पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी संदीप बहादुर, अलुरु दिलीप, बेजानकी राजेश, पस्पुला किरण, मोहम्मद समीर, पडेरु मणिकांता को गिरफ्तार लिया। इनके पास से छीनी गई धनराशि 10 हजार रुपए में से 700 रुपए और एक मोबाइल बरामद हुआ।

राजा सिंह ने मंत्री हरीश राव से मुलाकात पर दी सफाई

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा से निलंबित चल रहे विधायक राजा सिंह के एक कदम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। गोशामहल विधायक राजा सिंह ने तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव के साथ बैठक की। हालाँकि, बैठक ने विधायक के संभावित पार्टी परिवर्तन की अटकलों को हवा दे दी है। विधायक राजा सिंह ने पार्टी बदलने की चर्चा को अफवाह करार दिया है। उन्होंने ने स्पष्ट किया कि मंत्री राव के साथ उनकी बैठक उनके निर्वाचन क्षेत्र में जनसमस्याओं को हल करने और विकासात्मक निधि पर केंद्रित थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मंत्री से मिलने का उनका निर्णय उनके निर्वाचन क्षेत्र की प्रगति के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता से प्रेरित था।

बुंदेली समाज (कान्यकुब्ज) पं. सं. 2085 / 2012
BONDILI SAMAAJ (KAANYAKUBJ) Regn. No. 2085 / 2012
निमंत्रण / INVITATION
महिला प्रकोष्ठ (विंग) 6वां वार्षिकोत्सव
सुंदरकांड पाठ और शिक्षा सहयोग कार्यक्रम
राम राम
सुंदरकांड पाठ : सरस्वती भजन मंडली, गंधमगुडा
शिक्षा सहयोग कार्यक्रम : नोटबुकों और पेनों का वितरण समारोह
प्रतियोगिता (बच्चों के लिए) : " श्री हनुमान चालीसा पाठ (कंठस्थ)
जय सियाराम
अपराह्न 03-00 बजे से दि.15-07-2023, शनिवार
श्री राम मंदिर मठ , संगम , बापुघाट, लंगरहौज
सनातन धर्म की जय
बुंदेली कान्यकुब्ज समाज कार्यकारिणी समिति
विनीत : शोभा पाण्डेय
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विनिर्माण क्षेत्र में जापान दुनिया के लिए एक रोल मॉडल : केटीआर

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में जापान पूरी दुनिया के लिए एक रोल मॉडल है और वह जब भी देश का दौरा करते हैं तो नई चीजें सीखते हैं। डेफुकु इंट्रालॉजिस्टिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए कारखानों के भूमि पूजन समारोह में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री केटी रामा राव ने तेलंगाना के भविष्य के लिए प्रेरणा के रूप में जापान के तेजी से विकास और इसकी संस्कृति की प्रशंसा की। इस अवसर पर, उन्होंने अन्य विकल्पों की तुलना में तेलंगाना को चुनने के लिए दाइफुकु, ताइकिशा के प्रबंधन को धन्यवाद दिया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों कंपनियां 575 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी और इन पदों के लिए स्थानीय उम्मीदवारों को नियुक्त करने को प्राथमिकता देते हुए कम से कम 4000 अप्रत्यक्ष नौकरियों के साथ 1600-2000 प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेंगी।

उन्होंने युवाओं के लिए प्रशिक्षण और अवसर सुनिश्चित करने के लिए दाइफुकु द्वारा विकाराबाद में आईटीआई अपनाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। केटीआर ने चंदनवेल्ली क्षेत्र के तेलंगाना में महत्वपूर्ण औद्योगिक क्लस्टर बनने की क्षमता पर प्रकाश डाला। दाइफुकु स्वचालित सामग्री प्रबंधन प्रौद्योगिकी और समाधान का दुनिया का अग्रणी प्रदाता है।

फिल्म निर्देशक राजामौली का फार्म हाउस बना 20 स्थानांतरित पेड़ों का सुरक्षित ठिकाना

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली ने ग्रीन इंडिया चैलेंज और वात फाउंडेशन के साथ मिलकर सड़क विस्तार परियोजना के लिए काटे जाने वाले कुल 35 पेड़ों को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया। निदेशक का फार्म हाउस इनमें से 20 पेड़ों के लिए नया घर बन गया, जबकि शेष 15 को विभिन्न अन्य स्थानों पर आश्रय मिला। जोगिनीपल्ली संतोष कुमार ने राजामौली के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में और अधिक पेड़ों को स्थानांतरित करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने ट्वीट किया, "हरित भारत चुनौती केवल पौधे लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि विभिन्न कारकों से प्रभावित पेड़ों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने में मदद करना भी है।" शुक्रवार को हुए इस कार्यक्रम में ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक सदस्य राघव, वात फाउंडेशन के उदय और मदन और अन्य की उपस्थिति देखी गई। साथ में, उन्होंने पेड़ों के सफल प्रत्यारोपण को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से काम किया।

तेलंगाना के किसान सीएम केसीआर के साथ : तलसानी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना के किसान मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के साथ हैं और वे कांग्रेस पार्टी के झूठ के शिकार नहीं होंगे। शुक्रवार को यहां सनत नगर विधानसभा क्षेत्र के बंसीलालपेट में विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, राज्य में किसानों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति मिल रही है। बीआरएस सरकार किसानों को समय पर रैतू बंधु, फसल बीमा, बीज और उर्वरक प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने किसानों को तीन घंटे की बिजली आपूर्ति पर्याप्त होने की बात कहीं है। यह उनकी अज्ञानता को उजागर करता है और किसान कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने की स्थिति में नहीं हैं। आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिन्होंने कहा कि उनकी राज्य शिक्षा प्रणाली तेलंगाना से कहीं बेहतर है। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बोत्सा सत्यनारायण लोगों का सरकार की विफलताओं के ध्यान भटकाने के लिए तेलंगाना के खिलाफ निराधार टिप्पणियां कर रहे है।

वरंगल रेलवे स्टेशन पर पानी टंकी गिरने की घटना में चार घायल

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वारंगल रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को पानी की टंकी गिरने से चार यात्री घायल हो गए। प्लेटफार्म नंबर एक पर अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री उस समय घायल हो गए जब ओवरहेड पानी की टंकी टूटकर कवर ओवर प्लेटफार्म (सीओपी) पर गिर गई। जीआई चादरें धंस गईं और पानी के साथ यात्रियों पर गिर गईं। यह घटना लगभग 2 बजे की है, जब 64,000 लीटर क्षमता का पानी बह गया। यात्री पटरियों पर बह गए और घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से दो को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। उन्हें 25-25 हजार रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है। दो अन्य यात्री, दोनों वरिष्ठ नागरिक, का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि उन्हें आवश्यक चिकित्सा उपचार प्रदान किया जा रहा है, जिसका पूरा खर्च रेलवे वहन कर रहा है। साथ ही उन्हें 1 लाख रुपये का मुआवजा भी दिया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चूंकि प्लेटफॉर्म पर कोई ट्रेन नहीं थी, इसलिए बड़ा हादसा टल गया।

दोमलगुडा अग्निदुर्घटना मामले में अब तक चार की मौत

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डोमलगुडा एलपीजी अग्नि दुर्घटना मामले में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई, इस घटना में झुलसे तीन और लोगों ने गुरुवार आधी रात को अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पद्मा (53), धनलक्ष्मी (28) और अभिनव (7) ने गुरुवार को जलने से दम तोड़ दिया, जबकि सात वर्षीय शरण्या की बुधवार को मौत हो गई। कथित तौर पर आग लगने से एक ही परिवार के सात लोग झुलस गए। मंगलवार सुबह डोमलगुडा के रोज कॉलोनी में उनके घर में एलपीजी सिलेंडर लीक होने से विस्फोट हो गया। पुलिस ने कहा कि जब आग लगी तो परिवार की महिलाएं 'बोनालु' का जश्न मना रही थीं और नाश्ता तैयार कर रही थीं। घायलों को तुरंत गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां सात लोगों में से चार ने दम तोड़ दिया। तीन अन्य का इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शवों को शव परीक्षण के लिए शवगृह में भेज दिया गया है। डोमलगुडा पुलिस जांच कर रही है।

मुझे राजनीति में प्रवेश से रोका गया : नारा लोकेश

विजयवाड़ा, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने पिछले कांग्रेस प्रशासन और वाईएसआरसीपी के वर्तमान सत्तारूढ़ कैडर दोनों पर आरोप लगाए हैं और कहा है कि उन्होंने उनके खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए, नारा लोकेश ने कहा कि उन्होंने पिछले चार दशकों से आरोपों का सामना किया है, फिर भी उनके खिलाफ कुछ भी ठोस साबित नहीं हुआ है। उन्होंने खुलासा किया कि राजनीति में आने से पहले 2008 में तत्कालीन कांग्रेस नेताओं ने उन पर सिफ़ारिश के ज़रिए विदेश में एमबीए की सीट हासिल करने का आरोप लगाया था।

गुरुकृपा सेवा समिति
मारवाडी युवा मंच, मेडचल शाखा
श्रीमद् भागवत कथा
सोमवार, दि. 17 जुलाई 2023 से सोमवार, दि. 24 जुलाई 2023 तक
सायं 7-30 बजे से 11-30 बजे तक
कथा स्थल : श्री श्रीनिवासा कल्याण मंडपम, किस्टापुर रोड, मेडचल
सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं का हार्दिक स्वागत है
कलश यात्रा :
सोमवार, दि. 17-7-2023 सायं 5-00 बजे
के.एल.आर. वेंचर शिवालयम से कथा स्थल तक
रक्तदान शिबिर :
शनिवार, दि. 22-7-2023
सोमवार, दि. 24-7-2023
श्री राजारामजी महाराज
गुरु मंत्र :
रविवार, दि. 23-7-2023 सायं 7-30 बजे
हवन / यज्ञ : प्रतिदिन प्रातः 8-00 बजे
प्रसादी : प्रतिदिन सायं 6-00 से 9-00 बजे तक
पावन सानिध्य : श्री मंगलारामजी महाराज
LIVE ON YouTube KRIPARAMJI
team_kriparamji_hyd
विशाल भजन संध्या :
शनिवार, दि. 22-7-2023
पूर्ण रात्रि जागरण
भजन गायक :
श्री ओमजी गुंडेल
कथा वाचक :
पूज्यसंत श्री कृपारामजी महाराज
सोमवार, दि. 24-7-2023
पूर्ण रात्रि जागरण
भजन गायक :
संत प्रकाशदासजी महाराज
संपर्क सूत्र : 9963879981, 9441150391, 8463917043,
9849825239, 9848817042, 8121984311, 9490521913, 9848373335

।। श्री गणेशाय नमः ।।
गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान की
80 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
श्री राजेश्वर भगवान का विशाल जागरण
: शुभस्थल : श्रृंगऋषि भवन, दाल मण्डी, फीलखाना, हैदराबाद
आज जागरण शनिवार 15 जुलाई रात्रि 8.30 बजे से
कल पूजा-अर्चना-महाप्रसादी रविवार 16 जुलाई प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक
भजन गायक: श्री जबरारामजी बोका कलबी वागावास
: निवेदन : समाज बंधुओ व आमंत्रित सम्मानित अतिथियों से निवेदन है कि सपरिवार पधारकर महोत्सव का लाभ लेवे
समाज बन्धुओं से निवेदन है रविवार 16 जुलाई को अपने प्रतिष्ठान पर अवकाश रखे
: निवेदक :
संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट (रजि.)
हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)
9390204158, 9440024878, 9885454935, 9441876125
P.Solankey

तेलंगाना के पहले लॉजिस्टिक पार्क की नींव रखी गई

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान सचिव (उद्योग) जयेश रंजन ने नलगोंडा के चिट्याल में राज्य के पहले बहु-उत्पाद, बहुउद्देश्यीय लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखी। यह पार्क, जो एकीकृत लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एमपीएल समूह का पहला निवेश है, इसमें 750 करोड़ रुपये का निवेश और 2,750 रोजगार की संभावनाएं दिखाई देंगी। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह लॉजिस्टिक सुविधा 50 एकड़ में फैली हुई है और इसमें 2000 मीटर की रेलवे साइडिंग है।

हैदराबाद के पूर्वी हिस्से की ओर रणनीतिक रूप से स्थित, यह सुविधा बाहरी रिंग रोड से 60 किमी दूर और प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रोड से 20 किमी दूर है। यह सुविधा आपूर्ति श्रृंखला संचालन को सुव्यवस्थित करने और क्षेत्रीय व्यापार में तेजी लाने के लिए डिज़ाइन की गई नवीन सुविधाओं की एक श्रृंखला तक फैली हुई है, जिसमें मुख्य ट्रंक लाइन से जुड़ने वाली एक निजी रेलवे साइडिंग, पांच लाख वर्ग फुट की कोल्ड चेन एकत्रीकरण और खाद्य प्रसंस्करण पार्क एक एकीकृत के साथ आईसीडी के लिए एक लाख वर्ग फुट का भंडारण शामिल है।

बीआरएस नेता दासोजू श्रवण को मिल रही हैं फोन पर धमकियां

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी के समर्थक होने का दावा करने वाले अज्ञात कॉल करने वालों ने बीआरएस नेता दासोजू श्रवण को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। श्रवण उन बीआरएस नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने कृषि क्षेत्र को बिजली आपूर्ति तीन घंटे तक सीमित रखने के बयान के लिए पीसीसी अध्यक्ष की कड़ी आलोचना की थी। इस प्रकरण की पुलिस जांच की मांग करते हुए उन्होंने ट्वीट किया कि फोन करने वालों ने उन्हें पीसीसी अध्यक्ष के खिलाफ बोलना जारी रखने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। उन्होंने रात 12.15 बजे के बाद से बार-बार फोन किया और उसे गालियां दीं।

श्रवण ने कहा कि मैं दोषियों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए इन धमकी भरे कॉलों की जांच का अनुरोध करूंगा कि उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़े। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना में डराने-धमकाने और उपद्रवी राजनीति की संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल किया है। रेवंत ने पहले भी वी हनुमंत राव, उत्तम कुमार रेड्डी और जग्गा जैसे अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को इसी तरह की धमकियां देकर ऐसी रणनीति का सहारा लिया था। रेवंत रेड्डी को चेतावनी देते हुए, श्रवण ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि ये उपद्रवी राजनीति और सस्ती कुटिल रणनीति उन्हें सही कारण के लिए लड़ने से नहीं रोक पाएगी। उन्होंने आश्चर्य जताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी पार्टी में ऐसे उपद्रवी तत्वों को कैसे प्रोत्साहित और सहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए औपचारिक रूप से साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

दुर्गम चेरुवु ब्रिज पर युवक ने बाइक स्टंट किया

पुलिस ने सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर स्टंट करते एक युवक का वीडियो ट्विटर पर वायरल हो गया है, जिससे उसके जीवन और दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए आलोचना हो रही है। साइबराबाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और जोखिम भरे कार्य में शामिल युवा व्यक्ति को पकड़ लिया। वीडियो में शख्स को अपनी बाइक का अगला पहिया उठाकर दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर स्टंट करते देखा जा सकता है। दर्शकों ने इसकी तत्काल निंदा की जो इस तरह के लापरवाह व्यवहार के संभावित परिणामों के बारे में चिंतित थे।

साइबराबाद पुलिस विभाग ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कार्रवाई के परिणाम होते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि ऐसी खतरनाक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और व्यक्तियों को पुल या किसी अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर इसी तरह के स्टंट का प्रयास करने के खिलाफ चेतावनी दी।

एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने एनसीसी प्रशिक्षण की समीक्षा की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) के उप महानिदेशक एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने डीडीजी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय के एनसीसी प्रशिक्षण की समीक्षा की। एनसीसी निदेशालय सिकंदराबाद में एनसीसी ग्रुप कमांडर के सम्मेलन के दौरान, सभी ग्रुप कमांडरों ने डीडीजी को एनसीसी कैडेटों के नामांकन और उनके प्रशिक्षण पर जोर देने के साथ अपने संबंधित एनसीसी समूहों के बारे में जानकारी दी। एयर कमोडोर रेड्डी ने एनसीसी नामांकन और कैडेटों के सार्थक प्रशिक्षण के लिए सभी ग्रुप कमांडरों और कमांडिंग अधिकारियों से व्यक्तिगत सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने आगे बताया कि ये कैडेट हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं और उनमें सही मूल्यों, प्रशिक्षण और अनुशासन को शामिल करके, उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाकर राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में बहुत योगदान दिया जाएगा।

गुत्ता ने रेवंत से मुफ्त बिजली पर गलत प्रचार बंद करने का आग्रह किया

नलगोंडा, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी से कृषि के लिए मुफ्त बिजली पर अपने झूठे प्रचार को रोकने का आग्रह किया।

यहां मीडिया से बात करते हुए सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि बिजली खरीद में भ्रष्टाचार की कोई संभावना नहीं है जैसा कि रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर (एनएलडीसी) से बिजली खरीद रही है, जो भारत सरकार का उद्यम है। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जो सभी क्षेत्रों को चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने रेवंत रेड्डी को यह बताने की चुनौती दी कि क्या पहले की तरह बिजली कटौती के कारण राज्य में कहीं भी किसानों की फसलें सूख गई हैं। उन्होंने टीपीसीसी अध्यक्ष द्वारा 2000 में बशीरबाग गोलीबारी की घटना के लिए के. उन्होंने कहा कि किसान विरोधी रवैया रखने वाले रेवंत रेड्डी की बातों पर कोई विश्वास नहीं करेगा।

डॉ. एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट में मना बोनालू उत्सव

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति, जीवंत परंपराओं और समय-परीक्षणित मूल्यों को प्रतिबिंबित करने वाला 'बोनालु' उत्सव शुक्रवार को डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में उत्साह के साथ मनाया गया। संस्थान का पूरा परिसर, जिसमें कार्निवल जैसा माहौल दिखाई दे रहा था, उत्सव के माहौल में डूबा हुआ था। जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने बड़ी संख्या में समारोह में भाग लिया। रंगीन बोनालु जुलूस रामदासु रंगस्थली से शुरू हुआ और परिसर में मंदिर में समाप्त हुआ। विशिष्ट तेलंगाना पोशाक पहने सैकड़ों महिलाओं ने अपने सिर पर मिट्टी के बर्तनों में बोनम रखा और इसे मंदिर में देवी महांकाली को अर्पित किया। लयबद्ध ढोल की थाप, ऊर्जावान नृत्य और मधुर लोक गीत दर्शकों के लिए दृश्य आनंद थे। कई कर्मचारी उत्सव के मूड में आ गए, ऊर्जावान ढंग से नृत्य किया और उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया। संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव बेनहुर महेश दत्त एक्का ने कहा कि भले ही बोनालु तेलंगाना का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, लेकिन अब यह न केवल देश भर में बल्कि विदेशों में भी मनाया जा रहा है। बोनालु तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है, न केवल जीवित रहा है बल्कि सदियों से फला-फूला भी है। यह तेलंगाना क्षेत्र में आस्थाओं के सह-अस्तित्व और मानवता की एकता की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्य सलाहकार (प्रशिक्षण) डॉ. के. तिरुपतैया ने कहा कि, बोनालू के एक हिस्से के रूप में, देवी येलम्मा के लिए विशेष पूजा की जाती है, जो देवी महाकाली के कई क्षेत्रीय रूपों में से एक है। उन्होंने कहा, "त्योहार को मन्नत पूरी होने पर देवी को धन्यवाद देना भी माना जाता है। देश भर के 12 राज्यों से संबंधित सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) परिवीक्षाधीनों की सक्रिय भागीदारी ने उत्सव में एक राष्ट्रीय रंग जोड़ दिया। एमईएस प्रोबेशनर्स ने सर्वसम्मति से कहा कि बोनालु उत्सव में भागीदारी ने हमें तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति का आनंद लेने का अवसर दिया।

नशे पर नियंत्रण के लिए जिले में सख्त कदम उठाने के आदेश

कुमरम भीम आसिफाबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि जिले में मनी लांड्रिंग पर नियंत्रण को लेकर पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर सख्त कदम उठाये जायेंगे। गुरुवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिला एसपी सुरेश कुमार के साथ राजस्व, पुलिस, उत्पाद एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ नशा नियंत्रण पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कड़े कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि किसान कपास की फसल में भांग की फसल की खेती कर रहे हैं और कृषि एवं विस्तार अधिकारी इस पर निगरानी रखें और यदि कोई हो तो उसे नष्ट कर दें और किसानों की बंधीबंदी रोकने के उपाय करें।

पोडु भूमि पट्टा लाभार्थियों में विधायक सीताक्का के माता-पिता भी शामिल

मुलुगु, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के पोडु भूमि पट्टा वितरण कार्यक्रम के लाभार्थी 1.5 लाख किसानों में स्थानीय कांग्रेस विधायक धनसारी अनसूया उर्फ सीताक्का के माता-पिता भी शामिल हैं।

उचित स्वामित्व दस्तावेज के बिना अपनी भूमि पर खेती करने के 50 लंबे वर्षों के बाद, सीताक्का के माता-पिता को अंततः गुरुवार को तेलंगाना सरकार से 1.17 एकड़ भूमि के लिए बहुप्रतीक्षित पट्टा (भूमि स्वामित्व शीर्षक) प्राप्त हुआ। इस भूमि स्वामित्व दस्तावेज के जारी होने से न केवल उसके माता-पिता में सुरक्षा और स्थिरता की भावना आई है, बल्कि अपनी भूमि के प्रति उनकी दशकों की कड़ी मेहनत और समर्पण को भी मान्यता मिली है। वे मुलुगु मंडल के जगन्नापेट गांव के रहने वाले हैं। इससे पहले, जमीन की देखभाल और खेती करने के अपने प्रयासों के बावजूद, विधायक के माता-पिता, जो कोया समुदाय से हैं, आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में असमर्थ रहे थे। आधिकारिक मान्यता की कमी ने उन्हें अपने भविष्य के बारे में असुरक्षित और अनिश्चित बना दिया। हालाँकि, बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी पहलों की बदौलत, उनकी लंबे समय से चली आ रही दुविधा का समाधान हो गया है, जिससे आशा और संतुष्टि की किरण जगी है।

अपना आभार व्यक्त करते हुए, सीताक्का के माता-पिता यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों के लिए खुशी और सराहना से भरे हुए थे कि योग्य व्यक्तियों को वे लाभ प्राप्त हों जिनके वे हकदार हैं।

राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना, तेलंगाना के लोगों की निष्पक्ष रूप से सेवा करने की बीआरएस सरकार की प्रतिबद्धता, प्रत्येक नागरिक के कल्याण के प्रति उसके समर्पण के प्रमाण के रूप में कार्य करती है। हम खुशी से अभिभूत हैं क्योंकि आखिरकार हमें अपनी खेती की जमीन का मालिकाना हक मिल गया है। पहले हम जमीन को लेकर वन कर्मचारियों और अन्य सरकारी अधिकारियों से डरते थे। लेकिन अब ऐसा कोई डर नहीं है। हम अपनी जमीन को अपने बच्चों से ज्यादा प्यार करते हैं। उन्होंने कहा कि अन्य ग्रामीणों डी. मुथैया, इलु मुथैया, सरम्मा और अजमीरा सरदार को भी पोडु भूमि के पट्टे मिले हैं।

ग्रुप-2 परीक्षा : 29 और 30 अगस्त को, स्कूल व कॉलेजों में छुट्टियां

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने उन सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टियों की घोषणा की है जिन्हें 29 और 30 अगस्त को ग्रुप-2 सेवा भर्ती परीक्षा के आयोजन के लिए केंद्र के रूप में नामित किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक ज्ञापन के अनुसार, 5.5 लाख उम्मीदवारों को 29 और 30 अगस्त को ग्रुप-2 सेवा भर्ती परीक्षा के लिए उपस्थित होना है, जो कार्य दिवस हैं। चूंकि दोनों कार्य दिवस हैं, परीक्षा आयोजित करने वाले टीएसपीएससी के अनुरोध के अनुसार, विभाग ने उन सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टियों की घोषणा की है जिन्हें केंद्र के रूप में नामित किया गया है। जिला कलेक्टरों, राज्य उच्च शिक्षा परिषद, कॉलेजिएट, तकनीकी और इंटरमीडिएट शिक्षा आयुक्त, इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड सचिव और स्कूल शिक्षा निदेशक को आवश्यक आगे की कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति की विभिन्न कमेटियों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में श्री पंचकुण्डीय महायज्ञ का आयोजन 19 जुलाई से 25 जुलाई तक किया जाएगा। यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार 15 जुलाई को भूमि पूजन का आयोजन प्रातः 8 बजे यज्ञ स्थल पर किया जाएगा। तत्पश्चात् अल्पाहार एवं चाय का प्रबंध रहेगा। यज्ञ समिति के संयोजक शंकर लाल अग्रवाल ने भूमि पूजन से आरंभ होकर यज्ञ की समाप्ति तक सारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवायी। कलश यात्रा के संयोजक सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि कलश यात्रा प्रातः 8 बजे श्री कनकदुर्गा मंदिर बंजारा हिल्स से प्रारंभ होकर जगन्नाथ मंदिर जाएगी सभी महिलाएँ एक ही वेशभूषा में कलश धारण करेंगी। इस यात्रा में घोड़े, बग्गी, गाजे बाजे के साथ जाएँगे। पुरुष भी एक ही वेशभूषा पैजामा कुर्ता एवं जाकिट् में रहेंगे। भोजन एवं प्रसाद के संयोजक सुरेश जगनानी ने बताया कि भूमि पूजन से प्रारंभ होकर कलश यात्रा तथा महायज्ञ में प्रातः अल्पाहार, मध्याह्न में फलाहार, सायं अल्पाहार एवं चाय के अतिरिक्त सायं आरती के पश्चात् भोजन तथा प्रसाद का आयोजन पूरे सात दिन तक रहेगा। विज्ञापन, प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि इसकी जानकारी हैदराबाद शहर से प्रसारित होने वाले समाचार पत्रों के माध्यम से दी जा रही है। बैठक में मुख्य यजमान के रूप में बजरंग प्रसाद गुप्ता उपस्थित थे। समिति के मानद मंत्री सुरेश कुमार दिल्ली वाले ने रोज़ाना यजमान द्वारा धारण करने की वेशभूषा एवं यज्ञ संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई। बैठक में बजरंग प्रसाद गुप्ता, सुरेश कुमार दिल्ली वाले, शंकरलाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार जगनानी, सुनील कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

हरे कृष्णा मूवमेंट ने बच्चों के लिए विरासत और सांस्कृतिक कार्निवल शुरू करने की घोषणा की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हरे कृष्णा मूवमेंट (एचकेएम), हैदराबाद की सांस्कृतिक शाखा सुमेधासा ने बच्चों के लिए एक विरासत और सांस्कृतिक कार्निवल शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एलकेजी से दसवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए एक मजबूत और आत्मविश्वासी भावी पीढ़ी का पोषण करना है। तेलंगाना के 300 से अधिक स्कूलों के लगभग 30,000 छात्रों के भाग लेने की उम्मीद है और इस कार्यक्रम में गीता-श्लोक जप, पौराणिक वेशभूषा, शास्त्रीय नृत्य, गायन संगीत, पुष्पलंकार, रंगोली आदि सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रतियोगिताएं जुड़वां शहरों में विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाएंगी और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे, जबकि विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के साथ-साथ स्मृति चिन्ह और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

एचकेएम-हैदराबाद के अध्यक्ष, सत्य गौरा चंद्र दास प्रभु ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से, हमारा लक्ष्य युवा मन में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सिद्धांतों और प्रथाओं को स्थापित करना है।

दोमलगुड़ा शाखा क्लिनिक की 20वीं वर्षगाँठ मनायी गयी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रकुल प्रवर्तक महाराज अग्रसेनजी के सिद्धांत 'मानव सेवा ही माधव सेवा' को चरितार्थ करते हुए 20 वर्षों पूर्व अग्रवाल समाज, दोमलगुड़ा शाखा द्वारा दोमलगुड़ा क्षेत्र में स्थापित की गई एक चैरिटेबल क्लिनिक की 20वीं वर्षगाँठ मनायी गयी। क्लिनिक के संयोजक अक्षय अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा ने श्री अग्रसेनजी को माल्यार्पण और पूजा अर्चना के पश्चात सभी उपस्थित सदस्यों का क्लिनिक संयोजक ने स्वागत करते हुए उनके समक्ष क्लिनिक के 20 वर्षों का गौरवमयी इतिहास प्रस्तुत किया। क्लिनिक के आरम्भ से ही डॉक्टर आर.पी. तोषणीवाल द्वारा पिछले 20 वर्षों से निरंतर निर्बाध रूप से दी जा रही सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। समाज की सदस्या सुजोक थेरापिस्ट डॉक्टर कुसुम अग्रवाल और डॉक्टर विश्वनाथ द्वारा विगत वर्षों में क्लिनिक को दी गयी महत्वपूर्ण सेवाओं का भी उल्लेख किया गया।

अक्षय अग्रवाल द्वारा क्लिनिक की सम्पूर्ण रपट प्रस्तुति के पश्चात् शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने भी सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉक्टर आर.पी. तोषणीवाल को स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर प्रदीप अग्रवाल ने सम्मान किया। डॉक्टर तोषणीवाल ने अपने सम्बोधन में क्लिनिक की सेवाओं को उन्नत करने/सुधारने से सम्बन्धित अपने विचार रखे।

अवसर पर क्लिनिक को आर्थिक सहयोग देनेवालों का भी पुष्पगुच्छ द्वारा अभिनन्दन किया गया। क्लिनिक परिसर के अधिपति नवनीत गिल्डा का भी अवसर पर पुष्पगुच्छ द्वारा अभिनन्दन किया गया। कुछ सदस्यों ने शाखा क्लिनिक की सेवाओं को और अधिक विस्तार देने पर सुझाव दिये।

एक अतिरिक्त डॉक्टर की सेवाओं को जोड़ने पर भी विचार किया गया। शाखा संस्थापक और परामर्शदाता ओम प्रकाश पंसारी, गिरधारीलाल अग्रवाल, गिरधारीलाल गुप्त, श्यामलाल, केन्द्रीय समिति सदस्य दिलीप पंसारी (निवर्तमान अध्यक्ष), विजय कुमार जिंदल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, सहमंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल के अतिरिक्त सीमा अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, राकेश रासिवासिया, राजेश कुमार अग्रवाल, विकास अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नवनीत गिल्डा आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अधिक गौरवमयी, प्रेरणादायी और उपादेय बनाया।

अमित शाह खम्मम में 29 को जनसभा को संबोधित करेंगे : सुधाकर रेड्डी

खम्मम, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व एमएलसी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने आज कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सार्वजनिक बैठक 29 जुलाई को खम्मम में होगी। वह यहां भाजपा पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुजरात में आए भीषण चक्रवाती तूफान के कारण खम्मम में अमित शाह की सार्वजनिक बैठक अंतिम समय में स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि वे पीएम नरेंद्र मोदी के नौ साल के शासनकाल और देश के सुशासन की उपलब्धियों को बताने के लिए सार्वजनिक बैठक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे राज्य एवं जिला स्तरीय समितियों की व्यवस्थाओं में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी के आने के बाद हम मिलकर व्यवस्था करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता अपनी पार्टी की आंतरिक राजनीति में गलत सूचना फैला रहे हैं।

राज्यपाल व सीएम ने चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण की सराहना की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने इसरो के एलवीएम3-एम4 चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण और आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष यान को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने पर खुशी व्यक्त की है।

शुक्रवार को यहां एक बयान में राज्यपाल ने कहा कि चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के साथ, इसरो वैज्ञानिकों ने भारत की आत्मनिर्भर टोपी में एक और पंख जोड़ा है और देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक चंद्रमा मिशन परियोजना में भाग लेने के लिए वैज्ञानिकों, इसरो कर्मचारियों और अन्य तकनीकी टीम के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता के साथ, भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया है।

आंध्र सीएम ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि पर इसरो को बधाई दी

उधर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने चंद्रमा पर मिशन चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो टीम को बधाई दी है। उन्होंने चंद्र अभियान की सुचारू और सफल लैंडिंग, देश की अंतरिक्ष शक्ति को गौरव की कक्षा में पहुंचाने, वैश्विक मानचित्र पर गौरव का स्थान हासिल करने की कामना की।

चंद्रबाबू नायडू ने महिला स्वयं सहायता समूहों को धोखा दिया : वाईवी सुब्बा रेड्डी

विशाखापत्तनम, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष और वाईएसआर के क्षेत्रीय समन्वयक ने कहा कि एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी सरकार ने अतीत में महिला स्वयं सहायता समूहों (डीडब्ल्यूसीआरए) के ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा न करके उन्हें धोखा दिया। शहर के सिरिपुरम में ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम और शहरी सामुदायिक विकास (यूसीडी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एमईपीएमए शहरी बाजार में उद्घाटन भाषण देते हुए उन्होंने बताया कि वाईएसआरसीपी सरकार ने महिलाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने केवल महिला सशक्तिकरण को प्राप्त करने के लिए जगनन्ना आसरा, वाईएसआर आसरा, जगनन्ना चेयुता, सुन्ना वड्डी और जगनन्ना इलू जैसी योजनाएं शुरू कीं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शोपियां आतंकी हमला: घाटी में प्रवासी श्रमिकों की बस्तियों की सुरक्षा कड़ी, पुलिस बोली

हमलावर जल्द मारे जाएंगे

शोपियां जिले में गैर कश्मीरी मजदूरों को आतंकियों ने गोली मार दी थी। इसमें तीन युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। सुरक्षाबल दूसरे दिन भी आतंकियों की तलाश कर रहे हैं।

श्रीनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में एसओजी कैंप से 150 मीटर दूर गगरान इलाके में वीरवार रात नकाबपोश आतंकियों ने हमला कर तीन गैर कश्मीरी मजदूरों को गोली मारकर घायल कर दिया था। तीनों का हायर सेंटर में इलाज चल रहा है। पूरी घाटी में अलर्ट कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों ने मौके का मुआयना करने के साथ ही वहां मौजूद अन्य लोगों से पूछताछ की। इसके बाद पूरे इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस का कहना है कि हमलावरों को जल्द धर दबोचा जाएगा या मार गिराया जाएगा। प्रवासी मजदूरों की बस्तियों तथा जहां वे किराए पर रहते हैं, वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घटना के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया ताकि हमलावरों को दबोचा जा सके। पुलिस ने बताया कि घायल मजदूरों की शिनाख्त अनमोल कुमार, हीरालाल यादव व पिंटू कुमार ठाकुर के रूप में की गई है। तीनों बिहार के सुपौल के रहने वाले हैं। तीनों रेहड़ी लगाते हैं। पुलिस ने बताया कि रात 8.45 बजे पिस्तौल से लैस दो नकाबपोश आतंकी गगरान में एडवोकेट इरशाद हुसैन के घर में घुस गए। यहां किराए पर रहे तीन मजदूरों को निशाना बनाकर फायरिंग की। इसमें तीनों घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद आतंकी मौके से भाग निकले। इसके बाद घायलों को जिला अस्पताल शोपियां पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को श्रीनगर के श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल भेजा गया।

उप राज्यपाल ने कहा- आतंकियों की कायराना हरकत

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोपियां में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मजदूरों को निशाना बनाने वाले ऐसे बर्बर कृत्य आतंकवादियों और उनके समर्थकों की हताशा और कायरता को उजागर करते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों और उनके परिवार के सदस्यों को हर संभव सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एलजी ने कहा कि अपराधियों को कठोर सजा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ा जाएगा। हमले की विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने भी निंदा की है।

पटवारी परीक्षा परिणाम मामले में छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय का किया घेराव, उच्च स्तरीय जांच की मांग की

उज्जैन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की ओर से आयोजित ग्रुप-2 (सब ग्रुप-4) व पटवारी भर्ती परीक्षा के रिजल्ट पर विवाद खड़ा हो गया है। एक ही परीक्षा केंद्र से अधिकांश लोगों का चयन होने पर उज्जैन के परीक्षार्थी नाराज हो गए और उन्होंने बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन कर परीक्षा दोबारा करवाने की मांग की। पटवारी परीक्षा के टॉप-10 लिस्ट के सात उम्मीदवारों ने ग्वालियर के एक ही परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दी थी।

अमरनाथ के लिए सात हजार से अधिक तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से रवाना

जम्मू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित अमरनाथ मंदिर के लिए सात हजार से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था शुक्रवार सुबह यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 226 वाहनों के काफिले में 7,245 तीर्थयात्री यहां भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हुए। इनमें 4,880 पुरुष, 1,936 महिलाएं, 424 संत और छह बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 125 वाहनों के काफिले में 4,101 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए निकले जबकि 3,144 तीर्थयात्रियों को लेकर 101 वाहनों का काफिला बालटाल आधार शिविर से रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 30 जून से अब तक जम्मू आधार शिविर से 12 जत्थों में 72,789 तीर्थयात्री घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

कांग्रेस नेता के स्कूल में तिलक लगाने वाले छात्रों की एंट्री पर लगी रोक, धुलवाया चेहरा

आगर मालवा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में स्थित एक विद्यालय में तिलक लगा कर आने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई दी गई। इन विद्यार्थियों को कहा गया कि उन्हें विद्यालय में एंट्री तभी मिलेगी, जब वो अपना चेहरा धो कर आएँगे। इसकी खबर प्राप्त होते ही कई छात्र-छात्राओं के अभिभावक एवं हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने वहाँ पहुँच कर विरोध व्यक्त किया। बड़ी बात ये है कि ये स्कूल सुसनेर के पूर्व एमएलए एवं कॉन्ग्रेस नेता वल्लभ भाई अंबावतिया का है।

'भारत जोड़ो यात्रा' के चलते इस विद्यालय का राजनीतिक उपयोग भी किया गया था और राहुल गाँधी ने यहाँ भाषण दिया था। विरोध प्रदर्शन के पश्चात स्कूल प्रशासन ने लिखित में दिया है कि तिलक लगा कर आने वाले छात्रों को नहीं रोका जाएगा। ये मामला सोयत थाना क्षेत्र के डोंगरगाँव स्थित 'जय किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय' का है, जिसकी प्रधानाचार्य अर्चना सोनगरा का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें वो बोलती हुई नजर आ रही हैं कि बच्चों को तिलक लगा कर स्कूल में नहीं आने दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि प्रातः जब 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों की प्रार्थना सभा चल रही थी, उस वक़्त अध्यापकों ने तिलक लगाए छात्रों को कक्षा में जाने से रोक दिया।

कहा गया कि चेहरा धो कर आओ। जिन्होंने तिलक मिटाया, उन्हें ही प्रवेश दिया गया। एक छात्र ने बताया कि उसने जब ऐसा करने से मना कर दिया तो उसे अंदर नहीं जाने दिया गया, फिर घर आकर उसने अपने माता-पिता को इस बारे में बताया। एक अन्य लड़के ने भी बताया कि स्वयं प्रिंसिपल मैडम ने तिलक मिटा दिया।

ग्वालियर मंडी के 4 व्यापारियों को सजा

ग्वालियर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कारोबारियों द्वारा आपसी सांठगांठ कर शासन को नुकसान पहुँचाने के मामले में ग्वालियर के ईओडब्ल्यू के विशेष न्यायालय ने चार मंडी कारोबारियों को सजा सुनाई है। आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि व्यापारिक फर्मों द्वारा सांठ-गांठ से फर्जी अनुज्ञा पत्र बनाकर मंडी समिति लश्कर को वर्ष 2000-2001 में 18 लाख 38 हजार 214 रूपये की आर्थिक क्षति पहुँचाने के प्रकरण में विशेष न्यायालय ईओडब्ल्यू ग्वालियर द्वारा चार मंडी व्यापारी को तीन साल की सजा सुनाई गई है। वहीं मंडी कर्मचारी सागरमल गर्ग की मृत्यु होने से उनके विरूद्ध प्रकरण समाप्त किया गया। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो भोपाल इकाई ग्वालियर द्वारा एसके। इंटरप्राइजेज माधुरी ट्रेडिंग कंपनी, बजरंग ट्रेडर्सों महाकाली ट्रेडर्स, डीएम।

सत्यनारायण पटेल ने इंदौर-5 विधानसभा सीट पर फिर जताई दावेदारी, दूसरे दल में जाने पर कही यह बात

इंदौर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। एक ओर जहां पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल अपनी दावेदारी खुलकर जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता स्वप्निल कोठारी भी इस बार पीछे नहीं हटने के मूड में हैं। सत्यनारायण पटेल ने अपनी दावेदारी के अलावा इस बात को भी स्वीकार किया है कि उन्हें अन्य दलों में भी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

क्या चुनाव हारने वाले को टिकट मिलेगा

इंदौर की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक पांच के कांग्रेस नेता सत्यनारायण पटेल ने चुनावी ताल ठोक दी हैय पत्रकारों से चर्चा में सत्यनारायण पटेल ने अपनी चुनावी दावेदारी को स्वीकार किया। वहीं जब उनसे यह पूछा गया कि दो से तीन बार चुनाव हारने वालों को टिकट नहीं दिए जाने की तैयारी की जा रही है, तो इसके जवाब में सत्यनारायण पटेल ने अब्राहम लिंकन का उदाहरण पेश कर दिया। सत्यनारायण पटेल ने मीडिया से कहा कि जब मैं चुनाव विधानसभा लड़ा था उस समय भी मैंने बीजेपी से ये सीट छीनी थी और सर्वाधिक मतों से विजयी भी हुआ था।

पीढ़ियों से कांग्रेसी

सत्यनारायण पटेल ने यह भी कहा कि जब राम मंदिर मुद्दा नहीं था तब उनके परिवार ने ही राम मंदिर का निर्माण किया था। सत्यनारायण पटेल ने यह भी कहा कि अब पार्टी बदलने के ऑफर आते जाते रहते हैं। कई बार डोरे डाले गए लेकिन मेरे दादाजी-पिताजी और हमारी पीढ़ी सदा से ही कांग्रेस में रही है और यही सेवा करती आई है, इसलिए कही और जाने का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी साफ कर चुका हूं और आज फिर साफ कर रहा हूं कि मैं कांग्रेस में था हूं और सदा रहूंगा। सत्यनारायण पटेल अपनी विधानसभा में कई आयोजनों के जरिए सक्रिय भी हैं, जबकि इसी विधानसभा से स्वप्निल कोठारी भी कांग्रेस के टिकट के प्रबल दावेदार हैं।

70 साल के बुजुर्ग को हुआ 45 साल की महिला से प्यार

मोहब्बत का इजहार करने पर जूतों से पिट गए दादा जी

गुना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गुना जिले में एक बुजुर्ग बुड्ढे को महिला से प्यार का इजहार करना महंगा पड़ गया। गुस्साई महिला ने वृद्ध की जूतों से जमकर पिटाई कर दी। इस पूरे घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के 45 साल एक महिला ने 70 साल के बुजुर्ग की जूते से पिटाई कर दी। महिला ने बुजुर्ग पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए उसकी पिटाई की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने वृद्ध के खिलाफ छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया है। महिला ने पुलिस को जानकारी दी कि 8 जुलाई कि सुबह 9 बजे की बात है। जंगल लकड़ी लेने गई थी वह खेत पर लकड़ी बीन रही थी। तभी ग्राम नसीरपुर का मोहर सिंह मीना आया और गंदी नजर से उसका हाथ पकड़ लिया। वह उसे पकड़ कर जंगल की तरफ से जाने लगा। महिला से बोला कि उससे दोस्ती कर ले। महिला के चिल्लाने पर वह घटनास्थल से भाग गया। महिला से कहा कि अगर किसी को इस बारे में बताया तो उसकी जान ले लेगा। इसके बाद महिला अपने घर वापस आ गई। उसने डर के कारण उस दिन परिजनों को यह बात नहीं बताई। सोमवार को उसने हिम्मत कर छेड़छाड़ के बारे में अपने लड़कों को बताया। उसकी शिकायत पर मधुसूदनगढ़ थाने में आरोपी मोहर सिंह के खिलाफ छेड़खानी की धाराओं में केस दर्ज कर लिया। छेड़छाड़ के वायरल वीडियो में महिला बहुर्ग को जूते से पीटते हुए दिख रही है। बुजुर्ग उसके सामने जमीन पर नतमस्तक होकर माफी मांगने लगा इसके बाद भी महिला उस पर जूते बरसाती रही।

बच्चों के स्कूल बैग को तकिया बनाकर आराम फरमा रहे शिक्षक का वीडियो वायरल डीईओ ने दिए जांच के आदेश

छतरपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के लवकुशनगर क्षेत्र की एक प्राथमिक शाला से प्रधानाध्यापक का बच्चों के स्कूल बैग को तकिया बनाकर सोते हुए वीडियो सामने आया है। जिस समय प्रधान अध्यापक आराम कर रहा था, इसी दौरान किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया जो कि अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सामने आने के बाद अब जिला शिक्षा अधिकारी ने वीडियो को संज्ञान में लेकर जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो लवकुशनगर विकासखण्ड की प्राथमिक शाला बजौरा का है। वीडियो में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार अरजरिया एक बच्चे के स्कूल बैग को तकिया बनाकर फट्टी पर आराम फरमा रहे हैं और कक्षा के बच्चे लापता हैं।

'केरल के राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंट', सीपीआईएम नेता ने समान नागरिक संहिता को लेकर साधा निशाना

बेंगलूरू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर पूरे देश में चर्चा है। कोई यूसीसी का समर्थन कर रहा है तो कोई इसका विरोध। इस बीच, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा यूसीसी पर दिए गए बयान पर सीपीआईएम नेता हन्नान मोल्ला ने हमला किया है। उन्होंने कहा कि वह तो सरकार के एजेंट हैं।

राज्यपाल का बयान

बता दें, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद से कल पत्रकारों ने पूछा था कि कहा जा रहा है कि सिर्फ मुस्लमानों को टारगेट किया जा रहा है। इस पर राज्यपाल ने जवाब दिया था कि क्या आप चाहते हैं कि लोगों को अभिव्यक्ति से रोका जाए। उन्होंने कहा कि यूसीसी का स्वागत करना चाहिए, जिसे जो बोलना है बोलने दो। फिर सरकार को

उन सारी बातों का पता लगेगा कि लोग क्या कह रहे हैं, तो उन सभी की संवेदनशीलता का सरकार फैसला करते वक्त ध्यान रखेगी।

सीपीआईएम नेता का हमला

अब राज्यपाल के इसी बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। सीपीआईएम नेता हन्नान मोल्ला ने निशाना साधते हुए कहा कि वह सरकार नहीं हैं। वह सरकार के एजेंट हैं। आरएसएस और सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं केरल सरकार के लिए समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर उनकी सरकार इतनी विचारशील तथा उदार है तो वह दूसरों की राय सुनेगी और यही बेहतर होगा। उन्होंने कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि वे दूसरों की रायों पर थोड़ा गौर करेंगे। सीपीआईएम नेता ने आगे कहा कि हालांकि, वे पूरी तरह से फासीवादी और निरंकुश हैं। वे विपक्ष की बात नहीं सुनना चाहते। यह उनके व्यवहार में है।

रिश्तेदार के साथ घर जा रही थी महिला, रास्ते में सेल्फी लेने रुकी, 8 लोगों ने चाकू दिखाकर किया गैंग रेप

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक महिला के साथ गैंग रेप की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बुलढाणा के राजुर घाट इलाके में एक महिला के साथ 8 लोगों ने गैंग रेप किया। पीड़ित महिला अपने एक रिश्तेदार के साथ घर लौट रही थी, उसी दौरान रास्ते में हुई यह घटना हुई। पुलिस के मुताबिक पीड़ित महिला रास्ते में राजुर घाट के पास सेल्फी लेने के लिए रुकी थी। तभी पीछे से आरोपियों ने उसकी गर्दन पर चाकू रखकर गैंग रेप की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में बुलढाणा पुलिस ने 8 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में जुटी है।

कुछ माह पहले महाराष्ट्र के संभाजी नगर में गैंग रेप के बाद हत्या की एक बेहद नृशंस घटना सामने आई थी। यहां आरोपियों ने महिला के रेप करने के बाद पत्थर से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी थी और फिर उसका शव हाईवे पर फेंक कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने सड़क पर निवस्त्र हालत में लाश पड़ी देखकर पुलिस को खबर दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गैंगरेप की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने गैंगरेप और हत्या का मामला दर्ज करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 19 साल के राहुल संजय जाधव, 24 वर्षीय प्रीतम उर्फ सोनू महेंद्र नरवड़े और 34 वर्षीय रवि रमेश गायकवाड़ के रूप में हुई थी।

नशे में नोंच खाया अधजला शव

श्मशान से चुराई थी डेड बॉडी, 2 को पुलिस ने दबोचा

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, यहां दो ऐसे शख्स के खिलाफ पुलिस एक्श ले रहे है, जिन पर इंसान के मांस खाने का आरोप है। मामले में दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंसानी मांस खाने का ये मामला अपने आप में विचित्र और हैरान करने वाला है। ये मामला ओडिशा के मयूरभंज जिले का है। जहां बंधसाही गांव में एक युवती का अधचला शव खाने के आरोप पर पुलिस ने दो शख्स पर कार्रवाई की है। ओडिशा पुलिस के मुताबिक दंतुनी गांव के संदिग्ध सुंदर मोहन सिंह (58) और नरेंद्र सिंह (25) को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि बनसाही गांव की 25 वर्षीय महिला मधुस्मिता सिंह मंगलवार को बीमार पड़ गईं और उनके परिवार वाले उन्हें अस्पताल ले गए। लेकिन युवती की जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। कथित तौर पर ये आरोप लगे हैं कि जब शव के पोस्टमार्टम के बाद मधुस्मिता के शव का अंतिम संस्कार हो रहा थो तो नशे में धुत शख्स ने डेड बॉडी से अधजला मांस चुराया। पुलिस ने कहा कि दोनों ने मांस को चुराने के बाद खाना शुरू कर दिया। घटना को अंजाम देते वक्त दोनों नशे में धुत थे। लेकिन उनकी इस हरकत से गुस्साए मृत के परिवार ने दोनों को पकड़कर ग्राम प्रधान के पास ले गए। आरोप है कि यहां ग्रामीणों ने दोनों की जमकर पिटाई भी की। स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों शव से गलीचे में बांधकर शव अपने साथ ले गए थे। मामले में जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी संजय कुमार परिदा ने कहा कि मानव मांस खाने के संबंध में ग्रामीणों की शिकायतों के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रथमदृष्टया आरोपियों के पास मांस नहीं मिली है। मामले में गवाहों को बयान के आधार पुलिस कार्रवाई कर रही है।

चेन्नई-मैसूर वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, शीशे टूटे

चेन्नई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चेन्नई-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन आज सुबह 4.15 बजे बेसिन ब्रिज यार्ड से चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंची। तभी एक व्यक्ति ने अचानक ट्रेन पर पत्थर मार दिया। जिससे ट्रेन के दो डिब्बों के शीशे टूट गये। यात्रियों से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय रेलवे सुरक्षा बल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले 28 मार्च को चेन्नई-मैसूर वंदे भारत ट्रेन पर एक व्यक्ति ने उस समय पत्थर फेंक दिया था जब वह वानीयमपदी के बगल में चल रही थी। ट्रेन के एस 14 कोच का शीशा टूट गया। चेन्नई-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हाल ही में प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाई थी। इसके बाद पुलिस ने जोलारपेट में ट्रेन पर पथराव करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया था। इसी तरह एक बार फिर इस प्रिमियम ट्रेन पर पथराव हुआ है। पुलिस ट्रेन पर पथराव करने वाले शख्स की तलाश कर रही है। भारत के कई हिस्सों में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की घटनाएं भी हुई हैं। इससे पहले, पांच जुलाई को भी कर्नाटक के चिकमंगलारु जिले में कादुर-बिरूर सेक्शन में हाल ही में शुरु बेंगलुरु-धारवाड़ वंदे भारत एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों ने पथराव किया था। रेलवे अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी थी। रेलवे संरक्षा बल (आरपीएफ) ने बताया था कि घटना सुबह करीब आठ बजकर 40 मिनट बजे हुई थी। उस समय ट्रेन कादुर-बिरूर सेक्शन से 'केएम 207/500' से गुजर रही थी। आरपीएफ ने बताया था कि पथराव के दौरान पत्थर कोच सी5 की सीट संख्या 43-44 की सीट पर और ईसी-1 के शौचालय के शीशों पर लगा था। जिसके कारण बाहरी शीशा टूट गया था। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था।

'एजेंट 56' ने अपनी पार्टी को कैसे दिलाए 5200 करोड़ रुपये? कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला गया है। इस बार बीजेपी को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिलने वाले चंदे को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए सीनियर नेता पवन खेड़ा ने इसे लेकर पीएम मोदी की तुलना जेम्स बॉन्ड से की, उन्होंने कहा कि जेम्स बॉन्ड का कोड 007 था, लेकिन हमारे देश में मौजूद एजेंट का कोड 56 है। जो खुद को इलेक्टोरल बॉन्ड बताकर अपना परिचय देते हैं। इसके अलावा कांग्रेस ने बाढ़ जैसे हालात को लेकर आम आदमी पार्टी और केंद्र सरकार को जमकर घेरा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, जेम्स बॉन्ड नामक एक मशहूर सीरीज है, जिसमें जो सुपर एजेंट है वो अपना परिचय ऐसे देता है- माइ नेम इज बॉन्ड 007 हमारे देश की राजनीति में एक एजेंट 56 है, नाम बताने की जरूरत नहीं है। उनका परिचय है- माइ नेम इज बॉन्ड, इलेक्टोरल बॉन्ड।। ये मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि इस एजेंट ने वित्तीय वर्ष 2016-17 और 21-22 में 5200 करोड़ रुपये अपनी पार्टी में इकट्ठा किए। ये पैसा कहां से आया, इसका कोई हिसाब-किताब नहीं। किसने दिया, क्यों दिया? उसकी एवज में आपने उसे देश की कौन सी संपत्ति बेची? इसका कोई हिसाब नहीं है। अपनी बात तो आगे बढ़ाते हुए पवन खेड़ा ने कहा, ऐसा नहीं है कि हमारे एजेंट 56 को पारदर्शिता पसंद नहीं है, ये पारदर्शिता सिर्फ हम लोगों के लिए है, लेकिन 5200 करोड़ इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए आए कैसे आए ये नहीं बताएंगे। अरुण जेटली इस बॉन्ड को लेकर आए थे, हमारी आपत्ति थी, लेकिन मनी बिल की तरह पारित करवा दिया। एक मनी बिल से विधायक खरीदने, सरकार गिराने के लिए काम किया गया। कांग्रेस नेता की तरफ से आगे कहा गया कि इतना बड़ा बेमानी धन किसी पार्टी के पास आ जाए ये फेयर एंड लवली का ज्वलंत उदाहरण है। ईडी-सीबीआई, इनकम टैक्स छापे नहीं पड़ेंगे, इतना बड़ा पैसा देश विदेश से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए आ रहा है, लेकिन इनकी जांच नहीं होगी। ये जानकारी सार्वजनिक करने से क्यों डरते हैं?

बाढ़ के हालात पर ब्लेम गेम-कांग्रेस

बाढ़ के हालात पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पिछले आठ नौ साल से हमने देखा कि ब्लेम गेम चल रहा है। आप अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं तो चिट्ठी लिख रहे हैं कि बैराज से पानी नहीं छोड़ा जाए, आप क्या चाहते हैं कि हरियाणा डूब जाए। ये ब्लेम गेम नहीं चलेगा। पवन खेड़ा ने पीएम के विदेश दौरे को लेकर कहा, जब पीएम विदेश जाते हैं तो उन्हें देश की चिंता होती है। ये कौन से सूत्र हैं जो बताते हैं कि पीएम चिंतित हैं।

जम्मू-कश्मीरः फर्जी गन लाइसेंस में डीलर व क्लर्क पर आरोप तय

डोडा जिले से बाहर के लोगों को दे दिए थे लाइसेंस

जम्मू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। फर्जी गन लाइसेंस घोटाले में सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश की अदालत में न्यायिक क्लर्क साजिद इकबाल और गन हाउस डीलर विजय कुमार खजूरिया के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि दोनों पक्षों को अच्छे से सुना गया है। सभी आरोपों को पढ़ लिया गया है और आरोपियों को इसे समझा दिया गया है। आरोपियों ने अदालत से कहा कि वह दोषी नहीं हैं। उन्होंने ट्रायल चलाने का अनुरोध किया है। तदनुसार, पीसी एक्ट एसवीटी की धारा 120-बी, आर/डब्ल्यू 420 आरपीसी , धारा 5(1)(डी) आर/डब्ल्यू 5(2) पीसी एक्ट एसवीटी 2006 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गौरतलब है कि 2012 से 2016 तक डोडा जिला उपायुक्त कार्यालय में रहते हुए साजिद ने उन लोगों को लाइसेंस जारी कर दिए थे जो डोडा के रहने वाले ही नहीं थे। 2018 में सीबीआई जम्मू ने आरोपी के खिलाफ फर्जी गन लाइसेंस मामले में केस दर्ज किया था। कई जिलों के उपायुक्तों के नाम भी इसमें शामिल थे। तब डोडा जिला उपायुक्त का नाम भी इसमें शामिल था। मामले की जांच में पाया गया कि डीसी कार्यालय डोडा में बतौर क्लर्क रहते हुए साजिद ने अन्य लोगों के साथ मिलकर कई लोगों को लाइसेंस दिए। गन हाउस डीलर विजय कुमार खजूरिया और साजिद इकबाल जरगर (न्यायिक क्लर्क) ने डीएम डोडा के कार्यालय में काम करते हुए पैसे लेकर अयोग्य व्यक्तियों को अवैध रूप से शस्त्र लाइसेंस जारी करने की आपराधिक साजिश रची।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 15 जुलाई- 2023

सामरिक शक्ति और बढ़ेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा काफी सार्थक एवं सफल होने वाली है। फ्रांस दौरे से पहले रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए छब्बीस रफाल लड़ाकू विमान और तीन स्कार्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां खरीदने को मंजूरी दे दी है। जाहिर है अपने दौरे में प्रधानमंत्री मोदी इस सौदे के लिए फ्रांस से बातचीत कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। इस खरीद में करीब नब्बे हजार करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है। बता दें कि इससे पहले वायुसेना के लिए छत्तीस रफाल लड़ाकू विमान खरीदे जा चुके हैं। इस बार के सौदे पर मुहर लगने के बाद भारतीय सेना की सामरिक शक्ति और शक्तिशाली हो जाएगी। बता दें कि पिछली रफाल खरीद में विपक्ष ने अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए थे, जिनसे सरकार को पीछा छुडाना मुश्किल पड रहा है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को पाक-साफ करार दे दिया है। इसलिए इस सौदे पर भी लोगों की नजर बनी रहेगी। बहरहाल, रक्षा सौदों की खरीद संबंधी सेना के विशेषज्ञों की परिषद ने रफाल को भारतीय सेना के लिए उपयुक्त माना है। इस सौदे की दौड़ में अमेरिकी कंपनी बोईंग का लड़ाकू विमान भी था, लेकिन विशेषज्ञों ने उसकी तकनीक को सिरे से नकार दिया था। चालू सौदे में से बाईस रफाल नौसेना को मिलेंगे। पिछले चार सालों से आइएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए नए लड़ाकू विमानों की मांग की जा रही थी। अभी तक रूसी विमान मिग उस पर तैनात हैं, पर वे अब बूढ़े हो चले हैं। बता दें कि रफाल की बनावट समुद्री इलाकों को ध्यान में रख कर तैयार की गई है। वे आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के हिसाब से मुफीद बैठते हैं। अमेरिका लड़ाकू विमानों की तुलना में इनका प्रदर्शन कई गुना बेहतर बताया जा रहा है। रफाल के पक्ष में सेना का एक तर्क यह भी है कि वायुसेना पहले ही रफाल के रखरखाव का ढांचा तैयार कर चुका है, इसलिए इनके रखरखाव पर अलग से खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिससे काफी पैसा बचया जा सकेगा। आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के अनुसार स्वदेशी लड़ाकू विमान तैयार होने में काफी वक्त लगेगा, इसलिए तत्काल रफाल की खरीदी के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। वायुसेना में ज्यादातर लड़ाकू विमान अब बूढ़े हो चुके हैं, इसलिए उन्हें धीरे-धीरे सेवा से बाहर किया जा रहा है। वायुसेना लंबे समय से नए विमानों के बेड़े की मांग कर रही थी। इसलिए पिछली सरकार के समय ही रफाल की खरीद का निर्णय लिया जा चुका था। अब उनकी खेप आनी शुरू हो गई है। अब सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी क्योंकि दुनिया में सामरिक शक्ति का आकलन में भारत की हवाई ताकत अपार हो चली है। भारत की भौगोलिक बनावट के अनुसार यहां थल, जल और वायु तीनों क्षेत्रों में अपनी ताकत मजबूत बनाए रखने की जरूरत पड़ती है। समुद्री क्षेत्र में पिछले कई सालों से पाकिस्तान और चीन ने चुनौतियां देने में कोई कसर नहीं छोडी थी। लेकिन जब आइएनएस विक्रांत को समुद्र में उतारा गया, तो दोनों पडोसी देश अपने बिल में दुबके हुए दिखाई देने लगे हैं। अब उस पर अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस रफाल विमान तैनात होंगे, तो चीन और पाकिस्तान भारत की ओर आंख उठाने की हिम्मत भी नहीं कर सकेंगे। इससे सेना का मनोबल भी बढ़ता है। सेना को चुनौतियों से पार पाने को लेकर उत्साह बना रहता है। नौसेना को तीन अत्याधुनिक पनडुब्बियां मिलने से निस्संदेह उसका मनोबल बढ़ेगा।

एक और अनोखी उड़ान, क्या होगा भारत का चाँद ?

प्रियंका सौरभ

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी जल्द ही एक रॉकेट लॉन्च करने के लिए तैयार है जो चंद्रमा पर एक रोवर को उतारने का प्रयास करेगा और अंतरिक्ष अन्वेषण में एक शक्ति और अंतरिक्ष वाणिज्य की नई सीमा के रूप में देश के आगमन को चिह्नित करेगा। 75 मिलियन डॉलर से कम के बजट पर निर्मित, चंद्रयान -3, जिसका संस्कृत में अर्थ है ₹चंद्रमा वाहन₹, लॉन्च होने के लिए तैयार है। अपनी पीठ पर चंद्रयान-3 लेकर जब इसरो का 'बाहुबली' रॉकेट अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों की पोटली भी साथ ले जाएगा। चांद को चूमने पर ये उम्मीदें हर भारतीय के दिल में खुशी बनकर फूटेंगी। पूरा देश दुआएं कर रहा है। पिछली बार जो कसक रह गई थी, इस बार सब मंगल ही होगा। जी हां, आसमान की तरह मुंह करके बुलंद इरादों के साथ खड़ा भारत का चंद्रयान मिशन पर रवाना होने को तैयार है। पूरे देश को बेसब्री से चंद्रयान की श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग का इंतजार है। यदि मिशन सफल होता है, तो भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन वाले देशों के एक छोटे समूह में शामिल हो जाएगा, जिन्होंने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। इस साल की शुरुआत में एक जापानी स्टार्ट-अप का प्रयास ऊंचाई की गलत गणना के कारण लैंडर के दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ समाप्त हुआ, जिसका मतलब था कि अंतरिक्ष यान का ईंधन खत्म हो गया था। स्पेसआईएल और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा निर्मित एक इज़राइली अंतरिक्ष यान भी इस साल की शुरुआत में चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। 2020 में चंद्रयान-2 मिशन में एक ऑर्बिटर को सफलतापूर्वक तैनात करने के बाद भारत का अंतरिक्ष उद्योग इस मिशन से मुक्ति की तलाश में होगा, लेकिन इसके लैंडर और रोवर एक दुर्घटना में नष्ट हो गए थे। चंद्रयान-2 मिशन को स्थायी रूप से छाया वाले चंद्रमा के क्रेटर का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। ऐसा माना जाता है कि इसमें पानी का भंडार है जिसकी पुष्टि 2008 के पहले चंद्रयान-1 मिशन से हुई थी - जिसने चंद्रमा की कक्षा तो ली लेकिन उतरा नहीं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो 43.5-मीटर (143-फुट) लॉन्च वाहन मार्क-III, रॉकेट अंतरिक्ष यान को 23 अगस्त के आसपास निर्धारित लैंडिंग के लिए चंद्रमा की ओर जाने से पहले एक अण्डाकार पृथ्वी की कक्षा में विस्फोट कर देगा, जहां के पास चंद्रयान-2 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लॉन्च वाहन मार्क-3 एक तीन चरणों वाला रॉकेट है जिसमें दो ठोस-ईंधन बूस्टर और एक तरल-ईंधन कोर चरण है। ठोस-ईंधन बूस्टर प्रारंभिक जोर प्रदान करते हैं, इससे पहले कि तरल-ईंधन कोर चरण रॉकेट को कक्षा में ले जाने के लिए निरंतर जोर सुनिश्चित करता है। चंद्रयान -3 में 2-मीटर (6.5-फुट) लंबा लैंडर शामिल है जिसे चंद्रमा के पास एक रोवर तैनात करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दक्षिणी ध्रुव जहां पानी की बर्फ पाई गई है। उम्मीद है कि प्रयोगों की एक श्रृंखला चलाने के बाद रोवर दो सप्ताह तक कार्यशील रहेगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण और संबंधित उपग्रह-आधारित व्यवसायों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतियों की घोषणा के बाद से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा लॉन्च देश का पहला बड़ा मिशन है। 2020 के बाद से, जब भारत निजी लॉन्च के लिए खुला, अंतरिक्ष स्टार्ट-अप की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है।

किसने कह दिया मोदी 24 में सत्ता छोड़ ही देंगे ?

श्रवण गर्ग

बहस बंद कर देना चाहिए कि लोकसभा की 543 सीटों के लिए अगले साल होने वाले चुनावों में अगर भाजपा को बहुमत प्राप्त नहीं होता है तो मोदी सत्ता से बाहर हो जाएँगे और विपक्ष की सरकार दिल्ली में क़ाबिज़ हो जाएगी । जनता को विपक्ष से उसके पीएम चेहरे का नाम-पता पूछना हाल-फ़िलहाल के लिए बंद कर देना चाहिए। जो विपक्षी दल पटना के बाद बैंगलोर में जमा होकर भाजपा को सत्ता से हटाने की रणनीति पर विचार करने वाले हैं हो सकता हैं उन्होंने अपना नया एजेंडा तैयार भी कर लिया हो। 'मोदी सत्ता नहीं छोड़ेंगे' के सिलसिले में जनता को दो-चार घटनाक्रमों पर बारीकी से बहस प्रारंभ कर देना चाहिए। पहली तो यह कि महत्वाकांक्षी 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना के दूसरे कामों को रोक सबसे पहले नया संसद भवन तैयार करवाने के पीछे कोई तो ज़बर्दस्त कारण रहा होगा ! वह क्या था ? दूसरे यह कि देश का ध्यान इतनी चतुराई के साथ पवित्र 'सेंगोल' अथवा 'राजदंड' विवाद में जोत दिया गया कि किसी ने पूछा ही नहीं कि नए संसद भवन में लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 888 और राज्य सभा की 245 (250) से बढ़ाकर 384 करने के पीछे मंतव्य क्या हो सकता है ? इन बढ़ी हुई सीटों का 2024 के चुनावों से क्या संबंध माना जाए ? मोदी सरकार अगर सत्ता में वापसी की तैयारियों में ज़ोर-शोर से जुटी है और नए संसद भवन की बढ़ी हुई सीटों से उनका कोई संबंध है तो हाल के कुछ घटनाक्रमों पर नज़र दौड़ाई जा सकती है। इन घटनाक्रमों में जद(यू) सांसद हरिवंश नारायण सिंह की पिछले दिनों बिहार के मुख्यमंत्री और विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार के साथ पटना में हुई डेढ़ घंटे की बातचीत को भी शामिल किया जा सकता है। कोई तो महत्वपूर्ण विषय रहा होगा कि जद(यू) सांसद रहते हुए भाजपा के साथ केंद्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हरिवंश नारायण सिंह ने अरसे के बाद नीतीश कुमार के साथ इतनी लंबी चर्चा करना ज़रूरी समझा ! हरिवंश नारायण सिंह सबसे ज़्यादा चर्चा में तब आए थे जब राज्यसभा की आसंदी पर उनकी उपस्थिति के दौरान विवादास्पद कृषि क़ानूनों से संबंधित विधेयक को सदन की स्वीकृति प्राप्त हुई थी ।उसके बाद देश में जो कुछ घटित हुआ था उसकी स्मृतियाँ आज भी क़ायम हैं। काले कृषि क़ानूनों को वापस लेने की माँग को लेकर चले लंबे आंदोलन के दौरान सात सौ से अधिक लोगों को अपना बलिदान देना पड़ा था। जो गतिविधियां इस समय मौन रूप से चल रहीं हैं उन पर गौर किया जाए तो विधानसभा चुनावों में लगातार हो रही पराजयों के बीच भाजपा सरकार का अचानक से प्रेम देश की महिलाओं को लोकसभा में आरक्षण प्रदान करने के प्रति जाग उठा है ! क्या अचंभा नहीं व्यक्त किया जाना चाहिए कि मोदी सरकार का यह प्रेम तब जगा है जब नए चुनाव होने जा रहे हैं ! पिछले नौ सालों में पत्ता भी नहीं हिला ! कोई तो कारण होगा ! चर्चा है कि साल 2010 से (या उसके भी पहले से) लंबित महिला आरक्षण विधेयक अब कभी भी पेश किया जा सकता है ! गौर करने की बात यह हो सकती है कि चूँकि पुराना विधेयक तब की संसद के अवसान के साथ लैप्स हो चुका है, नया विधेयक संभवतः पुराना वाला नहीं होगा। यानी महिलाओं को आरक्षण दिया जाना तो प्रस्तावित होगा पर न तो वर्तमान की 543 सीटों में से ही एक तिहाई पर और न ही पूर्व में सुझाई गई प्रक्रिया (यानी 'आरक्षित सीटों का राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चक्रीय-रोटेशनल-आधार पर आवंटन') के अनुसार। गणित समझाया जा रहा है कि 2024 के चुनावों में भाजपा की सीटें अगर कम भी हो जाएँ पर उसका वोट शेयर 2019 वाला ही क़ायम रहे तब भी महिला आरक्षण सरकार की सत्ता में वापसी करा देगा। कैसे ? बताया जाता है कि 543 सीटों पर तो चुनाव पूर्व की तरह होंगे पर लोकसभा में महिलाओं के लिए 280 नई सीटें जोड़ दी जाएँगी। इन 280 पर चुनाव नहीं होंगे।लोकसभा चुनावों में राजनीतिक दलों को राज्यों में जो भी वोट शेयर प्राप्त होगा उसी के अनुपात में (आनुपातिक प्रतिनिधित्व) उन दलों की महिलाओं को इन 280 सीटों में से स्थान मिल जाएगा। इसके लिए प्रत्येक दल को 280 महिलाओं की सूची प्राथमिकता के क्रम में सौंपनी होगी। मतलब यह कि राजद और जद(यू) अगर चाहेंगे तो वोट शेयर के आधार पर मिलने वाली अपनी कुछ या सभी सीटें पिछड़ी जाति की महिलाओं को दे सकेंगे। स्मरण दिलाया जा सकता है कि पिछले विधेयक का सबसे मुखर विरोध लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और नीतीश कुमार के जद(यू) ने पिछड़ी जाति की महिलाओं के हितों को मुद्दा बनाकर किया था। जिस तरह का तर्क भाजपा के क्षेत्रों में चर्चा में है उसके अनुसार ,1984 के चुनावों में भाजपा को सीटें चाहे दो ही मिली थीं , वोट शेयर के मामले में कांग्रेस के बाद वही थी। कांग्रेस का 404 सीटों के साथ वोट शेयर 49.10 प्रतिशत था जबकि भाजपा का दो सीटों के बावजूद 7.74 प्रतिशत। (भाजपा तब 96 सीटों पर पार्टी दूसरे क्रम पर रही थी। इनमें से 84 पर भाजपा ने 1989 में जीत प्राप्त कर ली थी।) तर्क यह है कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर महिला आरक्षण होता तो 1984 में भाजपा की सीटें कहीं ज़्यादा होतीं। जो तर्क भाजपा की खुशहाली के संदर्भ में दिया जा रहा है वही कांग्रेस को खुश करने के लिए भी बाँटा जा रहा है। समझाया जा रहा है कि 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 37.35 प्रतिशत वोट शेयर पर 303 सीटें मिलीं थीं जबकि 19.49 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कर दूसरे क्रम पर रहने के बावजूद कांग्रेस को सिर्फ़ 52 ही सीटें प्राप्त हुईं। अगर आनुपातिक प्रतिनिधित्व के साथ महिला आरक्षण होता तो कांग्रेस की सीटें भी बढ़ जातीं और उसे विपक्ष का नेता बनने का हक़ भी मिल जाता। उपसंहार में यही कहा जा सकता है कि भाजपा मानकर चलने लगी है कि 2024 में उसकी सीटें काफ़ी कम होने वाली हैं पर उसे यक़ीन है उसका वोट शेयर (कर्नाटक की तरह) पूर्ववत रहेगा। महिला आरक्षण के ज़रिए लंबे समय के लिए उसकी सरकार में वापसी हो सकती है।

देखना यही रह जाता है कि महिला आरक्षण विधेयक कब, कैसे और किस शक्ल में पेश होता है ! शायद राज्य सभा में ही पहले पेश होगा । 0असली चुनौती भी वहीं है। कृषि क़ानून विधेयक का स्मरण कीजिये। नीतीश कुमार ,केजरीवाल और केसीआर आदि के चेहरे आँखों के सामने तैराइये। हरिवंश नारायण सिंह की नीतीश कुमार के साथ पटना में क्या चर्चा हुई होगी उसका अनुमान लगाइए। अमित शाह की चेतावनी और जाँच एजेंसियों की क्षमताओं का ध्यान कीजिए और अंत में 'मन की बात' सुनिए कि 2024 के चुनावों के बाद सत्ता में वापसी के लिए भाजपा क्या-क्या कर सकती है ? क्या विपक्षी पार्टियाँ सरकार के विधेयक का समर्थन कर देंगी ? नहीं करेंगी तो देश की राजनीतिक परिस्थितियां क्या बनेंगी ? सोचकर यह भी देखिए कि लाड़ली-बहनों की उपस्थिति से उज्जवल 823-सदस्यीय नई लोकसभा कैसी नज़र आने वाली है ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

भारत में सड़कों पर बढती दुर्घटनाएं लज्जाजनक

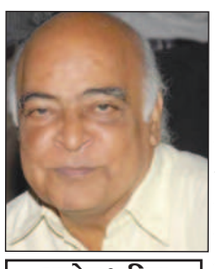

अशोक भाटिया

केंद्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में इस बात की जानकारी दी कि देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवां देते हैं। गडकरी ने कहा, सलाहकारों द्वारा तैयार की गई एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में हर साल 1.50 लाख से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवां देते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया, देश में हर साल पांच लाख से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.50 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। यह मौतों का आंकड़ा केवल सलाहकारों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लोगों द्वारा की गई गलतियों के कारण है। उन्होंने दावा किया कि ज्यादातर डीपीआर बहुत रूढ़िवादी हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़कों पर ब्लाइंड स्पॉट (सड़क पर जानलेवा जगह) में सुधार पर जोर देते हुए डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। गडकरी ने कहा, मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों है (डीपीआर दोषपूर्ण है) और इसके पीछे क्या कारण हैं। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में दुनिया के केवल एक फीसदी वाहन हैं, इसके बावजूद पूरे विश्व में होने वाले हादसों का 11 फीसदी देश में ही घटित होते हैं। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में हादसे कम करने के लिए सड़क सुरक्षा संबंधी उपाय बढ़ाने के लिए भी कहा गया है। अगर आपको भारत में हुए हाल के सड़क हादसों से अवगत कराएं तो पिछले ही हफ्ते ऐसे हादसों की कड़ी में एक और दिल दहला देने वाली घटना घटी जो कि गाजियाबाद मेरठ एक्सप्रेस-वे की है। इस हादसे में एक तेज रफ्तार बस और एसयूवी की भयंकर टक्कर हुई जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई तो वहीं 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए जिनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटनास्थल से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि बस रॉन्ग साइड से आ रही थी जिसकी वजह से ये हादसा हुआ। एसयूवी दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस वे पर गाजियाबाद के विजय नगर चौक को पार कर रही थी, तभी एक्सप्रेस वे पर रॉन्ग साइड से आती स्कूल बस से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। इसके अलावा हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां सुबह टहलने निकलीं तीन महिलाओं को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दौरान एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। मुख्य सड़क पर हुई यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस फुटेज को जिसने भी देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए। हैदराबाद के अलावा महाराष्ट्र के बुलढाणा में भी कुछ दिन पहले एक भयंकर हादसा हुआ। बारिश के कारण एक बस के फिसल जाने से बस का डीजल टैंक फट गया और उसमें आग लग गई। बस में आग लगने से 26 लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। ये बस एक शादी के लिए जा रही थी। इस हादसे में 26 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 8 लोग बुरी तरह से घायल हुए। बताया जा रहा है कि उस इलाके में हुआ यह अब तक का सबसे बड़ा हादसा है। ये हादसे सिर्फ भारत ही नहीं विश्व के लिए भी चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसीलिए वर्ष 2020 में कई देशों ने साथ मिलकर सड़क हादसों में मृत्यु दर को 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। हाल ही में फिर से स्टॉकहोम में आयोजित विज़न ज़ीरो पर ग्लोबल मीट और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के नेटवर्क की ग्लोबल मीटिंग हुई, जिसमें साल 2020 के निर्धारित लक्ष्य का जमीनी स्तर पर आंकलन किया गया। दुनिया भर में हर साल 13.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मरते हैं। यह एक बहुत बड़ी संख्या है। दुनियाभर में हर दिन लगभग 3,000 लोग सड़कों पर दम तोड़ते हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए वैश्विक नेताओं और प्रतिनिधियों ने इस मीटिंग में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को भी ग्लोबल वार्मिंग या महामारी के समान माना जाना चाहिए। सभी देशों की लगातार कोशिशों के बावजूद दुर्घटनाओं की संख्या में उतनी कमी नहीं आई है, जितनी की उम्मीद की जा रही थी। साल 2010 में, इस संकट ने विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जब संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की कि 2020 तक मौतों की संख्या में 50 प्रतिशत की कमी लाने के लिए दुनिया भर में प्रयास किए जाने चाहिए। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।साल 2020 में, विश्व के नेताओं और प्रतिनिधियों ने एक और लक्ष्य निर्धारित किया और 2030 तक सड़क हादसे में मौतों की संख्या को 50 प्रतिशत तक कम करने का निश्चय किया। इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में भारत भी शामिल था। चीज़ें बड़े पैमाने पर शुरू हुईं, लेकिन मौतों की संख्या अभी भी कम नहीं हो पायी है। इसका कारण खराब बुनियादी ढांचा या खराब वाहन हो सकते हैं, लेकिन ज्यादातर बार इसका कारण खराब मानवीय व्यवहार माना गया है। भारत, श्रीलंका, मैक्सिको और बांग्लादेश जैसे देशों को वैश्विक संख्या को कम करने में बड़ी भूमिका निभानी होगी क्योंकि इन देशों में सड़क पर होने वाली मौतों की संख्या अधिक है। वहीं, स्वीडन का लक्ष्य सड़क पर होने वाली मौतों की संख्या को शून्य पर लाना है। पिछले साल करीब 250 मौतें ही स्वीडन में हुईं, लेकिन देश इस आकड़ें से भी दुखी है और वह आने वाले सालों में इन आंकड़ों को भी वो खत्म करना चाहता है। यही कारण है कि विज़न ज़ीरो का सपना स्वीडन ने देखा। इस विजन से देश ने दूसरे देशों के लिए मिसाल कायम की है। दुर्भाग्य से, भारत में सड़क पर होने वाली मौतों की संख्या बहुत अधिक है। दुनिया भर में सड़क पर होने वाली हर 100 मौतों में से 11 लोग भारतीय सड़कों पर मारे जाते हैं। यह बहुत बड़ी समस्या है। इनमें से लगभग 60 प्रतिशत युवा हैं। हम सड़क दुर्घटनाओं में होनहार युवा जिंदगियां खो रहे हैं। यह बहुत बड़ी क्षति है। साल 2017 और 2018 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों की संख्या में गिरावट आई। साल 2020 में भी कोविड महामारी के कारण संख्या में गिरावट आई थी। लेकिन 2021 में यह संख्या फिर से बढ़कर 1।53 लाख हो गई। वहीं, 4।5 लाख लोग घायल हुए थे। दुर्भाग्य से, सड़क दुर्घटनाओं में घायलों पर कोई ध्यान नहीं है। भारत जैसे देश को गंभीर चोटों पर भी ध्यान देने की जरूरत है अन्य देशों ने भारत के लिए अच्छे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। वे सड़क दुर्घटनाओं को बहुत गंभीरता से लेते हैं। जब कोई सड़क दुर्घटना होती है, तो वे उचित जांच करते हैं। भारत में मोटर वाहन अधिनियम है जो कहता है कि हर दुर्घटना की उचित जांच होनी चाहिए। इसके बावजूद जब कोई दुर्घटना होती है तो पुलिस एफआईआर दर्ज करती है जो ज्यादातर ड्राइवर के खिलाफ होती है। हमने दुर्घटना में मरने वालों को निर्दोष माना।

भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

योगेश कुमार गोयल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 जुलाई शनिवार को रात 8.32 बजे से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 16 जुलाई की रात 10.08 बजे होगा। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है।

सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

महंगाई सहन मंत्री

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सरकार ने सब्जियों की बढ़ती कीमतों के बीच एक आपातकालीन बैठक बुलाई। चूँकि सरकार खुद महँगाई बढ़ा रही थी, सो उसके लिए यह चिंता का विषय नहीं था। किंतु बाहर कुछ लोग धरना प्रदर्शन कर रहे थे। कहते हैं सत्ताधारियों को महंगाई महसूस करने की आवश्यकता नहीं होती, केवल उसके प्रति दुख जताते हुए खानापूर्ति करने की कला बखूबी आनी चाहिए। इतने दिनों से यही काम सरकार कर रही थी। मगरमच्छ के आँसू, दिखावे की नौटंकी, स्वयं को भुक्तभोगी के रूप में दर्शाकर ठीकरा विपक्षी दलों के सिर फोड़ना आम बात हो गई थी। किंतु जनता इन सबसे चुपचाप बैठने वाली कहाँ थी। आए दिन सोशल मीडिया पर महंगाई के नाम पर चुटकुलों का पहाड़ खड़ा कर देते। सरकार की जग हँसाई होने लगती। इसीलिए सरकार ने आनन—फानन में एक बैठक बुलाई। सरकार ने निर्णय किया कि हम एक ऐसी रबड़छाप मंत्री रखते हैं कि वह महंगाई के दिनों में फलाना चीज़ खाना छोड़ देगी। मसलन प्याज़ की कीमत बढ़ी तो प्याज़ खाना छोड़ देना, टमाटर की कीमत बढ़ी तो टमाटर खाना छोड़ देना, अदरकर, लहसून की कीमत बढ़े तो उन्हें छोड़ देना आदि-आदि। किंतु इन आदि-आदि में कपड़ा नहीं है। कपड़ा छोड़ देने पर बड़ी मुश्किल हो सकती है।निर्णय किया गया कि एक नया मंत्री नियुक्त किया जाएगा जिसका पदनाम होगा -- महंगाई सहन मंत्री। नई पहल के रूप में इसे जनता के बीच ले जाया जाएगा, उनके दुखों को दूर करने का सरल उपाय बताने का प्रयास करते हुए गीता का खाली हाथ वाला सार सुनाया जाएगा। जब-जब महंगाई बढ़ती है तब-तब जनता में आक्रोश का उबाल सिर चढ़कर बोलता है। ऐसे में जनता नाना तरह की बातें करती है। अधिकतर यही बात कहते हैं कि सरकार का क्या जाने महंगाई का स्वाद। महंगाई के कारक कभी दवा नहीं बन सकते। इन्हीं सब बातों का सामना करने के लिए महंगाई सहन मंत्री की नियुक्ति करना अनिवार्य हो गया था। जब भी कोई आम आदमी महंगाई में निर्वाह करने के बारे में सवाल करेगा तब-तब महंगाई सहन मंत्री को टरका दिया जाएगा। सरकार जनता की भावना का सम्मान करती है। दिक्कत ये है कि सरकार के पास जादू की छड़ी नहीं है जिससे मंहगाई कम कर सके । लेकिन जनता का गुस्सा कम करना उसका फर्ज है । अगर मंहगाई सहन करने के उपायों से मंहगाई की पीड़ा कम हो सकती है तो सरकार जनता के साथ है । जनता ने बहुत विलंब से बताया कि वो क्या चाहती है । लेकिन सरकार को बहुत से काम होते हैं । वह सीधे जनता के बीच महंगाई सहन मंत्री को खुले सांड़ की तरह छोड़ दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश में प्रसिद्ध 10 महादेव मंदिरों की कथा

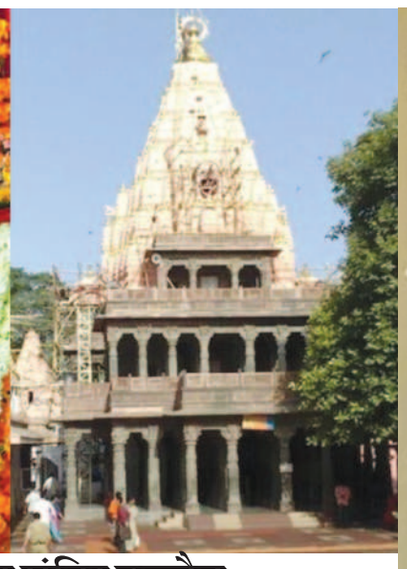

महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन प्राचीन

शहर उज्जैन में स्थित, महाकालेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के सबसे प्रमुख महादेव मंदिरों में से एक है। यह मंदिर अत्यधिक धार्मिक महत्व रखता है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित है, जिन्हें भगवान शिव का अवतार माना जाता है। भक्त भगवान महाकालेश्वर का आशीर्वाद लेने और मंदिर के चारों ओर की दिव्य आभा का अनुभव करने के लिए इस मंदिर में आते हैं।

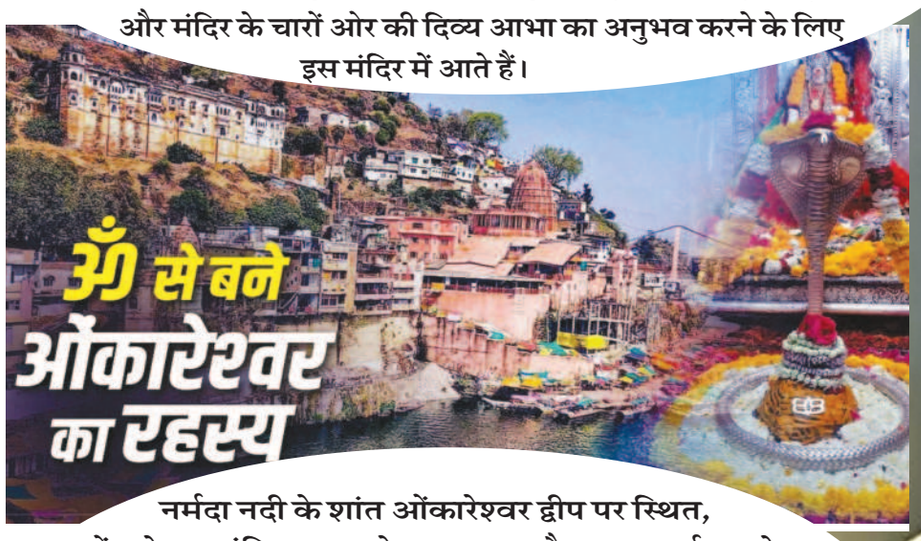

नर्मदा नदी के शांत ओंकारेश्वर द्वीप पर स्थित, ओंकारेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश का एक और महत्वपूर्ण महादेव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अनूठी स्थापत्य शैली और सुरम्य स्थान के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर में स्थापित भगवान ओंकारेश्वर का लिंग पवित्र प्रतीक 'ओम' जैसा दिखता है, जो सृष्टि की ब्रह्मांडीय ध्वनि का प्रतीक है। तीर्थयात्री अक्सर भक्ति के रूप में, द्वीप की परिक्रमा, परिक्रमा करते हैं।

भोजेश्वर मंदिर, भोजपुर

भोजपुर की हरी-भरी हरियाली के बीच बसा भोजेश्वर मंदिर, मध्य प्रदेश के महादेव मंदिरों में एक छिपा हुआ रत्न है। 11वीं शताब्दी में राजा भोज के शासनकाल के दौरान निर्मित, यह मंदिर उल्लेखनीय वास्तुकला भव्यता को दर्शाता है। इस मंदिर में मौजूद विशाल लिंगम, जिसकी लंबाई लगभग 7.5 फीट है, दुनिया के सबसे ऊंचे लिंगों में से एक है। शांत वातावरण और वास्तुशिल्प चमत्कार भोजेश्वर मंदिर को भक्तों और इतिहास के प्रति उत्साही लोगों के लिए अवश्य देखने लायक बनाते हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर, मंदसौर

मंदसौर में पशुपतिनाथ मंदिर एक प्रसिद्ध महादेव मंदिर है जो भगवान शिव के दूसरे रूप भगवान पशुपतिनाथ का आशीर्वाद लेने वाले भक्तों को आकर्षित करता है। यह मंदिर ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व रखता है, किंवदंतियाँ इसे महाकाव्य महाभारत के पांडवों से जोड़ती हैं। यहां मनाए जाने वाले जीवंत त्यौहार, जैसे कि महा शिवरात्रि, नवरात्रि और श्रावण मास, बड़ी भीड़ खींचते हैं और आध्यात्मिक रूप से उत्साहित वातावरण बनाते हैं।

चिंतामन गणेश मंदिर उज्जैन

यद्यपि मुख्य रूप से भगवान गणेश को समर्पित, उज्जैन में चिंतामन गणेश मंदिर में भगवान शिव का एक मंदिर भी है, जो इसे मध्य प्रदेश में एक महत्वपूर्ण महादेव मंदिर बनाता है। यह मंदिर भगवान गणेश की प्राचीन मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है, जिसे स्वयंभू माना जाता है। भक्त भगवान गणेश और भगवान शिव दोनों का आशीर्वाद लेने और शांति और सुकून का अनुभव करने के लिए इस मंदिर में आते हैं।

बड़ा गणपति मंदिर, इंदौर

इंदौर के हलचल भरे शहर में स्थित, बड़ा गणपति मंदिर भगवान गणेश को समर्पित एक प्रतिष्ठित मंदिर है, जिन्हें अक्सर भगवान शिव का बड़ा भाई माना जाता है। यह मंदिर भगवान गणेश की लगभग 8 मीटर ऊंची विशाल मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है, जो दुनिया में सबसे बड़ी में से एक है। जबकि मुख्य देवता भगवान गणेश हैं, मंदिर परिसर में भगवान शिव की उपस्थिति महादेव मंदिर के रूप में इसके महत्व को बढ़ाती है।

यद्यपि दतिया में श्री रावतपुरा सरकार धाम वास्तव में एक महादेव मंदिर नहीं है, लेकिन भगवान शिव भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इस आध्यात्मिक परिसर में भगवान शिव को समर्पित एक भव्य मंदिर के साथ-साथ विभिन्न देवताओं को समर्पित कई अन्य मंदिर भी हैं। विशाल परिसर और आधुनिक सुविधाओं के साथ मिलकर शांत वातावरण, इसे आध्यात्मिक शांति चाहने वाले भक्तों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बनाता है।

बिल्लेश्वर महादेव मंदिर, सतना

सतना में तमसा नदी के तट पर स्थित, बिल्लेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव का एक पवित्र निवास स्थान है। यह मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए प्रतिष्ठित है, जो भक्तों को ईश्वर से जुड़ने के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करता है। यहां मनाया जाने वाला वार्षिक शिवरात्रि उत्सव बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है जो उत्सव की भव्यता देखने और भगवान शिव का आशीर्वाद लेने आते हैं।

बम्बलेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ़

राजनांदगांव जिले में डोंगरगढ़ पहाड़ी के ऊपर स्थित बम्बलेश्वरी मंदिर मध्य प्रदेश का एक लोकप्रिय महादेव मंदिर है। यह मंदिर देवी बम्बलेश्वरी को समर्पित है, जो देवी दुर्गा का एक रूप है, जिन्हें भगवान शिव की पत्नी माना जाता है। तीर्थयात्री मंदिर तक पहुँचने के लिए एक हजार से अधिक सीढ़ियाँ चढ़ते हैं, और पहाड़ी की चोटी से मनमोहक मनोरम दृश्य समग्र आध्यात्मिक अनुभव को बढ़ा देता है। नवरात्रि उत्सव के दौरान मंदिर में विशेष रूप से भीड़ होती है, जो दूर-दूर से भक्तों को आकर्षित करती है।

मीना कुमारी बनेंगी कृति सेनन इस किरदार को करेंगी जस्टीफाई?

फिल्म आदिपुरुष की डायलॉग डिलीवरी की खूब आलोचना की गई. फिल्म के कलाकारों को लेकर भी कई सवाल उठाए गए. मंदिर के बाहर आदिपुरुष फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत को गुड बॉय किस के करने पर खूब बवाल मचा था. इस फिल्म में कृति सेनन ने सीता का किरदार निभाया था. अब खबर है कि हिंदी सिनेमा की मशहूर दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी की बायोपिक बन रही है. दिलचस्प बात ये है कि इसे इंडस्ट्री के जाने-माने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म में मीना कुमारी का रोल कृति सेनन अदा कर रही हैं. डिजाइनर से निर्देशक बने मनीष मल्होत्रा अपनी ड्रेसेज़ के लिए फेमस हैं. इस फिल्म से वे अपने निर्देशन की शुरूआत कर रहे हैं. फिल्म के जरिए वे मीना कुमारी को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं.

मनीष का कहना है कि वे खुद को बहुत खुशनसीब मानते हैं कि उन्हें अपने कैमरे के जरिए बेहतरीन अभिनेत्री की जिंदगी के सफर को दिखाने का मौका मिलेगा. इस खबर के बाद से फैंस के बीच अच्छा-खासा उत्साह बढ़ गया है. फिलहाल ये बायोपिक अभी स्क्रिप्टिंग स्टेज में है. फिल्म के प्रोड्यूर भूषण कुमार है.

बता दें, हिंदी सिनेमा में ट्रेजेडी क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस मीना कुमारी की जिंदगी बड़ी बेरहम रही. सारी जिंदगी वो प्यार के लिए तरसती रहीं. कहा जाता है कि मीना कुमारी का बहुत लोगों ने शोषण किया. जिसकी वजह से उनके दिल पर उस जख्म के निशां हमेशा के लिए रह गए. मीना कुमारी ने अपने से 15 साल बड़े डायरेक्टर कमाल अमरोही से शादी की थी. कमाल रुढ़िवादी थी. वे हर बात के लिए मीना कुमारी तो टोकते थे.

उन्हें अपनी बेगम का किसी से बात करना. उठना-बैठना पसंद नहीं था. मीना कुमारी पर लिखी किताबों के अनुसार कमाल चाहते थे कि मीना कुमारी कभी मां न बने. इसलिए उनका दो बार गर्भपात भी हुआ था. 31 मार्च 1972 में मीना ने दुनिया को अलविदा कह दिया.

'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा ने सीमा हैदर को बताया बहादुर, कहा- वह फीमेल तारा सिंह हैं...

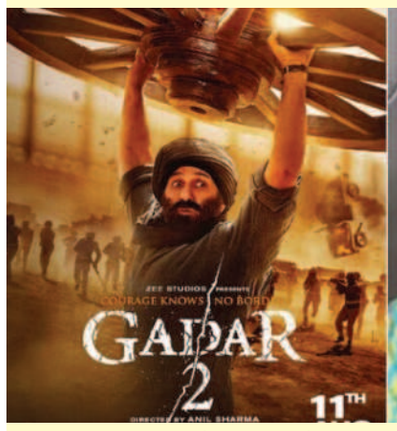

अनिल शर्मा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गदर 2' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिनों इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था जो कि फैंस को खूब पसंद आया था। इसके बाद इस फिल्म का मशहूर गाना उड़ जा काले कावां रिलीज किया गया। अब फैंस को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में अनिल शर्मा ने एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया। इस दौरान उनसे पाकिस्तान से भारत के नोएडा आई सीमा हैदर के बारे में सवाल किया गया, जिसका उन्होंने जवाब दिया।

अनिल शर्मा ने की सीमा हैदर की तारीफ

अपने मुल्क पाकिस्तान को छोड़कर भारत आई सीमा हैदर की कहानी किसी फिल्म से कम नहीं है। कराची से नोएडा के रबूपुरा पहुंची सीमा हैदर इन दिनों भारत और पाकिस्तानी मीडिया में छाई हुई हैं। सीमा की कहानी गदर की याद दिलाती है कि कैसे तारा सिंह अपनी पत्नी और बच्चे के लिए पाकिस्तान गए थे। इस बारे में गदर के निर्देशक अनिल शर्मा ने सीमा हैदर की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'वह बहुत बहादुर है और अपने प्यार से मिलने के लिए भारत आई है और उस लड़के ने बच्चों के साथ सीमा को स्वीकार कर लिया है, इसके लिए उसका स्वागत होना चाहिए।'

तारा सिंह का फीमेल वर्जन

अनिल शर्मा ने आगे कहा, मैं उस लड़की को तारा सिंह का फीमेल वर्जन मानता हूं, क्योंकि उसमें इतनी हिम्मत थी कि वह बिना किसी की परवाह किए पाकिस्तान से भारत आ गई, यह आसान नहीं है। भले ही उसे फिल्म देखने के बाद प्यार न हुआ हो लेकिन फिल्म देखने के बाद हिम्मत तो जरूर मिली होगी। तारा सिंह से उसे हिम्मत मिली होगी, कि अगर वो कर सकते हैं तो मैं क्यों नहीं।

अक्षय कुमार के व्यवहार से आहत हैं एक्ट्रेस शांति प्रिया, खिलाड़ी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री शांति प्रिया आपको याद होंगी? वही शांति प्रिया जिन्होंने अक्षय कुमार की डेब्यू फिल्म 'सौगंध' में लीड रोल किया। हाल ही में उन्होंने एक्टर पर कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। शांति प्रिया का कहना है कि जब उन्होंने कमबैक की तैयारी की और काम के लिए अक्षय कुमार से बात की तो उन्होंने काम दिलाने का वादा तो किया, लेकिन फिर मुकर गए।

शांति प्रिया ने हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह फिल्म 'हॉलीडेः ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी' के सेट पर अक्षय कुमार से मिली थीं। इस दौरान अक्षय कुमार ने उनसे काफी गर्मजोशी के साथ मुलाकात की। इतना ही नहीं, उन्होंने सेट पर अपनी को-स्टार सोनाक्षी सिन्हा से भी मिलवाया और कहा कि ये अब बॉलीवुड में कमबैक करने की तैयारी में हैं। शांतिप्रिया का कहना है कि मुलाकात के दौरान अक्षय कुमार ने उनसे कहा कि वह आज भी बेहद खूबसूरत हैं, लेकिन अब वह फिल्मों में हीरोइन का रोल अदा नहीं कर सकती हैं। एक्ट्रेस का दावा है कि खिलाड़ी ने उसने यह तक कह दिया कि इंडस्ट्री में शादी के बाद महिलाओं को पहले की तरह ट्रीट नहीं किया जाता है।

शांतिप्रिया का कहना है कि इसके बाद अक्षय कुमार ने उनसे अचानक ही कन्नी काट ली। उन्होंने एक्टर को ढेरों मैसेज भेजे, लेकिन उन्होंने एक का भी जवाब नहीं दिया। यह बात जब शांतिप्रिया ने अपनी मां को बताई तो वह भी काफी दुखी हुईं। इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी से भी दोबारा कॉन्टेक्ट करने के लिए मना कर दिया। शांतिप्रिया का कहना है कि इस घटना के बाद उन्हें यकीन हो गया कि फिल्म इंडस्ट्री में किसी को किसी से उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। इंटरव्यू के दौरान शांतिप्रिया ने यह भी कहा कि अक्षय की पहली फिल्म में उनके साथ लीड रोल करने के लिए जो एक्ट्रेस राजी हुई, वह वही थीं। अक्षय कुमार नए थे, लेकिन वह उनके साथ काम करने को तैयार हो गई थीं। अब उनकी बारी है, लेकिन वह मदद को आगे नहीं आए'।

ओटीटी पर अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगे आशुतोष गोवारिकर

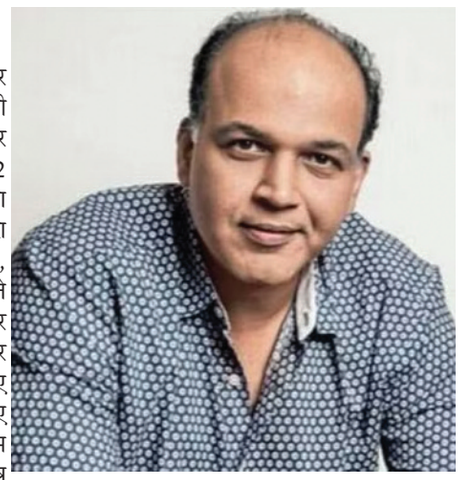

नेटफ्लिक्स ने पोशम पा पिक्चर्स और समीर सक्सेना के साथ साझेदारी में अपनी नई सीरीज 'काला पानी' की घोषणा कर दी है। यह सर्वाइवल ड्रामा उनकी 2022 की फिल्म जादूगर के बाद पोशम पा पिक्चर्स के साथ नेटफ्लिक्स का दूसरा प्रोजेक्ट है। 'लगान', 'जोधा अकबर', 'पानीपत', 'स्वदेश' जैसी फिल्में बनाने वाले आशुतोष गोवारिकर एक शानदार एक्टर और राइटर भी हैं। ऐतिहासिक और देशभक्ति से भरपूर फिल्में बनाने के लिए मशहूर आशुतोष ने कई फिल्मों के लिए नेशनल अवार्ड भी जीते हैं। बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि आशुतोष एक बेहतरीन फिल्ममेकर के साथ-साथ शानदार एक्टर भी हैं। इन दिनों वह अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। आशुतोष बहुत जल्द वेब सीरीज काला पानी में नजर आने वाले हैं।

सर्वाइकल ड्रामा सीरीज

नेटफ्लिक्स ने पोशम पा पिक्चर्स और समीर सक्सेना के साथ साझेदारी में अपनी नई सीरीज 'काला पानी' की घोषणा कर दी है। यह सर्वाइवल ड्रामा उनकी 2022 की फिल्म जादूगर के बाद पोशम पा पिक्चर्स के साथ नेटफ्लिक्स का दूसरा प्रोजेक्ट है। अपनी दिल छू लेने वाली कहानियों के लिए जाने जाने वाले समीर सक्सेना इस सीरीज के शो-रनर हैं। 'काला पानी' का निर्देशन समीर सक्सेना और अमित गोलानी ने किया है और इसे बिस्वपति सरकार, निमिषा मिश्रा, संदीप साकेत और अमित गोलानी ने लिखा है।

टोन्ड बॉडी के लिए मेहनत कर रही हैं पलक तिवारी

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपने ग्लैमरस लुक को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में पलक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह जिम में वर्कआउट करती हुई नजर आ रही हैं। 23 साल की पलक टोन्ड बॉडी के लिए पिलाटेस कर रही हैं। इस दौरान वह ब्राउन को-ऑर्ड में दिखाई दीं। बता दें, एक्ट्रेस अपनी फिटनेस का काफी ध्यान रखती हैं।

मालदीव्स वेकेशन मानाने गई थीं पलक

पलक तिवारी बीते दिनों मालदीव में वेकेशन इंजॉय करने पहुंची थीं, जिसकी कुछ तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं। इन फोटोज में पलक यलो टॉप के साथ व्हाइट ट्राउजर में बीच के किनारे पोज देते हुए नजर आईं। इन फोटोज को सोशल मीडिया पर फैंस ने काफी पसंद किया था।

किसी का भाई किसी की जान से किया डेब्यू

बता दें, पलक तिवारी ने सलमान खान की हालिया रिलीज फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में राघव जुयाल, पूजा हेगड़े, वेंकटेश, भूमिका चावला, शहनाज गिल, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम और जगपति बाबु भी नजर आए थे।

बॉलीवुड का चार्म कम हो रहा है : अमीषा पटेल

फिल्मों के पोस्टर में नहीं मिल रही हीरोइनों को जगह, इसलिए पिछड़ रही फिल्में

अमीषा पटेल जल्द ही सनी देओल के साथ फिल्म गदर 2 में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने मीडिया से बॉलीवुड के घटते हुए चार्म और हीरोइनों को ऑफर हो रहे रोल पर बात की। उन्होंने बॉक्स-ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों के पिछड़ने पर भी अपनी राय दी। रिपब्लिक डिजिटल को दिए इंटरव्यू में अमीषा ने कहा कि अब बॉलीवुड फिल्मों में फीमेल एक्टर्स को मजबूत और दमदार रोल कम ही मिल रहे हैं। साथ ही उन्हें फिल्मों के पोस्टर में भी जगह नहीं मिल रही है। यही वजह है कि बॉलीवुड का चार्म अब कम होता जा रहा है।

बॉलीवुड का चार्म कम हो रहा हैः अमीषा

इंटरव्यू के दौरान अमीषा ने पिछले दिनों को याद करते हुए कहा- एक समय था जब फिल्म के हर आस्पेक्ट पर गौर किया जाता था। हीरो, हीरोइन से लेकर फिल्म का पोस्टर, गाने, स्टाइल और ग्लैमर हर चीज को अहमियत दी जाती थी। लोग फिल्मों के गानों से आकर्षित होकर ही फिल्म देखने आएं, ऐसा उस समय बहुत कॉमन था।

ऑडियंस फिल्मों में विलेन, कॉमेडियन, म्यूजिक और फैशन सेंस भी बड़े शौक से देखती थी। लेकिन, अब ये सब गायब होता जा रहा है। लोग बॉलीवुड के चार्म से प्यार करते थे, वो खत्म हो रहा है।

लोग अपनी फेवरेट हीरोइन को फिल्म में देखने जाते थेः अमीषा

अमीषा पटेल ने फिल्मों के पोस्टर पर हीरोइनों को जगह न मिलने पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा- अब पोस्टर से भी हीरोइन गायब होती जा रही हैं। पहले लोग अपनी पसंदीदा हीरोइन को पोस्टर में देखकर ही फिल्म देखने का मन बना लेते थे। लेकिन, अब इस पैटर्न में भी काफी बदलाव आ चुका है। फिल्म सिर्फ हीरो सेंट्रिक नहीं हो सकती। हां, हीरो भी किसी भी फिल्म का इम्पोर्टेन्ट पार्ट जरूर होता है। अमीषा के मुताबिक इन्हीं कारणों की वजह से बॉलीवुड की फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर पिछड़ रही हैं।

'कभी नहीं सोचा था सलमान-शाहरुख स्टार बन जाएंगे': परवीन दस्तूर

फिल्म मैंने प्यार किया में सीमा का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस और एयर होस्टेस परवीन दस्तूर ने हाल ही में फिल्म में सलमान और शाहरुख खान के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस शेयर किया। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड ठिकाना से बात करते हुए कहा कि 1989 में जब उन्होंने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर की थी तब उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि सलमान आगे चलकर इतने बड़े स्टार बन जाएंगे।

बढ़िया को-स्टार हैं सलमान खानः परवीन

सलमान खान के साथ काम करने को लेकर परवीन दस्तूर ने कहा- सलमान सेट पर फैंटास्टिक थे। वो बहुत अच्छे इंसान हैं और उससे भी बढ़िया को-स्टार थे। उन्होंने सेट पर कई बार मेरी मदद की है, हमनें शूटिंग के दौरान खूब मस्ती भी की। आज भी जब भी मैं उनसे मिलती हूं, वो उसी तरह मुझसे मिलते हैं जैसे पहले मिला करते थे। परवीन ने शाहरुख खान के साथ फिल्म अहमक में भी काम किया। ये फिल्म रुसी नॉवेलिस्ट फ्योदोर दोस्तोवस्की की किताब द इडियट पर बेस्ड थी। फिल्म को टीवी पर दूरदर्शन ने 1991 में मिनी टीवी सीरीज के तौर पर चार पार्ट्स में लॉन्च किया। ये फिल्म थिएटर में कभी रिलीज नहीं हुई। हालांकि, 1992 में फिल्म न्यू यॉर्क फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थी। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए ये भी बताया कि उन दिनों शाहरुख खान की मां की तबियत बहुत खराब थी और वो काफी परेशान रहते थे। एक्ट्रेस से ये पूछा गया कि क्या उस समय कभी उन्हें ऐसा लगा कि शाहरुख-सलमान आगे चलकर इतना बड़ा नाम बन जाएंगे तो उन्होंने कहा- नहीं, मैंने कभी नहीं सोचा था। मैंने कभी ये भी नहीं सोचा था कि ये फिल्म हिट होगी। न ही कभी ये सोचा कि सलमान-शाहरुख को इतना स्टारडम मिलेगा।

शाहरुख खान के साथ काम करने के एक्सपीरिएंस पर परवीन दस्तूर बोलीं- शाहरुख बहुत अच्छे इंसान हैं। जब हम गोवा में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तब उनकी मां की तबियत बहुत खराब थी। इस वजह से वो काफी परेशान रहते थे। शाहरुख बार-बार अपनी मां से मिलने दिल्ली जाया करते थे। आगे परवीन ने ये भी कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि शाहरुख इतने कामयाब होंगे। उन्होंने आगे कहा- उस समय किसी ने ये नहीं सोचा था कि आगे चलकर हममें से कौन स्टार बनेगा और कौन नहीं। हम सिर्फ सेट पर मस्ती किया करते थे।

फिल्म का सेटअप काफी अच्छा थाः परवीन

परवीन ने ये भी बताया कि फिल्म का सेट अप काफी अच्छा था। उन्होंने कहा- मेकअप रूम, खाना और हर वो चीज जिसकी हमें जरूरत थी वो हमें आसानी से मिल जाती थी। हमें बताया गया था कि ये प्रोडक्शन हाउस किसी को भी 1000-2000 रुपए से ज्यादा पैसे नहीं देता है और हमें बहुत अच्छे पैसे मिल रहे हैं।

भाग्यश्री को मिली थी सबसे ज्यादा 1.5 लाख रुपए की फीसः परवीन

बातचीत के दौरान परवीन ने ये भी बताया कि सलमान खान के फिल्म में होने के बावजूद उस समय भाग्यश्री को सबसे ज्यादा फीस मिली थी। फिल्म में भाग्यश्री लीड एक्ट्रेस थीं और उन्हें फिल्म के लिए 1.5 लाख रुपए मिले थे, जबकि सलमान खान को सिर्फ 31,000 रुपए की फीस दी गई थी। परवीन ने बताया कि उन्हें फिल्म के लिए 25,000 रुपए दिए गए थे।

सलमान खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी पहली सैलरी 75 रुपए की थी। उन्होंने बताया था- मैं ताज होटल के पीछे किसी शो में डांस कर रहा था और इसके लिए मुझे ये पैसे मिले थे। बाद में मैंने कैंपा कोला सॉफ्ट ड्रिंक ब्रैंड के लिए 750 रुपए की फीस में शूट किया था। इसके बाद लंबे समय तक मुझे करीब 1500 रुपए मिले, फीस के तौर पर। मैंने प्यार किया के लिए मुझे 31,000 रुपये मिले और बाद में ये बढ़कर 75,000 तक हो गए थे।

सुनील शेट्टी ने बेटी अथिया को दी नसीहत : कहा- राहुल एक एथलीट है, तुम उसके साथ हर जगह ट्रैवल नहीं कर सकती

सुनील शेट्टी ने कहा कि उनकी बेटी अथिया काफी लकी हैं, क्योंकि उन्हें केएल राहुल जैसा जीवनसाथी मिला है। सुनील के मुताबिक, वे अथिया को हमेशा यही नसीहत देते हैं कि वो राहुल के अच्छे और बुरे समय में हमेशा उनके साथ खड़ी रहे। एक एक्टर की तरह खिलाड़ियों के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आते हैं। इसलिए अथिया को चाहिए कि वो अपने पार्टनर के ऊपर आंख बंद करके विश्वास करे। कुछ दिन पहले राहुल के खराब फॉर्म पर भी सुनील का रिएक्शन आया था। सुनील ने कहा कि राहुल एक वर्ल्ड क्लास प्लेयर है। वो जुबां से नहीं बल्कि अपने बल्ले से जवाब देना जानता है।

सुनील से हाल ही में पूछा गया कि वे बेटी को अथिया को क्या नसीहत देना चाहेंगे। जवाब में सुनील ने कहा- मैंने अथिया को हमेशा से फेलियर को बर्दाश्त करने की बात सिखाई है। दूसरी बात ये कि अपने पार्टनर पर आंख बंद करके विश्वास करो। तीसरी बात ये है कि राहुल एक एथलीट है, उसे हमेशा एक जगह से दूसरे जगह जाना पड़ेगा। तुम उसके साथ हर जगह नहीं जा सकती। उसके साथ हमेशा खड़ी रहो, क्योंकि प्लेयर्स की लाइफ में भी उतार-चढ़ाव आते हैं।

सुनील ने आगे कहा- जब कोई प्लेयर रन मारता है तो वो फिर अलग दुनिया में होता है। मैं अपने समय में सुनील गावस्कर को अपना हीरो मानता था। आज भी वे ही मेरे हीरो हैं।

सुनील ने राहुल को एक वार्निंग भी दी। उन्होंने कहा- इतने भी अच्छे मत बनो कि हम सभी तुम्हारे सामने छोटे लगने लगें। तुम इतने भी अच्छे मत बनो कि लोग तुम्हें ही अच्छाई की परिभाषा समझ लें। राहुल बहुत उदार शख्स हैं। मैं अथिया से हमेशा यही कहता हूं कि तुम भाग्यशाली हो कि तुम्हें राहुल जैसा लड़का मिला है। ये सभी को पता है कि सुनील शेट्टी कितने बड़े क्रिकेट लवर हैं। पिछले दिनों जब केएल राहुल खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, तो सुनील ने उनका बचाव किया था।

उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा- अगर राहुल खराब भी खेलकर आता है तो हमारे घर में उसकी चर्चा नहीं होती है। हम लोग जानते हैं कि वो एक फाइटर है। वो अपने खेल में एक्सपर्ट है इसलिए उसे कोई क्या सिखाएगा। वो देश के लिए क्रिकेट खेलता है, किसी गली-मोहल्ले के लिए नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी थी कि अथिया ने मुझसे राहुल के बारे में कभी जिक्र नहीं किया था। हालांकि मैं खुश था क्योंकि मैंने अथिया को हमेशा से साउथ इंडियन लड़कों से कनेक्ट होने की नसीहत दी थी। ये सुखद संयोग ही था कि मंगलोर में राहुल के घर से कुछ ही दूरी पर मेरा भी जन्मस्थान है।'

जान्हवी को आई मां श्रीदेवी की याद : बोलीं- उन्हें खोना सबसे खौफनाक पल था

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बवाल को लेकर बेहद सुर्खियों में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि अपनी मां श्रीदेवी को खोना उनकी लाइफ की सबसे बड़ी जंग थी। दरअसल, जान्हवी से सवाल किया गया कि उनकी लाइफ में सबसे बड़ा युद्ध क्या था? इस पर एक्ट्रेस ने अपनी मां को याद करते हुए बताया कि 2018 में उनकी मौत जान्हवी की जिंदगी के लिए सबसे बड़ा युद्ध थी। बता दें कि जान्हवी की फिल्म बवाल में वर्ल्ड वॉर 2 का रेफरेंस दिया गया है, वहीं फिल्म की टैग लाइन है 'हर प्रेम कहानी का अपना युद्ध होता है।'

मां को खोना जान्हवी की जिंदगी के लिए थी सबसे बड़ी जंग

पिंकविला से बातचीत के दौरान जान्हवी ने कहा- 'मैं तब धड़क की शूटिंग कर रही थी, जब मैंने अपनी मां को खोया था। मुझे लगता है उन्हें खोना, उस नुकसान से निपटना काफी कठिन था। मेरे लिए दोबारा काम करने की हिम्मत बटोर पाना मेरे लिए बहुत कठिन था, इन सभी चीजों से निपटने का तरीका खोजना मेरे लिए बहुत कठिन था। इन सभी चीजों से बाहर निकलना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा युद्ध था। बता दें कि 24 फरवरी 2018 को श्रीदेवी दुबई में एक होटल के बाथरूम में मृत पाई गयी थीं। श्रीदेवी अपने भतीजे मोहित मारवाह की शादी में फैमिली के साथ शामिल होने के लिए दुबई गई थीं। उनके यूं चले जाने से जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर पर गहरा असर पड़ा था।

पहली बार वरुण- जान्हवी ने साथ में किया काम

आपको बता दें जाह्नवी कपूर की फिल्म 'बवाल' 21 जुलाई, 2023 को एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने वाली है। इस फिल्म के जरिए वो पहली बार वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आएंगी। इसके अलावा वो 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी दिखाई देंगी।

यूपी: सोनभद्र में दलित युवक से मारपीट के बाद कान में कर दी पेशाब

वीडियो वायरल; आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सोनभद्र, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अभी दलित युवक को थूककर चटाने का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि एक और नया मामला सामने आ गया है। यूपी के सोनभद्र जिले में दलित के साथ मारपीट करके उसके कान में पेशाब करने का मामला सामने आया है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद मामले का राजफाश हुआ। पुलिस के अनुसार, घटना के वक्त दोनों पक्षों ने पहले साथ में शराब पिया, इसके बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच मारपीट हुई और एक ने दूसरे के कान में पेशाब कर दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह मौके पर पहुंच कर पीड़ित गुलाब कोल का बयान लिया। इसके आधार पर मुख्य अभियुक्त जवाहिर पटेल व एक अन्य पर दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस अधीक्षक डा.यशवीर सिंह ने बताया कि प्रसारित वीडियो 11 जुलाई का है। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति व आरोपी दोनों का आपस में संबंध था। दोनों ने साथ बैठकर शराब पीये। इसी बीच आरोपित जवाहिर पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल व पीड़ित गुलाब कोल पुत्र टमाटर में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद जवाहिर पटेल ने गुलाब कोल को मारापीटा व उसके कान में पेशाब कर दिया।

निकाह के दो घंटे बाद दूल्हा बोला तलाक तलाक तलाक दहेज के बाद कार न मिलने पर तोड़ी शादी

आगरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में तीन तलाक के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दहेज लोभी युवतियों को तीन तलाक देकर उनकी जिंदगी खराब कर रहे हैं। ताजा मामला एक बार फिर सामने आया है, जहां निकाह के दो घंटे बाद ही दूल्हे ने होटल में ही दुल्हन को तीन तलाक दे दिया। इससे परिवार में हड़कंप मच गया। तलाक देने की वजह शादी में कार न देना बताई जा रही है। आगरा के डोलीखार के निवासी कामरान वारसी की दो बहनों की शादी तय हुई थी। एक बहन का रिश्ता नाई की मंडी के नाला चुन पचान निवासी आसिफ से तय हुआ था। शादी की तारीख तय हुई। थाना ताजगंज क्षेत्र स्थित प्रियांशु फार्म हाउस में बारात आई। एक बहन की तो निकाह के बाद विदाई हो गई। लड़की पक्ष का आरोप है कि दूसरी बहन के ससुरालीजन निकाह के बाद कार की मांग करने लगे। पीड़िता के भाई कामरान वारसी के बताया कि उन्होंने अपनी हैसियत से ज्यादा शादी में खर्च किया। दहेज के अलावा सोने चांदी के आभूषण के साथ चार लाख रुपए कैश निकाह में दिए थे,

सपा नेता आजम खान को फिर मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा, कल यूपी पुलिस ने हटाया था

रामपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को दोबारा वाई श्रेणी की सुरक्षा मिल गई है. रामपुर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की सिफारिश पर वाई कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराई गई. कल उत्तर प्रदेश पुलिस सुरक्षा विभाग ने आजम खान को झटका देते हुए वाई श्रेणी की सुरक्षा हटा लिया था. पत्र के मुताबिक आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा बनाए रखने का औचित्य नजर नहीं आता है. वीवीआईपी को सुरक्षा दिए जाने के संबंध में बैठक 8 नवंबर 2022 को हुई थी. बैठक में आजम खान की सुरक्षा पर फैसला लिया गया. वाई सुरक्षा कवच के तहत वीवीआईपी को कुल 11 जवान मिलते हैं हैं. सुरक्षा घेरे में दो कमांडो और दो पीएसओ भी होते हैं.

आम की दावत में अखिलेश के साथ नजर आए पिता-पुत्र

लोकसभा चुनावों को देखते हुए आजम खान एक्टिव मोड में आ गए हैं. स्वास्थ्य लाभ के बाद आजम खान पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं. मंगलवार को अखिलेश यादव के 'माई' समीकरण को आजम खान धार देते नजर आए थे. उन्होंने लखनऊ में अखिलेश यादव के साथ दो घंटे से ज्यादा समय बिताया. बताया गया कि दोनों नेताओं की मुलाकात सौहाद्रपूर्ण माहौल में हुई. बैठक का प्रमुख एजेंडा संगठन की मजबूती और लोकसभा चुनाव की रणनीति रहा.

आजम खान को दोबारा मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा

मुलाकात के बाद अखिलेश यादव मलिहाबाद आम की दावत खाने रवाना हो गए. दावत में बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ आजम खान भी नजर आए. रामपुर में आजम खान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर 2024 के आम चुनाव की जमीन तैयार कर रहे हैं. सुरक्षा व्यवस्था की श्रेणियां प्रमुख तौर पर छह तरह की होती हैं. बोलचाल की भाषा में एक्स श्रेणी, वाई और वाई प्लस श्रेणी, जेड श्रेणी और जेड प्लस श्रेणी के तौर पर जाना जाता इसके अलावा एसपीजी की भी सुरक्षा होती है. वाई कैटेगरी की सुरक्षा वापस मिलना आजम खान के लिए राहत की खबर है.

पिछले दो लोकसभा चुनावों में मिली जीत से उत्साहित बीजेपी का सपना होगा साकार? 'मिशन 80' की राह में हैं रोड़े

लोकसभा चुनाव 2024: वोट प्रतिशत के लिहाज से बसपा को दोनों लोकसभा चुनाव में बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। मायावती ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था। बसपा के खाते में 10 लोकसभा सीटें गई।

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मिशन 2024 की तैयारी में लगी बीजेपी पिछले नतीजों से उत्साहित है। उत्तर प्रदेश से 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखने के पीछे पिछले दो लोकसभा चुनावों में मिली शानदार जीत है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भले बीजेपी को सीटें कम मिली मगर वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ है। 2014 में 71 सीटों को झोली में करने वाली बीजेपी का वोट प्रतिशत 43 फीसद था। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का वोट प्रतिशत ग्राफ बढ़कर 50 फीसद पर पहुंच गया। हालांकि बीजेपी को 62 सीटों पर संतोष करना पड़ा था यानी 9 सीटों की कमी आई।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी पार्टियां

दूसरे नंबर पर 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा को सपा गठबंधन का फायदा मिला। मायावती ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था। बसपा के खाते में 10 लोकसभा सीटें गई। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। वोट प्रतिशत के लिहाज से बसपा को दोनों लोकसभा चुनाव में बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बसपा का एक प्रतिशत वोट 2019 में कम हुआ। समाजवादी पार्टी को पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में 5 सीटों पर संतोष करना पड़ा। हालांकि 2014 के मुकाबले सपा का वोट 2019 में चार प्रतिशत घटा।

क्या उत्तर प्रदेश में बीजेपी का लक्ष्य होगा पूरा?

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा का वोट प्रतिशत कम होकर 18 हो गया। उत्तर प्रदेश में बीजेपी को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे की उम्मीद है। इस बार हालांकि उसकी राह में कई चुनौतियां खड़ी हैं। महंगाई, बेरोजगारी और देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बीजेपी को जनता को जवाब देना होगा। विपक्षी पार्टियों की एकजुटता भी बीजेपी के लक्ष्य को भेदने में रोड़ा बन सकती है। अगर मायावती विपक्षी खेमे में आती हैं तो बीजेपी को कड़ी टक्कर मिलने के आसार हैं।

मीट काटने वाले चाकू से किए 12 वार, शिक्षक मोहम्मद फ़िरोज़ ने 9 वर्षीय बच्चे को बेरहमी से मार डाला

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में पड़ोस में रहने वाले शिक्षक ने सुबह मीट काटने वाले चाकू को एक 9 वर्षीय मासूम बच्चे पर 12 बार वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। बच्चा घर से खेलने के लिए निकला था, इसी बीच आरोपी शिक्षक ने उसे रोक कर वारदात को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मामला नालंदा के सिलाव थाना क्षेत्र के कड़ाह मोहल्ले का है। यहाँ पड़ोसी शिक्षक मोहम्मद फिरोज ने नाली के विवाद में 9 वर्षीय मोहम्मद शफीक का क़त्ल कर दिया। शफीक 3 भाइयों में सबसे बड़ा था और चौथी कक्षा में पढता था। पुलिस का कहना है कि नाली में पानी गिराने को लेकर टीचर और बच्चे के परिजनों में बीते कुछ समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद में पड़ोसी से बदला लेने के लिए पड़ोसी टीचर मोहम्मद फिरोज ने बच्चे का क़त्ल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मोहम्मद फिरोज भागने की कोशिश करने लगा, मगर आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया। \

ममता बनर्जी के समर्थन में उतरे अखिलेश यादव, सीएम योगी को दिया जवाब, कहा- 'पहले यूपी का हाल देखें'

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव पर सीएम योगी के बयान को लेकर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सुदूर पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव की बड़ी चिंता है जबकि, भाजपा के सत्ता संरक्षण में यूपी के होने वाले हर चुनाव में स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता का दम घोंटा गया. अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव में विपक्ष के मतों पर खुला डाका डाला गया. इन चुनावों में भाजपा द्वारा जो जोर-जबरदस्ती मतदाताओं के साथ की गई, उसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है. अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या की है. यहां सरकार ने पुलिस प्रशासन और धनबल से लोकतंत्र का अपहरण कर लिया है. पिछले छह सालों में उत्तर प्रदेश पंचायत, नगर निकाय और ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में वोटों की खूब लूट हुई. प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को धमकाया गया. उन्हें वोट डालने नहीं दिया गया, प्रत्याशियों के नामांकन पर्चे जबरन छीन लिए गए. भाजपा राज में यूपी में पंचायत चुनावों में फायरिंग हुई थी, बम फोड़े गए थे, बैलेट बॉक्स लूटे गए थे, महिलाओं की साड़ी फाड़ी गई थी और मारपीट खून-खराबा तक हुआ था. भाजपा द्वारा सत्ता का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को कलंकित किया गया है.

अखिलेश ने लगाया बीजेपी पर आरोप

सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान पर गंभीर खतरा है. सत्ता के दुरुपयोग के कारण नौकरशाही का राजनीतिकरण कर दिया गया है. चुनाव में विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को प्रताड़ित किया जाता है. यह लोग राजनीतिक विरोधियों के साथ दुश्मनों की तरह व्यवहार करते हैं. भाजपा बदले की भावना से काम कर रही है. अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटने वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में चुनाव महज दिखावा बन कर रह गए हैं.

सीएम योगी के इस बयान पर किया पलटवार

गौरतलब हो कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में भारी हिंसा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि प्रदेश में 760 नगर निकाय चुनाव में एक भी जगह न हिंसा हुई और न ही धांधली हुई. ये एक मानक है और इससे सीखना चाहिए. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए योगी ने कहा था कि लोकतंत्र को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले ही लोकतंत्र का ढिंढोरा पीट रहे हैं.

'चाचा-भतीजे का 'ठगबंधन' नहीं दे सकता नौकरी

धर्मेंद्र प्रधान का नीतीश-तेजस्वी पर हमला

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जनता पर लाठी और आंसू गैस के गोले चलवाना, जनता की आवाज उठाने वालों को सदन से निकाल देना, लाठीचार्ज और मौत ! क्या यही है नीतीश कुमार जी का सुशासन?' यह सवाल केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूछा है। बिहार के जहानाबाद के बीजेपी नेता विजय कुमार सिंह की पुलिस लाठीचार्ज में मौत हो गई। वह पार्टी की तरफ से विधानसभा के सामने शिक्षक भर्ती नीति के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। बीजेपी के हजारों कार्यकर्ता विरोध के लिए पटना पहुंचे थे। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव का इस्तीफा मांग रहे थे। इस दौरान बिहार पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज कर दिया। बीजेपी ने पार्टी नेता 55 वर्षीय विजय कुमार सिंह के परिवार के लिए 10 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया है। वह पार्टी के जहानाबाद जिला के महासचिव थे। दर्जनों कार्यकर्ता घायल हुए। एक बीजेपी सांसद जनार्धन सिंह और अशोक यादव भी प्रदर्शन में शामिल हुए थे। पुलिस लाठीचार्ज में वे भी घायल हो गए।

'चाचा-भतीजे का "ठगबंधन"

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बीजेपी नेता विजय कुमार सिंह की जान लेने वाली लाठियों को गैर-लोकतांत्रिक और निर्लज्जता की पराकाष्ठा कहा। उन्होंने 'चाचा-भतीजे' के गठबंधन को "ठगबंधन" करार दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे सिर्फ "गुंडाराज और जातिवाद" का जहर दे सकते हैं। वे शिक्षा और रोजगार नहीं दे सकते।

लाठीचार्ज में कई बीजेपी नेता घायल हुए

बिहार में शिक्षकों के 1.7 लाख पदों के लिए लाखों की संख्या में आवेदन आए हैं। डोमिसाइल के मोर्चे पर आवेदक नाराज थे। वे गुरुवार को सड़क पर उतर आए। इस विरोध-प्रदर्शन को बीजेपी ने समर्थ दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल पार्टी के कई नेता हिरासत में लिए गए। बीजेपी राज्यसभा सांसद सुशील मोदी भी हिरासत ले लिए गए थे। उन्होंने ही सबसे पहले विजय सिंह की मौत की जानकारी दी। पीएमसीएच ने मौत की पुष्टि की। बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया। पानी की बौछारें की। विजय सिंह 20 साल से बीजेपी के सदस्य हैं।

दर्जनों का पीएमसीएच में हुआ इलाज

बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने गुरुवार को जमकर लाठीचार्ज किया। पानी की बौछारें की। हालांकि, प्रदर्शनकारी नहीं रुके। लाठीचार्ज से घायल दर्जनों बीजेपी कार्यकर्ताओं का पीएमसीएच में इलाज हुआ। लगभग 50 कार्यकर्ताओं का पार्टी मुख्यालय में इलाज हुआ। जदयू प्रवक्ता का कहना है कि बीजेपी नेता विजय सिंह की मौत के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मुख्तार अंसारी के 'खिदमतगार जेलर पर गिरी गाज, बांदा जेल में माफिया को मदद पहुंचाने वाले वीरेंद्र वर्मा निलंबित

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को बांदा जेल में हर मुमकिन सुविधा उपलब्ध कराने और गैरवाजिब ढंग से सहायता पहुंचाने वाले जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा पर आखिरकार कार्रवाई हो गई है। वीरेन्द्र कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है। यह ऐक्शन डीआईजी जेल प्रयागराज की जांच रिपोर्ट के आधार पर हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, वीरेन्द्र वर्मा पर आरोप है कि वह जेल में माफिया मुख्तार अंसारी की मिलाई कराने से लेकर उसके लोगों द्वारा भेजी गई चीजों को उस तक पहुंचाने के कार्य में लगे हुए थे। बांदा जेल में जब तक उनकी तैनाती रही, वह यह कार्य करते रहे। वहीं, मुख्तार अंसारी की मुश्किलें भी अब और बढ़ सकती हैं। बुधवार को बाराबंकी के एमपी-एमएलए कोर्ट में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज केस में उसकी और उसके गुर्गों की पेशी थी। गवाही के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्तार खुद पूरी कार्यवाही पर नजर रखे हुआ था। बता दें कि, मुख्तार अंसारी 2021 से बांदा जेल में बंद है, इससे पहले वह पंजाब की जेल में बंद था। पंजाब की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर मुख़्तार अंसारी को जेल में वीवीआईपी ट्रीटमेंट देने के आरोप लगे थे। बताया गया था कि, कांग्रेस सरकार ने मुख़्तार को अपनी जेल में रोके रखने और यूपी न जाने देने के लिए महंगे वकील कर सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा भी लड़ा था।

अब उन वकीलों का भुगतान करने से पंजाब की मौजूदा भगवंत मान सरकार ने साफ़ मना कर दिया है। वकील की बकाया फीस कुल 55 लाख के आसपास बताई जा रही है। हालाँकि, यूपी की बाँदा जेल में मुख़्तार के मददगार बने वीरेंद्र वर्मा पर तो गाज गिर गई है, लेकिन पंजाब की जेल में कांग्रेस सरकार द्वारा एक माफिया को दिए गए वीआईपी ट्रीटमेंट पर क्या चर्चा होती है, ये देखने लायक होगा ?

सीमा हैदर आईएसआई के प्लान का हिस्सा मौलाना बोले-पाक महिला को वापस भेजें

बरेली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से अपने चार बच्चों के साथ भारत आईं सीमा हैदर की कहानी दोनों देशों के मीडिया में सुर्खियां बनी हुई हैं। सीमा ने सचिन से शादी करने के लिए इस्लाम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया है। अब उसी सीमा हैदर को लेकर ऑल इंडिया जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी ने कहा है कि उसे पाकिस्तान भेज दिया जाना चाहिए। बरेलवी के मुताबिक सीमा को भारत भेजा जाना वहां की खुफिया एजेंसियों की गहरी चाल हो सकती है। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिज़वी बरेलवी ने कहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बहुत ख़तरनाक प्लानिंग बनाती रहती है। अक्सर उसका निशाना भारत रहता है। आईएसआई हमेशा भारत को अस्थिर करने की साजिश रचती रहती है। आईएसआई का काम तरह-तरह के हथकंडे इस्तेमाल करना, भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर घुसपैठ कराना और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां को अंजाम देना रहता है। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिज़वी बरेलवी ने ये भी कहा है कि चार बच्चे की मां अपना मुल्क और परिवार छोड़कर भारत में इस तरह से रहने आ जाए और अपना मजहब बदलकर कम उम्र के शख्स से शादी कर ले, ये मामला इतना आसान नहीं लगता। धर्मांतरण कराकर महिला को भारत भेजना आईएसआई की डेंजर रणनीति का हिस्सा लगता है। बरेलवी ने कहा कि भारत सरकार को तुरंत सीमा को पाकिस्तान भेज देना चाहिए। अगर उसे भारत में इसी तरह से रहने दिया गया तो संभव है पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अपनी प्लानिंग में कामयाब हो सकती है। भारतीय सरकार और देश की सुरक्षा एजेंसियों को सीमा हैदर को लेकर चौकस रहना चाहिए। सीमा का इस तरह भारत आना अचम्भे में डालता है। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिज़वी बरेलवी का ये भी कहना है कि पूरे मामले में ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचिन मीणा भी गुमराह हो सकते हैं। उसे सीमा के मार्फत आईएसआई अपना मोहरा बना सकती है। इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा कि सीमा के चारों बच्चे भले ही हिंदू रीति रिवाज में रहे लेकिन वह शरीयत के मुताबिक हैदर के ही बच्चे कहे जाएंगे। इसी के साथ ऑल इंडिया जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन ने ये भी कहा कि मुसलमानों को शरीयत के खिलाफ नहीं जाना चाहिए।

बिहार में नसबंदी के बाद भी गर्भवती हो गई महिला स्वास्थ्य विभाग ने बताया क्यों हुआ ऐसा

जमुई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के जमुई जिले के झाझा प्रखंड में महिला की नसबंदी के बाद भी उसके गर्भवती होने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में महिला ने नसबंदी करवाई थी, इसके बावजूद वह जांच में 2 महीने का गर्भ पाया गया है। बता दें कि महिला के पहले से ही 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि ऑपरेशन के एक पर्सेंट फेल होने की गुंजाइश रहती है। विभाग ने कहा है कि इस मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी और इसकी जांच एक कमेटी करेगी। हैरान कर देने वाला यह मामला जिले के छापा पंचायत के कोडवाडीह के रहने वाली रेखा देवी का है। रेखा देवी पहले से ही दो पुत्रों और दो पुत्रियों की मां है। बीते वर्ष 17 नवंबर को रेफरल अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से परिवार नियोजन को लेकर शिविर लगाया गया था। इसमें रेखा देवी ने नसबंदी का ऑपरेशन करवाया और उसके बाद वह अपने घर चली गईं थी। महिला को 2 महीने पता चला कि वह फिर से गर्भवती हो गई।

यूपी में रौद्र रूप में आईं गंगा-यमुना, खतरे के निशान के करीब, बागपत-बिजनौर के गांवों में घुसा पानी

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी-उत्तराखंड समेत पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में भी दिखने लगा है। बारिश के चलते नदियां नाले उफान पर हैं, जिसके चलते मैदानी इलाकों में नदियों के आसपास के जनपदों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। बारिश की वजह से गंगा और यमुना नदी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। नदियों के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई जनपदों में यमुना और गंगा किनारे बसे जनपदों पर बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी की वजह से यमुना का जलस्तर रिकॉर्ड तोड़ बढ़ गया है। हालात भयावह हो गए हैं। मथुरा में यमुना नदी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। आज सुबह 8 बजे यमुना का जलस्तर 165.34 तक पहुंच गया है। जो खतरे के निशान से थोड़ा सा ही कम रह गया है। मथुरा में यमुना के खतरे का निशान 166.0 मीटर पर है। यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी होने से मथुरा में यमुना किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है, जिसकी वजह से आसपास के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा हैं।

बागपत में तटबंध टूटने से गांव में घुसा पानी

यमुना के बढ़े जलस्तर की वजह से बागपत में तटबंध टूट गया, जिससे दो गांवों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। किसानों के खेतों में पानी भर गया है, यहां के हालात चिंताजनक बताए जा रहे हैं। वहीं बिजनौर के भी कई गांवों में पानी घुस गया। यहां पर लगातार कटान हो रहा है, जिसे बढ़े हुए जलस्तर की वजह से रोकना मुश्किल हो गया है। बढ़े हुए जलस्तर की वजह से यहां के हालात खराब हो गए हैं।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा

प्रयागराज की बात करें तो यहां बीते 24 घंटे में फाफामऊ में गंगा नदी का जलस्तर 12 सेंटीमीटर और छतनाग में 13 सेंटीमीटर बढ़ गया है जबकि नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 20 सेंटीमीटर बढ़ा है। सुबह 8:00 बजे गंगा नदी का फाफामऊ में जलस्तर 77.85 और छतनाग में 74.41 मीटर दर्ज किया गया। जबकि सुबह 8:00 बजे यमुना नदी का नदी में जलस्तर 74.80 मीटर रिकॉर्ड किया गया। दोनों नदियों का डेंजर लेवल 84.734 मीटर है। बाढ़ के हालात को देखते हुए बाढ़ कंट्रोल रूम से लगातार 24 घंटे गंगा यमुना नदियों के बढ़ते जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। गंगा नदी में हरिद्वार बैराज से 97249 क्यूसेक, नरौरा डैम से 170574 क्यूसेक और कानपुर डैम से 106424 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। 5 दिन में यह पानी प्रयागराज पहुंचने पर गंगा और यमुना नदियां उफान पर होंगी। नाविकों को भी श्रद्धालुओं को लेकर गहरे पानी की ओर ना जाने के निर्देश दिए गए हैं। बगैर लाइफ जैकेट नावों के संचालन पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई गई है। प्रयागराज में स्नान घाटों पर डीप वाटर बैरिकेटिंग के साथ ही जल पुलिस और गोताखोर तैनात किए गए हैं। तीर्थ पुरोहित, घाटिए और दुकानदार भी सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि अभी दोनों नदियां डेंजर लेवल से काफी नीचे बह रही हैं।

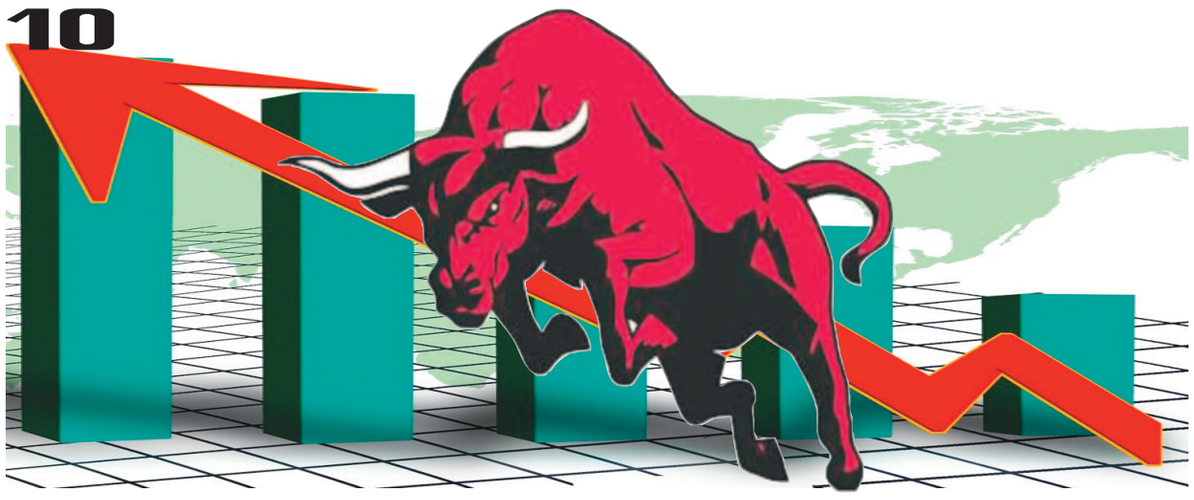

एविएशन क्षेत्र में नया दौर शुरू, सिंधिया बोले- घरेलू एयरलाइनों के पास होंगे 1500 विमान, अभी हैं 720

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश में नागर विमानन का भविष्य उज्जवल बताया बताया है। उन्होंने देश के विमानन क्षेत्र में वृद्धि की शुरुआत होने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि आने वाले दिनों में घरेलू एयरलाइनों के पास विमानों की संख्या 1500 तक पहुंच जाएगी, वर्तमान में यह 720 है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि नागर विमानन क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दे रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने एयर इंडिया समेत अन्य एयरलाइन्स की ओर से बड़ी संख्या में विमानों की खरीद के लिए दिए गए ऑर्डर का भी जिक्र किया।

नागरिक उड्डयन मंत्री बोले- एविएशन सेक्टर में भारत ऊंचा लक्ष्य लेकर चल रहा

दिल्ली हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवेज (ईसीटी) के उद्घाटन से पहले मंत्री ने कहा, "भारत ऊंचा लक्ष्य लेकर चल रहा है... , यह (नागर विमानन क्षेत्र के) विकास के चरण की शुरुआत है। सिंधिया ने यह भी कहा कि उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डायल से अक्टूबर तक चौथा टर्मिनल तैयार करने को कहा है। जीएमआर समूह के समूह अध्यक्ष जीएम राव ने कहा कि ईसीटी और चौथे रनवे से परिचालन दक्षता बढ़ाने और क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वह हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईसीटी के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे।

थोक महंगाई से बड़ी राहत,8 साल के निचले स्तर -4.12 फीसदी पर आई

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जून में थोक महंगाई दर में बड़ी राहत मिली है और ये घटकर 8 सालों के निचले स्तर पर आ गई है। जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है। इससे पिछले महीने यानी मई में थोक महंगाई दर -3 ।8 फीसदी पर रही थी। ये लगातार तीसरा महीना है जब होलसेल महंगाई दर निगेटिव में आई है। इसके 8 साल के निचले स्तर पर जाने के बाद महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत मिलती दिखाई दे सकती है।

क्यों आई महंगाई दर में गिरावट

वाणिज्य मंत्रालय से आए इस आंकड़े में बताया गया है कि किन आर्टिकल्स की महंगाई दर में गिरावट देखी गई है। इसमें मुख्य रूप से मिनरल ऑयल, खाने-पीने की वस्तुओं, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नैचुरल गैस के दामों में गिरावट आई है। इसके

अलावा टेक्सटाइल के दाम भी निचले स्तर पर गए हैं जिसका असर महंगाई दर के कम होने के रूप में देखा जा रहा है।

खाद्य महंगाई दर कितनी रही

देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में भी गिरावट आई है और ये जून में घटकर 1.24 फीसदी पर आ गई है जो कि मई में 1.59 फीसदी पर रही थी।

फ्यूल और पावर सेगमेंट की होलसेल महंगाई दर कितनी रही

फ्यूल और पावर सेगमेंट की महंगाई दर में भी गिरावट देखी गई है और ये जून में घटकर -12.63 फीसदी पर आई है।

प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर कितनी रही

प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर घटकर 2.87 फीसदी पर रही है।

मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई दर

मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई दर जून में घटकर -2.71 फीसदी पर आ गई है जो कि मई में -2.97 फीसदी पर रही थी।

लगातार तीसरे महीने शून्य से नीचे रही थोक महंगाई दर

यह लगातार तीसरा महीना है जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर शून्य से नीचे है। अप्रैल में यह -0.92 फीसदी पर थी और मई में यह -3.8 फीसदी पर आई थी। जबकि जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है।

ऑनलाइन गेमिंग कराएगी सरकार को तगड़ा फायदा

इस फैसले से खजाने में आएंगे 20 हजार करोड़

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेम खेलने के शौकीनों को सरकार ने हाल ही में तगड़ा झटका दिया है। नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के तहत निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई जीएसटी काउंसिल ने ऑनलाइन गेम पर 28 फीसदी की दर से टैक्स वसूलने का निर्णय लिया है। इससे ऑनलाइन गेम के शौकीनों को अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे, जबकि सरकार को मोटी कमाई होने वाली है।

अभी इतनी हो रही कमाई

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा के हवाले से कहा गया है कि ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगने पर सरकार को करीब 20 हजार

करोड़ रुपये की कमाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि अभी ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री 2-3 फीसदी की दर से टैक्स दे रही है, जो सबसे निचले स्लैब 5 फीसदी से भी कम है। इसके बाद भी सरकार को 1,700 करोड़ रुपये की रेवेन्यू मिली है। ऐसे में अगर टैक्स की दर बढ़कर 28 फीसदी होती है, तो कुल राजस्व संग्रह भी कई गुणा बढ़ना तय है।

इस बैठक में हुआ ये अहम फैसला

जीएसटी काउंसिल ने मंगलवार को अपनी 50वीं बैठक में ऑनलाइन गेम, कसीनो और हॉर्स-रेसिंग यानी घुड़-दौड़ पर टैक्स को लेकर फैसला लिया। अब ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और हॉर्स-रेसिंग पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी जीएसटी लगेगा। यह टैक्स दांव पर लगाई जानी वाली पूरी रकम पर लगेगा। इसी तरह, कसीनो के मामले में खरीदे गए चिप की वैल्यू पर टैक्स लगेगा। यह टैक्स ऑनलाइन गेम खिलाने वाली कंपनियों को भरना होगा। हालांकि ऐसे मामलों में कंपनियां टैक्स ग्राहकों से ही वसूल करती हैं।

हारे या जीते, देना होगा टैक्स

सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम के चेयरमैन विवेक जौहरी ने स्पष्ट किया है कि 28 फीसदी की यह दर हर बार बेट यानी दांव लगाने पर लागू होगी। इसका हार-जीत से कोई लेना-देना नहीं है। इसका मतलब है कि आप हारे या जीते दोनों ही मामले में टैक्स भरना होगा। वहीं जीती गई रकम पर अलग से इनकम टैक्स का नियम लागू होगा।

अब गेम के प्रकार से नहीं पड़ेगा फर्क

इससे पहले ऑनलाइन गेम के प्रकार के हिसाब से टैक्स को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। हालांकि अब साफ कर दिया गया है कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को टैक्स लगाते हुए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि यह कौशल आधारित खेल है या संयोग आधारित खेल है। दोनों तरह के खेलों पर 28 फीसदी जीएसटी ही लगेगा।

कोयला घोटाला केस : सीबीआई कोर्ट ने एनर्जी कंपनी और 6 अन्य को दोषी माना

सजा पर 18 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले के सभी 7 आरोपियों को दोषी ठहरा दिया। इनमें जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, कंपनी के मैनेजमेंट से जुड़े 3 व्यक्ति, पूर्व कोयला सचिव और दो अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। स्पेशल जस्टिस संजय बंसल ने इन्हें आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी करने का दोषी पाया। वहीं, आईपीसी की धारा 409 के आरोपों में सभी

को बरी कर दिया। दोषियों की सजा तय करने के लिए 18 जुलाई को सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक गलत फैक्ट्स पेश करके हासिल किया था। जांच एजेंसी ने बताया कि कोयला घोटाले से जुड़े मामलों में यह 13वीं दोषसिद्धि है।

क्या है कोयला घोटाला

जेएलडी यवतमाल कंपनी को छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक आवंटित किया गया था। यह आवंटन कंपनी के मालिक की सिफारिश पर हुआ था।

विपक्षी दलों ने मामले में अनियमितताओं का आरोप लगाया, जिसके बाद सीबीआई को इसकी जांच सौंप दी गई। एजेंसी के मुताबिक, जेएलडी यवतमाल समूह की कंपनियों को साल 1995 से 2005 के बीच चार कोल ब्लॉक आवंटन की बात छिपाई गई थी।

सोना खरीदने में की देरी तो पड़ जाएगा पछताना

गोल्ड-सिल्वर के रेट में हुआ है ये बड़ा बदलाव, देखें लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी के रेट में लगातार बदलाव आ रहा है। पिछले सप्ताह गिरावट के बाद अब सोने-चांदी के दाम चढ़ रहे हैं। आज भी गोल्ड-सिल्वर के रेट में तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सुबह सोने और चांदी के दाम बढ़त के साथ खुले हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार की सुबह 4 अगस्त 2023 को डिलीवरी वाला सोना बढ़त के साथ 59264 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह गुरुवार की शाम को 59239 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अक्टूबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना उछाल के साथ 59720 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह बीते गुरुवार की शाम को 59696 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

चांदी के भाव उछले

सोने में तेजी के बीच चांदी के भाव भी बढ़ गए हैं। चांदी की कीमतों में शुक्रवार की सुबह तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार की सुबह 5 सितंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 75480 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव बढ़त के साथ 76988 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला है।

सोने का वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में शुक्रवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.20 फीसदी या 3.90 डॉलर की गिरावट के साथ 1959.90 डॉलर

प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.26 फीसदी या 5.18 डॉलर की गिरावट के साथ 1955.33 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव

कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में शुक्रवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर शुक्रवार की सुबह चांदी 0.08 फीसदी या 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 24.93 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी गिरावट के साथ 24.71 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

गोल्ड और सिल्वर के रेट में लगातार उछाल देखा जा रहा है। पिछले महीनों में सोने के भाव काफी गिरे हैं।

सोना 58 हजार रुपये के करीब बना हुआ था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने की कीमतों में आने वाले समय में और तेजी देखने को मिल सकती है। सोना 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है।

चावल निर्यात पर रोक लगा सकता है केंद्र, चुनावों से पहले महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू बाजार में कीमतें थामने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक भारत ज्यादातर किस्मों के चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो अल-नीनो प्रभाव के कारण खाद्य महंगाई से पहले से ही जूझ रहे दुनियाभर के देशों में चावल की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। वैश्विक चावल निर्यात में भारत की 40 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार सभी गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की योजना पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी इस संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार विधानसभा चुनावों और उसके बाद अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले देश में अधिक महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है। इसके अलावा, खराब मौसम की वजह से प्रमुख उत्पादक राज्यों में चावल की बुवाई पर असर पड़ा है। इसलिए, गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार चल रहा है। उधर, बुधवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खुदरा महंगाई बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 4.81 फीसदी पर पहुंच गई है।

प्रभावित होगा 80% निर्यात

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गैर-बासमती चावल के निर्यात पर पाबंदी लगाने के सरकार के फैसले भारत के करीब 80 फीसदी चावल निर्यात पर असर पड़ सकता है। चावल दुनिया की लगभग आधी आबादी का मुख्य भोजन है। एशिया में वैश्विक आपूर्ति का करीब 90 फीसदी चावल उपभोग के लिए इस्तेमाल होता है।

वैश्विक बाजार में दाम 11 साल के शीर्ष पर

अल-नीनो प्रभाव के कारण सूखा पड़ने की आशंका से आयातकों ने आक्रामक तरीके से भंडार बढ़ाना शुरू कर दिया है। वैश्विक बाजार में चावल के दाम 11 साल के शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

300 रुपये किलो तक पहुंच सकता है टमाटर

टमाटर की लगातार बढ़ रही कीमतों में फिलहाल गिरावट की कोई उम्मीद है।

टैक्सपेयर ध्यान दें, अगर आईटीआर में नहीं बताई ये बातें तो लग सकता है 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर रिटर्न यानी इनकम टैक्स रिटर्न भरने का समय चल रहा है। ऐसे में कमाई दिखाने और उस पर टैक्स भरने का वक्त है। लोगों की कई तरीके से आमदनी होती है। कुछ लोग देश में रहकर कमाते हैं और कुछ विदेश में नौकरी करके पैसे कमाते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं, जो कुछ समय भारत में नौकरी करते हैं और अच्छा ऑफर मिलने पर विदेश चले जाते हैं। उनके सामने समस्या होती है कि उन्हें इनकम टैक्स भरना है या नहीं, अगर भरना है तो कैसे भरना है, किन बातों का ध्यान रखना है? अगर किसी वित्त वर्ष में आप 182 दिन तक देश (भारत) में रहते हैं तो आपको रेजिडेंट माना जाता है। रेजिडेंट इंडियन की ग्लोबल इनकम यानी दुनियाभर में की गई कमाई टैक्स के दायरे में आती है। अगर आप भारतीय नागरिक हैं तो आपकी देश और विदेश दोनों जगह कमाई कर योग्य होगी। भारत में नौकरी करने वाले व्यक्ति के समान ही आयकर दरें लागू होंगी।

ऐसे कर सकते हैं रिपोर्ट

विदेश में मिली सैलरी को इनकम फ्रम सैलरी हेड में दिखाना होगा। फॉरेन करेंसी में मिली सैलरी को आपको रुपये में कन्वर्ट करना होगा। इम्प्लॉयर की डिटेल देनी होगी। अगर इस सैलरी पर किसी तरह का टैक्स कटा है तो आपको इसको रिटर्न में दिखाकर टैक्स क्रेडिट क्लेम कर सकते हैं। डबल टैक्सेशन अवॉइडंस एग्रीमेंट का फायदा लेकर आप दोहरे टैक्स से बच सकते हैं। अगर आप जिस देश में नौकरी कर रहे हैं उसके साथ डीटीएए नहीं है तो सेक्शन 91 के तहत राहत ली जा सकती है।

मिल सकता है इनकम टैक्स नोटिस

देश में मिले डिडक्शन और एग्जम्पशन के मामले में टैक्स छूट ले सकते हैं। अगर आपने 80सी या 80डी के तहत कोई निवेश किया है तो टैक्स छूट ले सकते हैं। विदेश में मिली छूट का इस्तेमाल आप यहां नहीं पर पाएंगे। विदेश में कमाई होने पर आपको आयकर रिटर्न में एफए यानी फॉरेन एसेट की जानकारी देनी होती है। विदेश में कोई संपत्ति या बैंक अकाउंट होने पर इसकी ठीक-ठाक जानकारी आयकर विभाग को जरूर दें। ऐसा नहीं करने पर आपको डिस्क्लोजर का नोटिस आ सकता है।

आईटी शेयरों में दिखी बंपर तेजी, नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे सेंसेक्स-निफ्टी

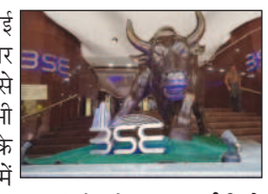

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से दिख रही तेजी आज भी बरकरार रही। सप्ताह के अंतिम दिन के कारोबार में आईटी शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। इसके दम पर दोनों प्रमुख घरेलू सूचकांकों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने नया रिकॉर्ड बना दिया।

इस स्तर पर पहुंचा बाजार

कारोबार समाप्त होने के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 502 अंक यानी 0.77 फीसदी की बढ़त के साथ 66,060.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने आज के कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ 65,775.49 अंक पर की। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 65,558.89 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान यह एक समय 66,159.79 अंक तक पहुंचा, जो इसका अब तक का नया सबसे ऊंचा स्तर है।

निफ्टी ने भी बनाया रिकॉर्ड

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी करीब 151 अंक यानी 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ 19,564 अंक के पार बंद हुआ। गुरुवार को यह 19,413.75 अंक पर रहा था। आज के कारोबार में निफ्टी एक समय 19,595.35 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा, जो निफ्टी का नया ऑल टाइम हाई लेवल भी है।

आईटी शेयरों में आई ऐसी तेजी

आज के कारोबार में सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से सिर्फ 10 को नुकसान उठाना पड़ा, जबकि 20 कंपनियों के शेयर मजबूत होकर बंद हुए। बाजार की रैली की अगुवाई आज आईटी शेयरों के हाथों में रही। सेंसेक्स पर देखें तो टीसीएस का शेयर सबसे ज्यादा करीब 5.15 फीसदी मजबूत हुआ। इसी तरह टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो जैसे बड़े आईटी शेयरों में भी 4.50 फीसदी तक की तेजी रही। सेंसेक्स पर सबसे ज्यादा फायदे में रहने वाली पांचों कंपनियां आईटी सेक्टर की रहीं। आईटी कंपनियों को शानदार तिमाही नतीजे से मिदद मिली है।

इन शेयरों को आज हुआ नुकसान

वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा को सबसे ज्यादा करीब 1.35 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ा। पावरग्रिड कॉरपोरेशन को भी 1 फीसदी से ज्यादा नुकसान हुआ। बाजार की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज मामूली नुकसान में रही।

दैनिक पंचांग

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-52** सूर्य अस्त- **18-50**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - **20 -32** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - प्र.श्रावण कृष्ण पक्ष , शनिवार **July 15**
नक्षत्र - मृगशिरा - **00- 22** - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - वृद्धि - **08 - 20** - तक उप ध्रुव
करण- गर - **07 -52** - तक उप- वणिज
विशेष:- शनि प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - मास शिवरात्रि

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	00-03 बजे
चंद्र-	वृषभ में	वृष--	01-48 बजे
मंगल	सिंह में	मिथुन..	03-49 बजे
बुध-	कर्क में	कर्क...	06-01 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	08-13 बजे
शुक्र-	सिंह में	कन्या..	10-20 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	12-25 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	14-35 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	16-48 बजे
		मकर..	18-55 बजे
		कुंभ...	20-46 बजे
		मीन..	22-24 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:07 से 10:44 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	05:52 - 07:29 अशुभ	लाभ.	18:50 - 20:15 शुभ
शुभ.	07:29 - 09:07 शुभ	उत्पात	20:15 - 21:38 अशुभ
रोग	09:07 - 10:44 अशुभ	शुभ	21:38 - 22:59 शुभ
उत्पात	10:44 - 12:22 अशुभ	अमृत	22:59 - 00:22 शुभ
चंचल	12:22 - 13:59 शुभ	चंचल	00:22 - 01:44 शुभ
लाभ	13:59 - 15:38 शुभ	रोग	01:44 - 03:07 अशुभ
अमृत	15:38 - 17:15 शुभ	काल	03:07 - 04:29 अशुभ
काल	17:15 - 18:50 अशुभ	लाभ	04:29 - 05:52 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है ।आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है ।अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें ।कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ़ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राम पहले कांवड़िए थे या रावण

140 किलो गंगाजल लेकर लौट रहे शिव भक्त, टॉयलेट भी नहीं जा सकते डाक कांवड़िया

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सावन का महीना है। पूरे देश में कांवड़िए गंगा जल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने निकल पड़े हैं। रात के दो बजे भी दिल्ली-हरिद्वार मार्ग पर रेंग-रेंगकर वाहन चल रहे हैं। कान फोड़ू डीजे दिल की धड़कन बढ़ा रहे हैं। शिव शंकर भोले नाथ के गीतों पर भगवा पहने युवा मस्ती में जगह-जगह थिरक रहे हैं। एक के पीछे एक झांकी सटी है। कुछ-कुछ दूरी पर डीजे बज रहे हैं। डीजे के मंच से निकल रही बैंगनी, लाल, हरी, नीली रोशनी आसमान को भी रंगीन कर रही है।

दिल्ली-हरिद्वार हाईवे का एक हिस्सा कांवड़ियों के लिए रिजर्व है। इसलिए एक ही सड़क पर दोनों तरफ से वाहन आ-जा रहे हैं। रात में वाहनों की रोशनी आंखों को धुंधला कर रही है इसलिए भी सब धीमी गति से चल रहे हैं।

बारिश तो मानो कह रही है कि आज मैं ही मैं। एक सेकेंड के लिए भी वो नहीं रुकी। हर की पौड़ी में बारिश की वजह से जलजमाव इतना है कि पानी के अंदर पांव दिखाई नहीं दे रहे हैं। ऐसे में इस बात का भी डर लग रहा है कि कहीं कोई गहरा गड्ढा न हो।

हरिद्वार पहुंचने वाले कांवड़िए दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान से आए हैं। यहां मेरठ से आए बलीश कांवड़ बांध रहे हैं। गंगाजल भरे कांवड़ को उठाने के लिए उसमें रस्सियां और बेंत को दुरुस्त कर रहे हैं। यहां जिधर देखो कांवड़िए ही नजर आ रहे हैं।

गंगा में डुबकी लगाकर, गंगा का पानी कांवड़ में भरकर, कांवड़ सजाकर, पूजा पाठ करके यहां से कांवड़िए अपने-अपने गांव-घर की तरफ जा रहे हैं। अपनी क्षमता के अनुसार सभी ने गंगाजल उठाया है। गाजियाबाद के तरुण चौधरी सौ किलो जल लेकर जा रहे हैं। कहते हैं कि कोई मन्नत तो नहीं है, लेकिन भोले ने इतना दिया है कि लगा कि मुझे भी उन्हें कुछ तो लौटाना चाहिए।

घाट पर खड़े होने की जगह नहीं। महिलाएं भी कांवड़ उठाकर मर्दों के साथ कदमताल कर रही हैं। हालांकि जिससे भी पूछो कि इतना भार उठाकर चलने में दिक्कत तो नहीं हो रही। हर किसी का कहना है कि भोले ने इसके लिए ताकत दी है।

डाक बम कांवड़िए को जल लेने के बाद लगातार चलते हुए अपनी यात्रा पूरी करनी होती है। अगर वो रास्ते में रुक गए तो कांवड़ यात्रा अपूर्ण और खंडित मानी जाती है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं वर्जित होती हैं। इसका मतलब यह कि टॉयलेट भी नहीं जा सकते डाक कांवड़िया। वहीं खड़ी कांवड़ के दौरान कांवड़िए की मदद के लिए कोई न कोई होता है। जब वह आराम करते हैं, तब उनका सहयोगी अपने कंधों पर कांवड़ को लेकर चलते हैं।

आकाश त्यागी दिल्ली के बुराड़ी के रहने वाले हैं। वो दिल्ली से हरिद्वार पैदल ही पहुंचे थे और 140 किलो जल लेकर वापस पैदल दिल्ली जा रहे हैं। आकाश बताते हैं, 'पिछले साल 51 किलो जल लेकर आए थे। यह सब बस श्रद्धा की बात है। शरीर की शक्ति पर आस्था भारी है।'

दिल्ली के जहांगीर पुरी के रहने

वाले सन्नी भी 100 किलो जल लेकर चल रहे हैं। वो कहते हैं, 'मैंने अपने माता-पिता की हेल्थ के लिए दुआ मांगी थी।

भोले नाथ की कृपा से उनकी सेहत अच्छी है। कांवड़ इसलिए उठा रहा हूं ताकि वो हमेशा स्वस्थ रहें।' सोहनलाल हरियाणा से हरिद्वार आए हैं। चार महीने पहले उनके भाई का एक्सीडेंट हो गया था। भाई के बचने की उम्मीद कम थी। सोहनलाल ने मन्नत मांगी कि अगर भाई पर से खतरा टल जाता है तो पांच साल वो कांवड़ लेकर आएंगे।

कांवड़ियों के इतिहास को लेकर भी कई कहानियां हैं, लेकिन काशी विश्वविद्यालय के एस्ट्रोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी गिरिजाशंकर शास्त्री बताते हैं कि पुराणों में कहीं कांवड़ का जिक्र नहीं है। लोगों ने अपने-अपने अनुसार इसकी कहानियां बना ली हैं। इसमें बस एक ही पुख्ता कहानी है- श्रवण कुमार की। कांवड़ में श्रवण कुमार अपने माता-पिता को हरिद्वार ले गए थे। फिर वहां से जल लेकर शिव का जलाभिषेक किया था। तब से देखा-देखी कांवड़ का चलन हो गया।

गिरिजाशंकर शास्त्री का कहना है कि बहुत से लोग रावण को पहला कांवड़िया बताते हैं। कहा जाता है- समुद्र मंथन के वक्त जब भगवान शिव ने मंथन के दौरान विष पिया था तो भगवान शिव का गला नीला हो गया था। तब उन्हें नकारात्मक शक्तियों ने घेर लिया था। तब रावण ने महादेव को नकारात्मक शक्तियों से मुक्त करवाने के लिए गंगाजल भरकर पुरा महादेव का अभिषेक किया था।

समुद्र मंथन से जुड़ी एक और मान्यता है। वो यह कि इस दौरान जब महादेव ने विषपान कर लिया था, तब विष के प्रभावों को दूर करने के लिए भगवान शिव पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया गया था। सभी देवता मिलकर गंगाजल लेकर आए और भगवान शिव पर अर्पित कर दिया। उस समय सावन का महीना था। तब से कांवड़ प्रथा की शुरुआत हुई।

सनातन धर्म मंदिर के पुजारी आचार्य तिलक मणि कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पहली मान्यता यह है कि भगवान परशुराम गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर आए थे। इससे उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास पुरा महादेव का जलाभिषेक किया। इसी के बाद से कांवड़ यात्रा की शुरुआत हुई थी।'

पंडित तिलक कहते हैं कि एक मान्यता यह भी है कि भगवान राम पहले कांवड़िए थे। सावन के दिनों में भगवान राम ने बिहार के सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर देवघर स्थित बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था।'

व्यवस्था के नाम पर बात करें तो बेशक कांवड़ियों के लिए गाजियाबाद से लेकर हरिद्वार तक रास्ते में लंगर, नहाने और रहने की सारी व्यवस्था है, लेकिन हरिद्वार में भीड़ को संभालने की कोई खास व्यवस्था नहीं दिखी। अगर किसी को कुछ हो जाए तो उसे बचाने का कोई रास्ता नहीं है। इन दिनों सारी सड़कें, व्यवस्था, इंतजाम, सरकारी अमला सिर्फ कांवड़ के लिए है। धर्म के साथ-साथ बीते सालों की अपेक्षा कांवड़ का अपना एक बाजार हो गया है। डिजाइनर टी शर्ट्स, कांवड़ सजाने का सामान, झांकियों का सामान, कलश सब बिक रहे हैं।

बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड के देवघर जाने वाले कांवड़ के रास्ते में दस साल पहले बीहड़ और कंकड़-पत्थर हुआ करते थे। इक्का-दुक्का कोई होटल होता था। आज माहौल यह है कि फाइव स्टार से लेकर थ्री स्टार तक अनगिनत होटल हो गए हैं। भोले बाबा को प्रसाद के तौर पर चढ़ाने वाले पेड़े की दस साल पहले दस दुकानें थी। आज हजारों दुकानें हैं। प्रसाद, कपड़े, ढाबे, चाय के ठेले, सब्जी-भाजी, होटल, धर्मशाला सब मिलाकर साल का करोड़ों रुपए का कारोबार हो चुका है। कांवड़ यात्रा एक बड़े उद्योग में तब्दील हो चुकी है। उसकी एक वजह यह है कि बीते सालों में राजनीति और समाज ने भी कांवड़ को प्रोत्साहित किया है।

हरिद्वार के अलावा यहां से निकलती है कांवड़ यात्रा

नर्मदा से महाकाल
गंगा से नीलकंठ महादेव
गंगा से बैधनाथधाम
गोदावरी से त्र्यंबकेश्वर
गंगा से केदारेश्वर

प्रेमसाय सिंह टेकाम को कैबिनेट मंत्री का दर्जा

राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष बनाए गए ताम्रध्वज को मिल सकता है कृषि विभाग

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। प्रेमसाय सिंह टेकाम को राज्य योजना आयोग का अध्यक्ष बनाकर कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। मरकाम के शपथ ग्रहण के बाद सीएम हाउस में मंत्रियों की एक बैठक रखी गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ये बैठक ली है, जिसमें मंत्री रविन्द्र चौबे, मंत्री ताम्रध्वज साहू, मोहम्मद अकबर, गुरु रूद्रकुमार, शिव डहरिया और कवासी लखमा मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि विभागों के फेरबदल को लेकर मुख्य रूप से चर्चा हुई है।

सूत्रों के मुताबिक मंत्री रविन्द्र चौबे के स्वास्थ्यगत कारणों की वजह से उनकी जिम्मेदारी कम की जा सकती है और ताम्रध्वज साहू को कृषि विभाग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके साथ ही मोहन मरकाम को स्कूल शिक्षा विभाग के साथ सहकारिता विभाग भी दिया जा सकता है। इसके अलावा डिप्टी सीएम बनाए जाने के बाद संभव है कि टीएस सिंहदेव को भी किसी नए विभाग की जिम्मेदारी दी जाए।

डिप्टी सीएम और अमरजीत नहीं पहुंचे

जानकारी के मुबातिक डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और मंत्री अमरजीत भगत इस वक्त राजधानी से बाहर हैं, इसलिए दोनों ही इस बैठक में शामिल नहीं हुए हालांकि दोनों को बैठक में हुए फैसले की सूचना भेज दी गई है। जानकारी के मुताबिक मंत्रियों के नए विभागों को लेकर शाम तक नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है।

ताम्रध्वज ने कहा राजभवन चिट्ठी भेजी जा चुकी है

सीएम हाउस में हुई बैठक के बाद ताम्रध्वज साहू ने बताया कि सीएम हाउस से चिट्ठी राजभवन भेजी जा चुकी है कि मोहन मरकाम को क्या विभाग मिलेगा। हालांकि खुद को कृषि विभाग मिलने के सवाल को ताम्रध्वज ने ये कहकर टाल दिया कि आपके मुंह में घी शक्कर।

मोहन मरकाम ने ली मंत्री पद की शपथ

राजभवन में राज्यपाल ने दिलाई शपथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी बधाई

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजभवन में मोहन मरकाम ने मंत्री पद की शपथ ले ली है। राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में सीएम भूपेश बघेल के साथ मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी मौजूद रहे। राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ।

ये किस तरह का फेरबदल है, चुनाव को 4 महीने पहले ऐसा फैसला क्यों?

हाईकमान समय-समय पर किस नेता की कहां उपयोगिता है इसे देखता है और वहां ड्यूटी देती है। मेरा कार्यकाल पूरा हो गया था, तीन साल का कार्यकाल था और मैंने एक साल अतिरिक्त काम किया और इस बीच संगठन को मजबूती देने का काम किया।

राष्ट्रीय अधिवेशन हम पहली बार छत्तीसगढ़ में आयोजित करने में सफल रहे। साढ़े 19 लाख मैंबरशिप किए, पांचों उपचुनाव जीते, 14 नगर निगम जीते और हर चुनाव में जीत हासिल की। अब बस्तर के ऊर्जावान सांसद दीपक बैज को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बागडोर सौंपी है। हम सब मिलकर सारे कार्यकर्ता एकजुटता के साथ काम करेंगे। और 2023 में सरकार बनाने में सफल होंगे।

क्या इस फैसले के बारे में आपको पहले पता चला था?

कल हाईकमान ने बता दिया था कि आपको प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाकर दूसरी जिम्मेदारी दे रहे हैं। हालांकि दूसरी जिम्मेदारी क्या है ये नहीं बताया गया था। लेकिन आज पता चला कि मंत्रिमंडल, सरकार में काम करने का मुझे मौका मिलेगा।

संगठन में मैंने 4 साल काम किया, अब सरकार में भी जनता की सेवा करने का मौका मिला है। मैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत सभी वरिष्ठ नेताओं को धन्यवाद देता हूं।

चुनाव में चार महीने का वक्त है, और अब आप कैसे काम करेंगे?

हमारे लिए 1 या 2 दिन भी पर्याप्त है, काम को काम की तरह करें तो बहुत सी संभावनाएं रहती है। हम कोशिश करेंगे की 4 महीने के कार्यकाल में भी अपनी पहचान बनाएं।

सत्ता और संगठन में बैलेंस करने के लिए आपको मंत्री बनाया गया?

कोई खींचतान नहीं है। अगर खींचतान रहती तो हम कोई भी चुनाव नहीं जीतते। सत्ता और संगठन में तालमेल के साथ लगातार हमने काम किया है। इसलिए हम सभी चुनाव जीतने में सफल हुए। सीएम भूपेश बघेल की सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और योजनाओं को भी कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया। यही हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षाकर्मी से लेकर अब तक के अपने सफर पर क्या कहेंगे?

कांग्रेस में प्रवेश तो मैंने 1990 में ही कर लिया था। जब मैं कक्षा 12 में था, तब शहीद महेन्द्र कर्मा के सानिध्य में मैंने कांग्रेस पार्टी जॉइन की, और तब से हम लगातार काम करते रहे। हम चुनौतियों को भी चुनौती की तरह लेंगे और हर काम में सफल होंगे।

धनेन्द्र साहू को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है?

मोहन मरकाम का जन्म एक किसान परिवार में कोंडागांव जिले के टेंडमुण्डा गांव में 15 सितंबर 1967 हुआ था। उनके पिता भीखराय मरकाम एक किसान थे। मरकाम ने शासकीय सेवा के रूप में शिक्षाकर्मी वर्ग 1 व शिक्षाकर्मी वर्ग 2 के रूप में भी काम किया। इसके अलावा उन्होंने कुछ दिनों तक भारतीय जीवन बीमा निगम में विकास अधिकारी और भारतीय स्टेट बैंक लाइफ में सीनियर एजेंन्सी मैनेजर के रूप में भी काम किया। लेकिन राजनीति में आने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी।

छत्तीसगढ़ के शिव मंदिर में तोड़फोड़

शिवलिंग सहित स्थापित कई मूर्तियां तोड़ी, अंदर रखा सामान भी किया चोरी

कोरबा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में गुरुवार देर रात कुछ लोगों ने शिव मंदिर में तोड़फोड़ कर दी। मंदिर का ताला तोड़कर घुसे बदमाशों ने अंदर स्थापित शिवलिंग सहित कई मूर्तियों को खंडित कर दिया। इसके साथ ही वहां रखा सारा सामान भी चोरी कर ले गए। घटना का पता लोगों को शुक्रवार सुबह चला। इसके बाद हंगामा मच गया है। सावन माह में शिव मंदिर में हुई तोड़फोड़ ने लोगों को आक्रोशित कर दिया है। खास बात यह है कि मंदिर रेलवे स्टेशन के सामने है। इसके बाद भी वारदात का पता नहीं चला। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के सामने वर्षों पुरान शिव मंदिर है। यहां पर रेलवे कॉलोनी सहित आसपास के लोग रोज पूजा-अर्चना करने के लिए जाते हैं। शुक्रवार सुबह भी जब लोग पूजा करने के लिए पहुंचे तो देखा कि मंदिर के गेट पर लगा ताला टूटा हुआ था। इस पर वे अंदर गए तो शिवलिंग सहित वहां लगी नंदी की प्रतिमा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा में तोड़फोड़ की गई थी। वहां रखा सारा सामान त्रिशूल, पूजन सामग्री, भगवान के गहने सब गायब थे। श्रद्धालुओं का कहना कि यह पूजा घर काफी साल पुराना है, जिसे लेकर उनकी गहरी आस्था जुड़ी हुई है। रेलवे स्टेशन के सामने लोगों की आवाजाही होने के बावजूद भी चोरों ने वारदात का अंजाम दिया है।

सावन के इस पवित्र महीने में इस तरह की घटना काफी निंदनीय है। लोगों ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जल्द आरोपियों के नहीं पकड़े जाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर रहे हैं।

निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम पर दर्ज होगा केस

आय से अधिक संपत्ति और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज होगा, सीएम ने दी अनुमति

रांची, 14 जुलाई (एजेंसियां)। 125 करोड़ की अवैध संपत्ति अर्जित करने और करप्शन के मामले में निलंबित ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम पर अब एसीबी में केस दर्ज होगा। यह केस आय से अधिक संपत्ति और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत दर्ज किया जाएगा। सीएम हेमंत सोरेन ने इसपर अपनी सहमति दे दी है। वहीं इंजीनियर वीरेंद्र राम के पैटरनल विभाग जल संसाधन ने ईडी की ओर से सरकार को जो रिपोर्ट दी गयी है,उसके बाद से आदेश जारी किया है। केस दर्ज करने से संबंधित पत्र मंत्रिमंडल, निगरानी व सचिवालय विभाग को भेज दिया है। विधि विभाग ने भी सहमति दे दी है।

अब एसीबी क्यों दर्ज कर रहा केस

दरअसल 15 नवंबर 2019 को सुरेश वर्मा नाम के इंजीनियर

घूसखोरी के आरोप में पकड़ाए थे। उनके किराए के मकान से 2.67 करोड़ कैश मिले थे। एसीबी इस कार्रवाई के दौरान उन्होंने बताया था कि ये पैसे वीरेंद्र राम के हैं। लेकिन उस समय एसीबी ने वीरेंद्र को आरोपी नहीं बनाया था। जब ईडी की कार्रवाई में करप्शन के स्तर का खुलासा हुआ तब एसीबी ने इसी केस में वीरेंद्र को आय से अधिक संपत्ति का आरोपी बनाने का फैसला लिया। चूंकि यह मामला कोर्ट में ट्रायल फेज में था तो कोर्ट ने मेंटेनेबल नहीं माना। कोर्ट ने तब अपने निर्देश में एसीबी को कहा था कि वे चाहे तो अलग से एफआईआर करा सकती है।

21 फरवरी को ईडी ने मारा था छापा

21 फरवरी को इसी साल ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के 24 ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान वीरेंद्र राम द्वारा बनाई गई कंपनियों के अलावा 100 करोड़ की संपत्ति का पता चला था। छापामारी के दौरान डेढ़ करोड़ रुपए के जेवरात और करीब 30 लाख नगद मिले थे।

ईडी ने वीरेंद्र राम के पारिवारिक सदस्यों, उनके दिल्ली स्थित सीए मुकेश मित्तल के पारिवारिक सदस्यों, ठेकेदार अतीकउल्लाह अंसारी और आलोक रंजन के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

बीजेपी नेता का अपहरण

समाज सेविका के बेटे ने किया कांड, पिस्टल दिखाई पीटा और 5 लाख देने को कहा, अब गिरफ्तार

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में बीजेपी युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मनीष साहू का रुपए की वसूली को लेकर अपहरण हो गया। बदमाशों ने एक फार्म हाउस में ले जाकर उसे जमकर पीटा। गन दिखाई, पिस्टल के पिछले हिस्से से भी पिटाई की। अपहरण कांड और मारपीट करने वाले बदमाश हर्षवर्धन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला रायपुर के टिकरापारा थाना इलाके का है। पुलिस के पास मामला पहुंचते ही थाने में हाई प्रोफाइल ड्रामा हुआ। कई नामचीन लोग इस प्रकरण को दबाने का प्रयास करते रहे। मामले का आरोपी हर्षवर्धन शहर की समाजसेवी का ममता शर्मा का बेटा है। इससे पहले भी आपराधिक मामलों में गिरफ्तार हो चुका है।

कोयले पर रॉयल्टी बढ़े, अतिरिक्त अनाज भी मिले

नीति आयोग की टीम के साथ बैठक में सीएम ने की डिमांड

रांची, 14 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीति आयोग की एक टीम के साथ बैठक में कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने की मांग की। बैठक में उन्होंने भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा जारी करने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह विभिन्न कोयला कंपनियों के पास लंबित है। नीति आयोग के सदस्य विनोद कुमार पॉल के नेतृत्व में आयोग की आठ सदस्यीय टीम विभिन्न पहलुओं पर प्रगति की समीक्षा करने के लिए राज्य के दौरे पर है। टीम ने बुधवार को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री के साथ बैठक की। सोरेन ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के एवज में विभिन्न कोयला कंपनियों पर करीब 80,000 करोड़ रुपये का मुआवजा बकाया है और केवल

2,532 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'कोयला कंपनियों को उस जमीन के लिए मुआवजा देना चाहिए जो उन्होंने अधिग्रहित की है, भले ही उस पर खनन कार्य शुरू न हुआ हो। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि कोयला कंपनियां इस बारे में एक रिपोर्ट सौंपेंगी कि कितनी जमीन का अधिग्रहण किया गया और कितना मुआवजा दिया गया। सोरेन ने कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने की भी मांग की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सोरेन ने केंद्र से अतिरिक्त खाद्यान्न की भी मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र के पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के हिस्से के रूप में लाभार्थियों के लिए एक निश्चित कोटा है। लेकिन, राज्य में उससे अधिक लाभार्थियों को सब्सिडी वाले राशन की आवश्यकता है। राज्य सरकार ग्रीन कार्ड श्रेणी के तहत अतिरिक्त 20 लाख लाभार्थियों को सब्सिडी वाला राशन दे रही है। सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार को अतिरिक्त लाभार्थियों के लिए बाजार से अनाज खरीदना पड़ रहा है क्योंकि एफसीआई उन्हें अनाज उपलब्ध नहीं करा रहा। उन्होंने कहा, नीति आयोग को झारखंड की मांग केंद्र सरकार के समक्ष रखनी चाहिए ताकि एफसीआई राज्य सरकार के राशन कार्ड धारकों के लिए भी अनाज उपलब्ध कराए।

उन्होंने राज्य के लोगों के लिए पीएम आवास योजना के तहत 8.5 लाख घरों की भी मांग की। दूसरी ओर, नीति आयोग के सदस्य विनोद कुमार पॉल ने कहा कि नीति आयोग केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा, झारखंड के विकास के लिए केंद्र से जो भी सहयोग की जरूरत होगी, आयोग इस दिशा में काम करेगा। बैठक सफल रही।

स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन में संविदा कर्मी

बालोद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य कर्मचारियों पर एस्मा लगाए जाने के विरोध में संविदा कर्मी सड़क पर उतर आए हैं। नियमितीकरण की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे संविदाकर्मियों ने बालोद में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। फिर सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा प्रशासन को सौंप दिया है। इससे पहले कर्मचारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नयाबस स्टैंड से कलेक्ट्रेट तक पहुंचे, लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इसके बाद एडीएम योगेंद्र श्रीवास आए और कर्मचारियों ने इस्तीफा सौंप दिया। उमेश्वरि देशमुख ने बताया कि इससे पहले करीब 400 संविदा कर्मचारी रायपुर में इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद आज 350 कर्मचारियों ने अपना इस्तीफा प्रशासन को सौंप दिया है। संविदा कर्मचारियों ने कहा कि पिछले चुनाव में हम मुख्यमंत्री के पास नहीं गए थे। वह हमारे आंदोलन स्थल पर आए और कहा था कि हमें सरकार में आने का मौका दो।

छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

टमाटर के लिए लोन लेने पहुंचे बैंक, बोले- डॉलर से भी दोगुने हो गए भाव

रायपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस ने टमाटर के दाम में भारी वृद्धि होने पर अनोखा प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेसियों ने भारतीय स्टेट बैंक पहुंचकर टमाटर खरीदने के लिए लोन की मांग की। साथी अलग-अलग शाखाओं में जाकर भारतीय स्टेट बैंक से टमाटर खरीदने के लिए लोन मांगा। युवा कांग्रेस के अभिषेक कसार ने कहा कि 100 दिनों में महंगाई कम करने का दावा कर सत्ता में आई नरेंद्र मोदी सरकार पिछले 9 सालों में महंगाई नियंत्रित करने में असफल साबित रही है, जो टमाटर 5-10 रुपये प्रतिकिलो बिकता था आज उसके दाम 140 रुपये प्रतिकिलो पार हो गये है। डॉलर से भी दोगुना टमाटर हो गया हैं। अच्छे दिनों का ख़्वाब दिखाकर नरेंद्र मोदी ने आम जनता की पहुंच से टमाटर को दूर कर दिया इसीलिए आज हम रायपुर शहर के भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में आकर टमाटर खरीदने के लिए लोन मांगने ब्रांच मैनेजर के पास आए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को जो 9 वर्षों से नींद में है और जनता की तकलीफों को नजरअंदाज कर रही है। महंगाई अपनी चरम सीमा पार कर चुकी है। मोदी सरकार को जगाने के लिए आज हम भारतीय स्टेट बैंक पहुंचकर टमाटर के लिए लोन की मांग की आने वाले समय में महंगाई पर यदि रोक नहीं लगती, आम सब्जियों के दाम कम नहीं होते, तो हम केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे।

वैगनर विद्रोह के 3 हफ्ते बाद सैन्य कमांडर बर्खास्त

आर्टिलरी की कमी का मुद्दा उठाया था, प्रिगोजिन समर्थक होने के भी आरोप

मॉस्को, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन को नाटो देशों का भारी समर्थन मिल रहा है, लेकिन रूस के खेमे में हालात ठीक नहीं हैं। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन में मोर्चा संभाल रहे अपने एक सीनियर कमांडर मेजर जनरल इवान पोपोव को बर्खास्त कर दिया। पोपोव ने रक्षा मंत्रालय के नेतृत्व पर सैनिकों को पर्याप्त सहायता न देने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा कि जवाबी हमले के लिए पर्याप्त आर्टिलरी और टोही स्टेशन नहीं मिल पा रहे हैं। जनरल पोपोव ने कहा है, 'मैंने सवाल उठाया तो रक्षा मंत्री सेर्गेई शोइगू ने मुझे बर्खास्त कर दिया।' रूस में इतने बड़े ओहदे पर बैठे कमांडर को बर्खास्त करने से रूसी सेना के कमांडरों में खलबली मच गई है।

प्रिगोजिन का समर्थक होने के भी आरोप

जनरल पोपोव को वैगनर के प्रमुख येवगेनी प्रिगोजिन की बगावत के तीन सप्ताह बाद हटाया गया है। उन पर प्रिगोजिन का समर्थन करने के भी आरोप लगे थे। बगावत करने के कुछ दिन पहले प्रिगोजिन ने हथियारों की कमी को लेकर रक्षामंत्री सेर्गेई शोइगू और कमांडिंग चीफ की आलोचना की थी।

रूस कई सैनिकों को ड्रग्स देकर लड़ने भेज रहा है: रिपोर्ट

एक ब्रिटिश थिंक टैंक ने रिपोर्ट में खुलासा किया है कि रूस कई सैनिकों को ड्रग्स देकर लड़ने भेज रहा है। रॉयल यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट ने रिपोर्ट में कहा है कि यूक्रेनी सेना के द्वारा मारे गए कई रूसी जवान एम्फेटामाइन व नार्कोटिक्स पदार्थों के नशे में थे।

डिस्पोजेबल इन्फेंट्री के इन जवानों को सीधे यूक्रेनी सैनिकों से भिड़ने के लिए भेजा जाता है। इनमें ज्यादातर भाड़े के लड़ाके और क्रिमिनल होते हैं, जिनके मरने पर नई डिस्पोजेबल इन्फेंट्री भेज देते हैं।

रूसी कमांडर की मौत, यूक्रेन हमले में अब तक 10 गंवाए

यूक्रेन के मिसाइल हमले में रूस के कमांडर ओलेग त्सोकोव की मौत हो गई है। रूस के कब्जे वाले बर्डियांस्क शहर में स्थित रूसी मुख्यालय पर हुए हमले में ओलेग गंभीर रूस से घायल हो गए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि यूक्रेन पर हमले के बाद से रूसी सेना के 10 जनरलों की मौत हो चुकी है।

रूसी नौसेना का जहाज कोल्ड वार के साथी क्यूबा के पोर्ट पर

नाटो का कुनबा बढ़ता देख रूस ने भी अपने शीतयुद्ध के साथी क्यूबा से करीबियां बढ़ाना शुरू कर दी हैं। रूसी नौसेना के ट्रेनिंग क्लास का जहाज पेरकोप क्यूबा की राजधानी हवाना के बंदरगाह पर पहुंच गया है। लोकल न्यूज में कहा गया है कि यह जहाज 4 दिनों तक हवाना में रहेगा। रूस की विदेशी इंटेलिजेंस के चीफ सेर्गेई नेरीस्कीन ने खुलासा किया है उन्होंने प्रिगोजिन की बगावत के बाद सीआईए के चीफ विलियम बर्न्स से यूक्रेन के मसले पर बात की थी। उन्होंने कहा कि सीआईए चीफ ने 24 जून के विद्रोह का मामला उठाया था। हालांकि, सीआईए ने इसे लेकर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है

वियाग्रा पर एक साल में 41.4 मिलियन डॉलर खर्च कर देती है अमेरिकी सेना

सांसद ने पूछा- इसमें कितने पुल बन जाएंगे?

वॉशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी कांग्रेस एक और बड़े रक्षा पैकेज पर मतदान करने जा रही है जहां अलग-अलग सदस्यों की अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद समर ली ने सेना के भारी भरकम खर्च पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रक्षा विभाग के एक अधिकारी से सैन्य खर्च से जुड़े कुछ आंकड़े पूछे जिसकी जानकारी अधिकारी को नहीं थी। जवाब में ली ने न सिर्फ उन्हें आंकड़े बताए बल्कि यह भी बताया कि इन पैसों से अन्य बड़े मुद्दों को भी हल किया जा सकता है। वह पेंसिल्वेनिया के 12th डिस्ट्रिक्ट का नेतृत्व करती हैं।

अमेरिकी सांसद समर ली ने सवाल पूछा, 'एक साल में मिलिट्री वियाग्रा पर औसतन कितना खर्च करती है?' डायरेक्टर ऑफ डिफेंस कॉन्ट्रैक्ट्स ने जवाब में कहा, 'मेरे पास इसका कोई आंकड़ा नहीं है।' समर ली ने जवाब दिया, 'करीब 41.6 मिलियन डॉलर। क्या आपको पता है कि इसमें मेरे डिस्ट्रिक्ट पिट्सबर्ग के कितने पुलों की मरम्मत की जा सकती है?' ली ने कहा, 'शहर का फर्न हैलो ब्रिज, जो हाल ही में ढह गया था, के पुनर्निर्माण में लगभग 25.3 मिलियन डॉलर की लागत आती।' ली ने खुद इसका वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है।

अलास्का किंग क्रैब पर कितना खर्च?

ली ने आगे पूछा, 'रक्षा विभाग ने 2018 में स्नो कैब और अलास्का किंग क्रैब पर कितना खर्च किया?'

रक्षा विभाग के जॉन तेनाग्लिया ने कहा कि उन्हें इस रकम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ली ने कहा, 'ओपन द बुक्स के अनुसार, यह 2.3 मिलियन था।

ब्रिटेन की सुरक्षा के लिए चीन खतरा

इससे निपटने के लिए सरकार के कदम नाकाफी

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की संसदीय समिति ने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चीन बड़ा खतरा है। इसके मुताबिक, चीन अब तक ब्रिटेन को आक्रामकता से निशाना बनाने में सफल रहा है, क्योंकि सरकार की तरफ से इस खतरे से निपटने के लिए कोई बेहतर नीति नहीं बनाई गई है।

ब्रिटेन की मीडिया में संसद की खुफिया और सुरक्षा कमेटी की इस रिपोर्ट पर बहस जारी है। इस रिपोर्ट में ब्रिटिश सरकार पर मुद्दों को पहचान पाने में नाकाम रहने का आरोप लगा है। इसके अलावा कहा गया है कि चीन ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के हर सेक्टर में सेंध लगा ली है।

गौरतलब है कि इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा था कि उनकी सरकार चीनी तकनीक पर ब्रिटेन की निर्भरता कम रखने के लिए अहम कदम उठा रही है। हालांकि, उन्होंने चीन के साथ खुले रिश्ते रखने की इच्छा जताई थी। सुनक

की कंजर्वेटिव सरकार की आलोचना करते हुए इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के आकार, उसकी क्षमता और उसके जुनून की वजह से वह ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था के हर सेक्टर में सेंध लगाने में कामयाब हुआ है। इसमें कहा गया कि सरकार की तरफ से चीन के इस खतरे को रोकने के लिए उठाए गए कदम नाकाफी हैं।

खुफिया एजेंसियों की निगाह से चूकीं चीन की हरकतें

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में चीन का जुड़ाव, उसका प्रभाव और दखल को पकड़ पाना काफी मुश्किल है। चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार ने इससे पहले ऐसी चीजों पर गौर भी नहीं किया। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियां चीन की गुप्त गतिविधियों पर नजर रखती हैं, यानी वे सीधे-सीधे चीन की ओर से उठाए गए कदमों को पहचानने की जिम्मेदारी भी उठा नहीं पाए।

इसमें चीन के ब्रिटेन में किए गए निवेश को लेकर भी कई अहम तथ्य रखे गए हैं। कहा गया है कि अब तक चीन के निवेश की कोई जांच नहीं हुई है। इतना ही नहीं कमेटी ने पाया कि सरकार चीन के साथ अहम क्षेत्रों में हुए संवेदनशील निवेश समझौतों को दोबारा परखना भी नहीं चाहती।

नेपाल में क्यों इस हद तक फैल गई हैं मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं?

काठमांडो, 14 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित होने के मामलों में तेजी से उछाल आया है। ऐसी समस्याएं पुरुषों में भी बढ़ी हैं, लेकिन महिलाएं इसका ज्यादा शिकार हुई हैं। यह बात नेपाल के जनसंख्या संबंधी एवं स्वास्थ्य सर्वे-2022 से सामने आई है। इस सर्वेक्षण की अंतिम रिपोर्ट अब जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक देश में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ितों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में दो गुना है। यह सर्वे नेपाल के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के सहयोग से किया। सर्वे के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता यूएसएड ने उपलब्ध कराई।

चीन के हैकरों ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री के ईमेल में लगाई सेंध

ब्लिंकन ने चीनी समकक्ष को दी चेतावनी

वाशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चीनी हैकरों के एक समूह द्वारा अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के ईमेल में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो उन वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के समूह में शामिल थीं, जिनके ईमेल इस साल की शुरुआत में एक समूह द्वारा हैक कर लिए गए थे। समहू के बारे में माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि वह चीन में स्थित है। मामले से परिचित एक शख्स ने बताया कि डिजिटल चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने गुरुवार को जकार्ता में हुई एक बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी को चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अमेरिकी सरकार को निशाना बनाने वाली कोई भी कार्रवाई, अमेरिकी कंपनियां या अमेरिकी नागरिक हमारे लिए गहरी चिंता का विषय हैं और हम उन जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे।

माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को खुलासा किया कि एक चीनी हैकिंग ऑपरेशन ने 25 अज्ञात संगठनों से संबंधित ईमेल खातों में सेंध लगाने के लिए कंपनी के प्रमाणीकरण सॉफ्टवेयर के एक हिस्से में एक गोपनीय त्रुटि का फायदा उठाया था। इस खबर के सामने आने के बाद से वाणिज्य विभाग के अलावा कई पीड़ितों ने स्वीकार किया है कि वे प्रभावित हुए हैं, जिनमें विदेश विभाग और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कर्मी भी शामिल हैं। घुसपैठ की गतिविधि मई में शुरू हुई और लगभग एक महीने तक जारी रही।

चीनी विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में मीडिया को दिए एक बयान में इन आरोपों को दुष्प्रचार बताया था। रायमोंडो के मंत्रालय ने सेमीकंडक्टर और अन्य संवेदनशील प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर अंकुश लगाते हुए चीन के खिलाफ निर्यात नियंत्रण नीतियों की एक सीरीज लागू की है। वाणिज्य विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने एजेंसी को माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस 365 सिस्टम के साथ एक समझौते के बारे में सूचित किया था और विभाग ने प्रतिक्रिया देने के लिए तत्काल कार्रवाई की। लेकिन प्रवक्ता ने विशेष रूप से रायमोंडो के खिलाफ घुसपैठ पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बता दें कि इस साल मार्च में अमेरिकी महानिरीक्षक कार्यालय की एक रिपोर्ट में साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग की मौलिक कमियों की तीखी आलोचना की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वाणिज्य विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है, साइबर-सुरक्षा उपकरणों का ठीक से उपयोग नहीं किया है और नकली साइबर हमलों को अच्छी तरीके से नहीं संभाला है।

एफबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि हैकिंग ऑपरेशन के दौरान कोई गोपनीय जानकारी नहीं चुराई गई। हैकिंग अत्यधिक लक्षित थी, उनकी पहुंच केवल ईमेल इनबॉक्स तक थी और डाटा को नष्ट नहीं किया गया था।

कोसोवो की संसद में हाथापाई

विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री पर फेंका पानी, सर्बों के साथ तनाव कम करने पर भाषण दे रहे थे

प्रिस्टिना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोपीय देश कोसोवो की संसद में गुरुवार को जमकर हाथापाई हुई। भाषण के दौरान विपक्षी सांसद ने प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती पर पानी फेंक दिया। दरअसल, पीएम कुर्ती देश के उत्तरी हिस्से में जातीय सर्बों के साथ तनाव कम करने के लिए सरकार की तरफ से किए जा रहे उपायों के बारे में बता रहे थे।

हाथापाई के दौरान पीएम को असेंबली हॉल से बाहर ले जाया गया

संसद में भाषण के दौरान कोसोवो की डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद मर्गिम लुश्ताकु उनके पास गए और पानी मुंह पर पानी फेंक दिया। इससे विवाद शुरू हो गया। रॉयटर्स के मुताबिक बवाल के बीच कुर्ती को असेंबली हॉल से बाहर ले जाया गया। कुर्ती ने कहा है कि वो पुलिस और नए अल्बानियाई मेयरों की तैनाती के साथ उत्तरी कोसोवो में कानून व्यवस्था लागू कर रहे हैं।

अमेरिका और ईयू ने उनसे हालात ठीक होने तक महापौरों को उत्तरी इलाकों से दूर भेजने की अपील की थी। उन्होंने पीएम कुर्ती पर हालात को शांत करने के लिए

दबाव डाला है। बता दें कि यहां मई में पुलिस समर्थित अल्बानियाई महापौरों के चुनाव के बाद हिंसा भड़क गई थी। इन चुनावों का सर्बों ने बहिष्कार किया था। स्थानीय सर्ब, कोसोवो पुलिस और नाटो के नेतृत्व में शान्ति बनाए रखने के लिए गए सैनिकों के बीच झड़प में दर्जनों लोग घायल हो गए थे।

कोसोवो की विपक्षी पार्टी ने हमेशा उत्तरी इलाके में पीएम कुर्ती की उन नीतियों की आलोचना की है, जिससे उनके पश्चिमी देशों के साथ रिश्तों में तनाव आया है। कुर्ती ने बुधवार को घोषणा की कि वो उत्तरी कोसोवो में जातीय सर्ब आबादी वाले क्षेत्रों में 4 नगरपालिकाओं के बाहर तैनात विशेष पुलिस अधिकारियों की संख्या कम कर देंगे, और हर शहर में नए मेयर के चुनाव कराएंगे।

नगर निगम के ऑफिसों से कई विशेष पुलिस बल हटा लिए गए हैं। इस कदम से विपक्ष नाराज हो गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि कुर्ती ने महीनों तक कई एक्सपरीमेंट्स किए, जिसकी वजह से कोसोवो की अंतरराष्ट्रीय स्थिति खतरे में आ गई और ऐसा करके बाद में वो पीछे हट गए।

कोसोवो ने 2008 में सर्बिया से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। हालांकि, सर्बिया ने इसे मान्यता नहीं दी। कोसोवो में अधिकांश जातीय सर्बों ने भी कोसोवो के राज्य का दर्जा स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसे अमेरिका और यूरोपीय संघ के ज्यादातर देशों का समर्थन मिला, लेकिन रूस और चीन का नहीं।

दरअसल, 1998-99 के युद्ध के वक्त कोसोवर अल्बानियाई लोगों ने तत्कालीन यूगोस्लाविया को तोड़कर एक नए देश की मांग की थी। इस जंग की वजह से यूगोस्लाविया टूट गया और इससे दो नए राष्ट्र सर्बिया और मोंटेनेग्रो बने।

इस जंग में नाटो ने बहुमत में मौजूद अल्बानियाई लोगों की रक्षा के लिए दखल दिया था। इस वजह से सर्बिया आज भी कोसोवो को अपने एक टूटे राज्य के तौर पर देखता है और उसकी स्वतंत्रता को मान्यता नहीं देता है।

कोसोवो में रहने वाले सर्ब या सर्बियाई मूल के लोग खुद को सर्बिया के हिस्से के रूप में देखते हैं। ये जातीय सर्ब कोसोवो की राजधानी प्रिस्टिना के बजाय सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड को अपनी राजधानी के रूप में देखते हैं।

खालिस्तानी समर्थक नहीं आ रहे बाज

सिडनी में भारतीय छात्र को बनाया निशाना, लोहे की रॉड से पीटा

सिडनी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में लगातार खालिस्तानी भारतीयों को अपना निशाना बना रहे हैं। शुक्रवार को भी एक ऐसी खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि सिडनी के पश्चिमी उपनगर मेरीलैंड्स में खालिस्तान समर्थकों ने एक भारतीय छात्र पर बेरहमी से हमला किया। छात्र स्वप्निल सिंह (बदला हुआ नाम) ने बताया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ ड्राइवर का काम करता है। जब वह सुबह करीब साढ़े पांच बजे काम पर जा रहा था, तभी चार से पांच खालिस्तानी समर्थकों ने उस पर हमला कर दिया। उसने कहा कि जैसे ही मैं अपनी ड्राइविंग सीट पर बैठा पता नहीं कहां से खालिस्तानी समर्थक आ गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वप्निल ने बताया कि समर्थकों में से एक ने उल्टे हाथ का दरवाजा खोला और सीधे उनकी आंख के नीचे गाल पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने उसे वाहन से उतारा और लोहे की रॉड से पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित ने आगे बताया कि उनमें से दो अपने फोन पर वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे, जबकि 4-5 उसे हर तरफ से मार रहे थे।

गैरकानूनी था इमरान और बुशरा का निकाह

इस्लामाबाद कोर्ट में चलेगा केस, तलाक के बाद दूसरी शादी तय वक्त से पहले कर ली

इस्लामाबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब एक मजहबी मामले में भी फंस गए हैं। इस्लामाबाद की एक अदालत में उनके खिलाफ गैरकानूनी और गैरइस्लामी तरीके से निकाह का केस चलेगा। खान और उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी पर आरोप है कि उन्होंने निकाह के दौरान इस्लामिक रूल्स को फॉलो नहीं किया। अदालत में केस दायर करने वाले शख्स का आरोप है कि बुशरा ने पहले पति को तलाक देने के बाद तय वक्त या दिन पूरे नहीं किए। इसे पीरिएड को इद्दत कहा जाता है। पहले इस केस को सिविल कोर्ट ने सुनने से इनकार कर दिया था। अब यह क्रिमिनल कोर्ट में चलेगा। इमरान और बुशरा के निकाह को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। पाकिस्तान के टीवी चैनलों पर इस मुद्दे पर कई प्रोग्राम भी हुए। कुछ महीने पहले मोहम्मद हनीफ नाम के एक शख्स ने इस्लामाबाद की सिविल कोर्ट में एक पिटीशन दायर की। इसमें कहा गया कि इमरान और बुशरा का निकाह जायज नहीं है। इसकी वजह यह बताई गई कि बुशरा ने पहले पति खावर मानेका से तलाक लेने के कुछ दिन बाद ही इमरान से निकाह कर लिया। बुशरा पर आरोप है कि उन्होंने मजहबी तौर पर जरूरी इद्दत पूरी नहीं की। इद्दत दरअसल, तलाक के बाद दूसरी शादी करने के बीच की एक तय मियाद होती है। सिविल कोर्ट ने इस पिटीशन को सुनवाई के लायक ही नहीं माना और पिटीशन खारिज कर दी। हनीफ यही पिटीशन इस्लामाबाद के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन जज की अदालत के सामने ले गए। यहां जज मोहम्मद आजम खान ने इस पर सुनवाई की मंजूरी दे दी। पाकिस्तान के अखबार 'द न्यूज' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- हनीफ ने पिटीशन में कहा है कि बुशरा ने पहले पति को तलाक नवंबर 2017 में दिया और इमरान से निकाह 1 जनवरी 2018 को किया। यानी इद्दत पूरी नहीं हुई। लिहाजा, बुशरा और इमरान का निकाह शरिया कानून और मुस्लिम मान्यताओं के खिलाफ है।

हनीफ ने कोर्ट के सामने इमरान-बुशरा का निकाह कराने वाले मुफ्ती मोहम्मद सईद और खान के पूर्व करीबी दोस्त ओन चौधरी के दो बयान भी पेश किए।

जान की बाजी लगाकर यूएस में घुस रहे चीनी

5 महीने में 6500 लोग अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर गिरफ्तार, जिनपिंग का चाइनीज ड्रीम नाकाम

वॉशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के हजारों लोग रोजगार और आजादी की तलाश में गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में घुस रहे हैं। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक- अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर 6,500 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। खास बात ये है कि यह आंकड़ा एक साल पहले (अक्टूबर 2021 से मार्च 2022) की तुलना में 15 गुना ज्यादा है।

गैरकानूनी तौर पर अमेरिका में घुसने की कोशिश करने वाले चीनी लैटिन अमेरिकी देशों का रास्ता अपनाते हैं। इन देशों में उनके साथ रेप, लूट और कत्ल की अनगिनत वारदातें हो चुकीं हैं। चीन की शी जिनपिंग सरकार भले 'चाइनीज ड्रीम' के दावे करे, लेकिन यहां के लोग हर कीमत पर देश से भागना चाहते हैं।

'चीनी सिटिजन्स का अमेरिकन ड्रीम'

हाल ही में अमेरिकी मीडिया हाउस 'फॉक्स न्यूज' और न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने चीनी नागरिकों के अमेरिकी ख्वाब पर रिपोर्ट पब्लिश की। इसके वीडियो वर्जन में चीनी मूल के एक अमेरिकी स्कॉलर ने कहा- अमेरिकन्स को लगता है कि उनके लिए अब अमेरिकन ड्रीम खत्म हो चुका है। उन्हें लगता है कि अमेरिका अब सुपरपॉवर और कंट्री ऑफ ड्रीम्स नहीं रहा, लेकिन चीन के लोगों का अमेरिकन ड्रीम जिंदा है और हर रोज मजबूत हो रहा है।

चीनी माइग्रेंट्स के डेटा पर नजर डालें तो स्कॉलर की बात सही साबित होती है। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 के बीच अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर ही 6,500 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। 2021-22 में इसी दौरान यह आंकड़ा 15 गुना कम था। यही स्कॉलर आगे कहते हैं- इस डेटा के आधार पर ही बात करें तो यह चीन की शी जिनपिंग सरकार के मुंह पर तमाचा है। वो दावा करती थी कि अब दुनिया में चाइनीज ड्रीम ही सबसे आगे है। अगर ये सच होता तो चीनी नागरिक गैरकानूनी तौर पर और जान की बाजी लगाकर अमेरिका क्यों जाते। पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों के नागरिक बेहतर जिंदगी की तलाश में गैरकानूनी तौर पर यूरोपीय देशों में घुसने की कोशिश करते हैं। पिछले ही महीने 300 लोगों से भरी बोट डूब गई थी। 220 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। ज्यादातर पाकिस्तानी थे।

अब चीनी नागरिक भी इसी खतरनाक और जानलेवा रास्ते पर चल रहे हैं। फर्क सिर्फ ये है कि वो सड़क के रास्ते और मोटी रकम खर्च करके अमेरिका पहुंचना चाहते हैं।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग

पीएम मोदी के दौरे के एक महीने के अंदर ही संसदीय कमेटी ने पास किया प्रस्ताव

वाशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चीन लगातार भारत की सीमाओं पर घुसपैठ कर रहा है। हाल ही में, भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर चीन ने कब्जा कर लिया है। उसका कहना है कि ये क्षेत्र उसके देश के अंतर्गत आते हैं। जबकि अमेरिका भारत का पक्ष ले रहा है। अमेरिकी संसद की सीनेट कमेटी ने अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है। बता दें, यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के एक महीने के अंदर ही संसदीय कमेटी ने पास कर दिया है।

चार सीनेटरों ने किया प्रस्ताव पेश

यह प्रस्ताव गुरुवार को सीनेटर जेफ मर्कले, बिल हेगर्टी, टिम काइन और क्रिस वान होलेन ने पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका मैकमोहन रेखा को चीन और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता देता है। प्रस्ताव पूर्ण मतदान के लिए सीनेट में जाएगा। संसद के कार्यकारी आयोग के सह-अध्यक्ष सीनेटर जेफ मर्कले ने कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में स्वतंत्रता और कानून आधारित पद्धति का समर्थन करता है। यह प्रस्ताव साफ कर देता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग मानता है, ना कि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का। वहीं, हेगर्टी ने कहा कि ऐसे समय में जब चीन स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए गंभीर खतरे पैदा कर रहा है। अमेरिका के लिए इस क्षेत्र में अपने रणनीतिक साझेदारों, विशेषकर भारत और अन्य क्वाड देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना महत्वपूर्ण है। साथ ही चीन की क्षेत्रीय विस्तार की व्यापक रणनीति के खिलाफ कदम उठाना जरूरी है, जो उसने दक्षिण और पूर्वी चीन सागर, हिमालय और दक्षिणी प्रशांत क्षेत्र में अपनाई है।

विधायक मैं और मेरा से ऊपर उठें : राष्ट्रपति

राजस्थान विधानसभा में कहा-देश के दोनों सदन राजस्थानी चला रहे, गर्व की बात

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के दो सदनों को राजस्थानी चला रहे हैं, ये गर्व की बात है। विधायकों को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों को मैं और मेरा से ऊपर ऊठें और प्रदेश व जनता के लिए सोचें। मुर्मू ने राजस्थानी बोली में अपने भाषण की शुरुआत की थी।

राजस्थान विधानसभा के इतिहास में ये पहला मौका था जब किसी राष्ट्रपति ने यहां भाषण दिया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का संबोधन हमारे लिए गर्व की बात है। जोशी ने कहा कि राजस्थान ने लंबा सफर तय किया है और अब हमें आर्थिक-सामाजिक आजादी की दिशा में काम करना होगा।

वहीं, राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने संबोधन में सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि एक ही सत्र को लंबा न चलाएं, सत्रावसान भी करें। विधानसभा में भाषण के बाद राष्ट्रपति वायु सेना के हेलिकॉप्टर से खाटूश्याम पहुंचीं और खाटूश्याम मंदिर में पूजा-अर्चना की।

जनप्रतिनिधि सदन में क्या बोलता है, यह कभी-कभी अखबारों से पता लगता था, आज सब कुछ लाइव चलता है। हमारे चाल-चलन, आचार-विचार जनता के लिए होने चाहिए। जनप्रतिनधि को मैं और मेरा नहीं, हमारा सोचना चाहिए।

राजस्थान के लिए यह विशेष गौरव की

बात है कि वर्तमान संसद के दोनों सदनों की अध्यक्षता राजस्थान विधानसभा के पूर्व विधायक कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में राज्यसभा के अध्यक्ष जगदीप धनखड़ और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान में विधानसभा सदस्य रह चुके हैं।

अतिथि को भगवान मानने की भारतीय परंपरा को राजस्थान ने बहुत अच्छे से निभाया है। यहां का अतिथि-सत्कार कोई नहीं भूल सकता। चंदरबरदाई का पृथ्वीराज रासो पहला हिंदी कहाकाव्य है जो राजस्थान में रचा गया। राजस्थान की मीरा बाई ने भक्ति साहित्य में अमूल्य योगदान दिया है।

जनजाति लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए मोतीलाल तेजावत ने संघर्ष किया। वीर बाला कालीबाई भील का बलिदान कौन भूल सकता है।

विधायकों का हंगामा गलत- मिश्र

राज्यपाल ने विधानसभा में सरकार को एक ही विधानसभा सत्र लंबा चलाने और सत्रावसान नहीं करने पर तंज कसते हुए नसीहत दी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा विधानसभा के एक ही सत्र को लंबा नहीं चलाएं, सत्रावसान की कार्यवाही भी समय पर हो, इसकी आज सख्त आवश्यकता है।

विधानसभा में कई बार हम देखते हैं कि कुछ विधायक सदन में गरिमा के अनुरूप आचरण नहीं करते हैं। हंगामा करते हैं, यह आचरण ठीक नहीं है। दूसरे को भी सुनने-समझने का मौका देना चाहिए। विधायकों को आचरण सुधारने की आवश्यकता है।

हमें आर्थिक-सामाजिक दिशा में काम करना होगा- जोशी

विधानसभा सदन में पहुंचने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राज्यपाल कलराज मिश्र, स्पीकर सीपी जोशी ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पैर में चोट के कारण विधानसभा नहीं आए हैं। स्पीकर सीपी जोशी ने कहा- आजादी के बाद विधानसभा में पहली बार राष्ट्रपति का संबोधन हमारे लिए गर्व की बात है। राजस्थान ने लंबा सफर तय किया है। हमें आजादी मिल गई, लेकिन अब भी हमें आर्थिक और सामाजिक आजादी की दिशा में काम करना होगा। राजस्थान में हमने सोशल सिक्योरिटी देने का काम किया है।

आज नहीं हुआ प्रश्नकाल-शून्यकाल

राष्ट्रपति के भाषण और विधानसभा से विदाई के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन थोड़े हंगामे के बाद विधानसभा की कार्रवाई 18 जुलाई तक स्थगित कर दी गई। विधानसभा में आज विधियां निरसन विधेयक और राजस्थान मेला प्राधिकरण विधेयक को पेश किया गया।

25 जुलाई तक चल सकती है विधानसभा

विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में अभी 18 जुलाई तक का कामकाज तय हुआ है। शनिवार और रविवार को विधानसभा की कार्यवाही नहीं चलेगी।

18 जुलाई को एक बार फिर बीएसी की बैठक होगी। इसमें अगले सप्ताह सदन के आगे का कामकाज तय होने के आसार हैं। सरकार करीब 13 बिल लेकर आ रही है, इसलिए 25 जुलाई तक विधानसभा चलाई जा सकती है।

4 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म करने वाले 70 साल के दरिंदे को उम्रकैद

कोटा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चार साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले 70 साल बुजुर्ग को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी बुजुर्ग पर 20 हजार रुपये का अर्थदंग भी लगाया है। दोषी व्यक्ति मासूम पीड़िता के होने वाले फूफा का पिता है। करीब सात महीने पहले उसने मासूम के घर में ही उसके साथ दरिंदगी की थी। जिसके बाद से ये मामला कोटा की पॉक्सो कोर्ट-3 के विशेष न्यायाधीश दीपक दुबे की कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने इस अपराध को बेहद घृणित कार्य बताया है।

जानिए क्या है मामला?

जानकारी के अनुसार 27 दिसंबर 2022 को कोटा निवासी बच्ची के पिता ने उद्योग नगर थाने में शिकायत दी थी। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने पुलिस को बताया कि 23 दिसंबर को गोपाल लाल (70) निवासी कोली मोहल्ला समेत तीन चार अन्य रिश्तेदार उसके घर पीड़ित बच्ची की बुआ को रिश्ते के लिए देखने आए थे। अन्य रिश्तेदार वापस चले गए, लेकिन गोपाल रात को घर पर ही रुक गया।

अगले दिन 24 दिसंबर की दोपहर वह एक कमरे में लेटा हुआ था। उस दौरान चार साल की मासूम उसके पास खेल रही थी। इसी बीच मौका मिलते ही आरोपी गोपाल ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। कुछ देर बाद बच्ची रोते हुए मां के पास पहुंची और अपने प्राइवेट पार्ट की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंकल ने दर्द कर दिया। पीड़िता की मां ने आरोपी गोपाल से इसे लेकर पूछताछ की तो उसने कपड़ों पर प्याज लगने की बात कही।

शाम को पति के घर पहुंचने पर पीड़िता की मां ने उसे घटना की जानकारी दी। लेकिन, परिवार वालों ने बदमानी के डर से थाने में केस दर्ज नहीं कराया। इधर, बच्ची लगातार दर्द से परेशान हो रही थी। ऐसे में परिवार वाले उसे एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्ची का उपचार किया और परिवार को पुलिस में शिकायत करने के लिए समझाया। इसके बाद पीड़ित बच्ची की मां आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराने की बात पर अड़ गई। आखिर में पीड़िता के पिता ने थाने में केस दर्ज कराया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 27 दिसंबर 2022 को आरोपी गोपाल को गिरफ्तार कर लिया।

मामले की जांच के बाद पुलिस ने 27 फरवरी 2023 को कोर्ट में चालान पेश किया। अपनी चार्जशीट में पुलिस ने 19 लोगों को गवाह बनाया और 31 दस्तावेज भी पेश किए। इसमें आरोपी गोपाल की पॉजिटिव आई डीएनए रिपोर्ट भी शामिल थी। बीते गुरुवार को पॉक्सो कोर्ट-3 के विशेष न्यायाधीश दीपक दुबे ने आरोपी की उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

पुलिस ने चंबल के बीहड़ से अगवा युवक को छुड़ाया

7 गिरफ्तार, पक्ष में फैसला नहीं होने पर किया था अपहरण

दौसा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा के थाना बैजुपाड़ा इलाके में ढिगारिया पंचायत से अगवा किए गए प्रह्लाद मीना को पुलिस ने दस्तयाब कर लिया है। पुलिस ने करौली के डांग क्षेत्र और चंबल के बीहड़ से 7 अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया है। विवाह-विच्छेद को लेकर हुई सामाजिक पंचायत में महिला के पक्ष में फैसला नहीं करने पर पीहर पक्ष के पटेलों ने युवक का अपहरण किया था। गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एसपी वन्दिता राणा ने बताया कि 7 जुलाई को ढिगारिया भीम गांव में शादी विच्छेद को लेकर समाज की मीटिंग हुई थी। मीटिंग में महिला के पक्ष में फैसला नहीं होने पर महिला पक्ष ने शाम करीब 8-9 बजे गांव में पंचायत कर लड़के पक्ष के प्रह्लाद मीणा को अगवा कर लिया। अपहरण की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को एक पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने दौसा, करौली और धौलपुर में अभियुक्तों के संभावित ठिकानों व रिश्तेदारों के यहां दबिश दी। आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए रोज नई नई जगह छुपते हुए प्रह्लाद मीना को साथ लेकर घूम रहे थे। इस दौरान पुलिस की टीमें करौली के डांग और चंबल नदी के बीहड़ क्षेत्र में डूंडापुरा पहुंची, जहां पुलिस को देख आरोपी भागने लगे। इस दौरान पीछा कर पुलिस ने 7 अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर प्रह्लाद मीना को छुड़ा लिया।

एसपी राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामावतार मीना पुत्र किशोर (63), रामचरण मीना पुत्र रूपा राम (58), गोपाल मीना पुत्र रुपाराम (48) निवासी पाल थाना नादौती करौली, रामेश्वर मीना पुत्र पुन्या राम (45) और मुरारी लाल मीना पुत्र पुन्या राम (60) निवासी बसेड़ी थाना मेहंदीपुर बालाजी दौसा, अनिल मीना पुत्र रामजीलाल (29) निवासी चांदपुर थाना सिकंदरा तथा रामनिवास मीना पुत्र ठंडी राम (58) निवासी थाना पीलोदा सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रह्लाद मीना पर महिला पक्ष की शर्तों पर समझौते का दबाव बना रहे थे।

घर के बाहर सो रहे व्यक्ति की हत्या

भरतपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर के रूपवास थाना इलाके में एक व्यक्ति की सोते समय हत्या कर दी गई। रात को मृतक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था।

इस दौरान किसी व्यक्ति ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन काटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को चादर ओढ़ाकर फरार हो गया। सुबह जब व्यक्ति के परिजन उठे तो उन्होंने चारपाई के नीचे खून पड़ा देखा, उन्होंने चादर हटाई तो उनके होश उड़ गए। जिसके बाद युवकी हत्या का पता चला। घटना रूपबास थाना क्षेत्र के नोहरदा गांव की है।

पुलिस ने बताया कि मृतक नंगो साफ सफाई का काम करता था। वह घर में अकेला रहता था, उसके भाई बाहर रहते हैं। दो भाइयों के अलावा परिवार में कोई नहीं था।

बीजेपी नेता तिवाड़ी कोर्ट से बरी

एसीबी ने भ्रष्टाचार केस में आरोपी बनाया तो दिया था इस्तीफा

दौसा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा नेता और दौसा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रतन तिवाड़ी कोर्ट से भ्रष्टाचार के मामले में बरी हो गए हैं। एसीबी ने साल 2012 में एम्बोसिया नर्सिंग कॉलेज जगतपुरा की आरएनसी से एनओसी मामले में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का केस बनाकर गिरफ्तारी वारंट निकाला था। इसके बाद रतन तिवाड़ी को नैतिकता के आधार पर पद छोड़ना पड़ा। अब एसीबी की एफआर मंजूर होने पर वह निर्दोष साबित हो गए हैं।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम संख्या-1 जयपुर महानगर द्वितीय कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार ने एसीबी की ओर से साक्ष्यों के अभाव में पेश की गई एफआर को मंजूर करते हुए रतन तिवाड़ी के खिलाफ दोष साबित होना नहीं पाया है। क्योंकि, एसीबी और अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सके। इससे नर्सिंग कॉलेज की एनओसी के मामले में रतन तिवाड़ी को बड़ी राहत मिली है। डॉ रतन तिवाड़ी ने 2020 में दौसा भाजपा जिला अध्यक्ष पद संभाला था, अगस्त 2022 में इस मामले में एसीबी का नोटिस मिलने और केस के चलते इस्तीफा देना पड़ा था। यह पूरा मामला वर्ष 2012 से शुरू हुआ, जब एम्ब्रोसिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के लिए आवेदन कर राज्य सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था। जिसमें कॉलेज के लिए 2 वर्ष में सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी कर इंडियन नर्सिंग कौंसिल और राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त करनी थी। लेकिन, अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के 16 दिन बाद ही एसीबी ने सभी प्रक्रियाधीन कॉलेजों पर एक साथ छापा मारकर जांच शुरू कर दी। जिनमें करीब 50 कॉलेजों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच में पाया गया कि सभी कॉलेजों की को 2 वर्ष का समय सरकार द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र में दिया गया था।

जिसमें इन्हें कॉलेज शुरू करने से पहले सभी आवश्यक संबद्धता लेनी थी। लेकिन, केस दर्ज होने के कारण इन सभी ने आगे की प्रक्रिया नहीं अपनाई। मामला दर्ज होने के बाद एसीबी की जांच में सामने आया कि इन कॉलेजों में कभी कोई प्रवेश नहीं लिया गया। ना ही किसी भी प्रकार की कोई फीस ली गई और ना ही कॉलेज चालू किए गए। राज्य सरकार को किसी प्रकार की राजस्व हानि भी नहीं हुई और ना ही इनमें किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ। जिसके कारण एसीबी ने जांच करते हुए मामलों में एफआर लगा दी।

इस मामले की शुरुआती एफआईआर में डॉ.रतन तिवाड़ी को मुलजिम नहीं बनाया गया था। लेकिन, बाद में एसीबी ने डॉ. रतन तिवाड़ी का नाम शामिल कर जांच शुरू की।

लेकिन, कोई सबूत नहीं मिलने के कारण एसीबी ने केस पर एफआर लगाकर न्यायालय में पेश किया, जिसे मंजूर कर लिया गया। लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद मिली जीत पर डॉ रतन तिवाड़ी ने कहा कि मुझे राजनीतिक द्वेषता के कारण फंसाने का प्रयास किया गया था। लेकिन, सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। मुझे न्यायपालिका पर भरोसा था और अंत में सत्य की जीत हुई है।

39 आईएएस अफसरों के तबादले

गौरव गोयल सीएम-सूचना जनसंपर्क सचिव नियुक्त, नारायण निर्वाचन आयोग के सचिव

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने देर रात 39 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की। साथ ही 2 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। मुख्य सचिव उषा शर्मा के एक्सटेंशन के बाद से ही उम्मीद जताई जा रही थी कि जल्द ही सरकार ब्यूरोक्रेसी में बदलाव शुरू करने जा रही है। इस तबादला लिस्ट में आधा दर्जन जिला कलेक्टर और एपीओ चल रहे 5 आईएएस अफसरों को पोस्टिंग दी गई है।

आईएएस नवीन महाजन को महानिदेशक, हरीश चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान और पदेन प्रमुख शासन सचिव, प्रशिक्षण राजस्थान जयपुर, भानूप्रकाश एतरू को पहले संभागीय आयुक्त जोधपुर लगाया गया, फिर संशोधित आदेश में बीकानेर में पोस्टिंग दी गई। डॉ नीरज कुमार पवन को सचिव, आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग जयपुर, भंवरलाल मेहरा को संभागीय आयुक्त पहले बीकानेर में लगाया गया, फिर संशोधित आदेश में जोधपुर में पोस्टिंग दी गई।

गौरव गोयल मुख्यमंत्री और सूचना जनसंपर्क विभाग के सचिव नियुक्त

कैलाश चंद्र मीणा को सचिव, यूडीएच विभाग और परियोजना निदेशक, राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना जयपुर, गौरव गोयल को सचिव, मुख्यमंत्री और शासन सचिव, सूचना जनसंपर्क विभाग जयपुर, एपीओ चल रहीं आनंदी को सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग जयपुर, महेश चंद्र शर्मा को सचिव, देवस्थान विभाग जयपुर, एपीओ चल रहे राजन विशाल को विशिष्ट शासन सचिव, मुख्यमंत्री और सीईओ, राजस्थान स्टेट सर्विस डिलीवरी वॉर रूम जयपुर, एपीओ चल रहीं अर्चना सिंह को विशिष्ट शासन सचिव, गृह विभाग, राजस्थान जयपुर, एपीएओ चल रहे इंद्रजीत सिंह को आयुक्त और विशिष्ट शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग और एमडी, राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड जयपुर , एपीओ चल रहीं नेहा गिरी को विशिष्ट शासन सचिव आयुक्त टीएडी उदयपुर, आशुतोष गुप्ता को जिला कलेक्टर और ज़िला मजिस्ट्रेट जैसलमेर, अंशदीप को जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर, अरविंद कुमार पोसवाल को जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट उदयपुर, श्रुति भारद्वाज को निदेशक, राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग जयपुर, पीयूष समरिया को जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट चित्तौड़गढ़, प्रियंका गोस्वामी को अतिरिक्त मिशन निदेशक, नेशनल हेल्थ मिशन राजस्थान जयपुर, जगजीत सिंह मोंगा को संयुक्त शासन सचिव, ऊर्जा विभाग राजस्थान जयपुर के पद पर लगाया गया है।

उद्योग और वाणिज्य विभाग जयपुर, विश्व मोहन शर्मा को एमडी, ग्रामीण अकृषि क्षेत्र विकास अभिकरण (रुडा) जयपुर, ताराचंद मीणा को

निकाह के 6 महीने बाद युवक ने गोली मार ली

भरतपुर, भरतपुर के सीकरी थाना इलाके में एक युवक ने देसी कट्टे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक का उसकी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। जिसके चलते पत्नी करीब 3 महीने से अपने पीहर में रह रही थी। शाम को व्यक्ति की उसके साले से फोन पर बात हुई थी। जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। घटना सीकरी थाना इलाके के झाकली गांव की है। 6 महीने पहले 22 साल के आलिम का निकाह कामां थाना इलाके के दांतका में रहने वाली शबीना से हुआ था।

टोंक में युवती को जबरन कार में बैठा रहे युवकों को लोगों ने पीटा, फिर पुलिस के हवाले किया

टोंक, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टोंक जिले के निवाई में नाहरवाडी तिराहे के पास बस का इंतजार कर रही युवती को कार सवाार युवक लिफ्ट देने के बहाने जबरदस्ती ले जाने लगे। युवती के शोर मचाने पर लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। इसके बाद लोगों ने पीछा कर हतौना गांव के पास उन्हें पकड़ लिया और जमकर मारपीट की। बाद में उन्हें पुलिस को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार गुरूवार देर शाम नन्नूलाल जाट निवासी हाडीकला और रामबिलास जाट कार में सवार होकर शिवाड की ओर जा रहे थे। नाहरवाडी तिराहे पर एक युवती बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान कार सवार युवकों ने युवती को लिफ्ट देने की पेशकश की, लेकिन उसने मना कर दिया। इस दौरान कार सवार युवक ने युवती का हाथ पकड़कर उसे गाड़ी में खीचने की कोशिश की तो वह चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो कार सवार आरोपी फरार हो गए। इसके बाद लोगों ने कार का पीछा कर हतौना गांव के पास उन्हें पकड़ लिया। लोगों ने दोनों आरोपियों के साथ जमकर मारपीट की। इस दौरान सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को थाने ले गई।

राजस्थान में 2 इंच तक बरसात

तीन दिन बाद फिर तेज बारिश का अलर्ट

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में मानसून अब भी मेहरबान है। यहां लगातार हल्की से मध्यम बारिश का दौर बना हुआ है। बारां, कोटा, सवाई माधोपुर एरिया में गुरुवार को भी कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। आज भी पूर्वी राजस्थान में सुबह से बादल छाने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बारिश देखने को मिली।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो इन एरिया में अगले 2-3 दिन इसी तरह बारिश होती रहेगी, लेकिन 17 जुलाई से बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी। एक नया वेदर सिस्टम बनने से उदयपुर, कोटा संभाग के जिलों में भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो हनुमानगढ़, चूरू, बारां, गंगानगर, सीकर, झुंझुनूं, करौली, दौसा, नाथद्वारा सवाई माधोपुर, कोटा, बीकानेर समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा बरसात बारां के अंता एरिया में 67MM दर्ज हुई। हनुमानगढ़, चूरू, गंगानगर, सीकर जिलों में भी कुछ स्थानों पर एक इंच तक बरसात हुई। चूरू में बारिश से पहले तेज हवाएं चलीं और बंवडर भी देखने को मिला।

मौसम केंद्र जयपुर से जारी फोरकास्ट के मुताबिक राज्य में आज दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, भरतपुर, टोंक, धौलपुर एरिया में अच्छी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही 17 जुलाई से एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने की संभावना है, जिसका असर पूर्वी राजस्थान के उदयपुर, कोटा संभाग के जिलों में देखने को मिल सकता है। यहां कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

गहलोत सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन 16 जुलाई से, जेपी नड्डा आएंगे

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा द्वारा प्रदेशव्यापी 'नहीं सहेगा राजस्थान' आंदोलन चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम की शुरूआत 16 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर के चंदन वाटिका में सभा से करेंगे। इस दौरान जयपुर शहर, जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण के कार्यकर्ता एवं आम जनता उपस्थित रहेगी। इसके पश्चात सभी संभागों और जिलों में इस आंदोलन को शुरू किया जाएगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि 'नहीं सहेगा राजस्थान' आंदोलन गहलोत सरकार की लूट और झूठ के खिलाफ जनता की आवाज बनेगा। मुख्य कार्यक्रम 16 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में होगा। इसमें आंदोलन से संबधित ऑडियो, वीडियो और पोस्टर का विमोचन भी किया जाएगा। यह आंदालेन जयपुर से शुरू होकर संभाग और प्रत्येक विधानसभा स्तर तक किया जाएगा। जिसकी अलग से एक वेबसाईट भी लांच की जाएगी। वेबसाईट पर प्रदेश स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक आंदोलन से जुडी तमाम जानकारियां मिलेंगी। यह आंदोलन प्रदेशभर में आगामी एक अगस्त तक चलेगा।

तेलंगाना के एफपीओ के सीईओ बनने के लिए पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएएआरएम का टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) संभावित उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के लिए एक अभिनव विचार लेकर आया, जो एफपीओ के सीईओ बन सकते हैं। नाबार्ड तेलंगाना के सहयोग से एनएएआरएम में एक अनूठा पाठ्यक्रम "कृषि व्यवसाय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एबीएमडीपी)" शुरू किया गया है, जो आज से शुरू हो गया है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चयनित उम्मीदवारों के बीच निर्णय लेने, विश्लेषणात्मक, समस्या-समाधान और उद्यमशीलता कौशल विकसित करना और उन्हें कृषि व्यवसाय प्रबंधन दृष्टिकोण और उद्यमशीलता दक्षताओं के बारे में उन्मुख करना है। पूरा होने के बाद, अधिकांश प्रशिक्षित उम्मीदवारों से तेलंगाना भर में सीईओ के रूप में एफपीओ का नेतृत्व करने की उम्मीद है। कठोर चयन प्रक्रिया के बाद 161 आवेदकों में से 32 उम्मीदवारों को इस एबीएमडीपी कार्यक्रम के लिए चुना गया था।

एबीएमडीपी के पहले बैच को संबोधित करते हुए नाबार्ड की सीजीएम श्रीमती सुशीला चिंताला, जो लॉन्चिंग के दौरान मुख्य अतिथि थीं, ने एफपीओ के सामने आने वाली चुनौतियों, एफपीओ की आय बढ़ाने के लिए नेतृत्व के महत्व, तेलंगाना में किसान उत्पादक संगठन के प्रदर्शन पर जोर दिया। उन्होंने देश भर में एफपीओ विसर्जन कार्यक्रमों को शुरू करने में ए-आइडिया के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस नई एबीएमडीपी पहल का विस्तार अन्य राज्यों में भी किया जा सकता है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. सी.एच. ए-आइडिया के अध्यक्ष और एनएएआरएम के निदेशक श्रीनिवास राव ने भारतीय कृषि की वर्तमान चुनौतियों, प्रति इकाई क्षेत्र में कम उत्पादकता, भोजन की बर्बादी और कृषि क्षेत्र की स्थिरता आदि पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि कैसे एफपीओ किसानों की आजीविका में बड़ा बदलाव ला सकते हैं और आय। एनएएआरएम के संयुक्त निदेशक और ए-आइडिया के उपाध्यक्ष डॉ. जी वेंकटेश्वरलू ने अपने स्वागत भाषण में आईसीएआर-एनएएआरएम के साथ नाबार्ड संबंधों पर प्रकाश डाला और देश में एफपीओ के समग्र विकास के लिए एफपीओ के संभावित सीईओ के महत्व को व्यक्त किया।

लोहिया विचार मंच द्वारा पुस्तक विमोचन समारोह आज

मेधा पाटकर मुख्य अतिथि होंगी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लोहिया विचार मंच, हैदराबाद की ओर से "राजकियलो मधु दैवम" (तेलुगु एवं अंग्रेजी) पुस्तक का विमोचन समारोह कल 15 जुलाई को शाम 4.30 बजे से कृष्णदेवराय भाषा निलयम, सुल्तान बाजार, कोठी में किया जाएगा। इस अवसर पर दो प्रख्यात मधुओं का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। वे हैं मधु लिमये (1922-1995) एवं मधु दंडवते (1924-2005)। कार्यक्रम में नर्मदा बचाव आंदोलन की प,मुख तथा समाजसेवी मेधा पाटकर मुख्य अतिथि रहेंगी। प्रभुल्ला समंतारा (पर्यावरण कार्यकर्ता, गोल्डन पर्यावरण अवार्ड विजेता) एवं सुनीलम् (समाजवादी विचारक) वक्ता रहेंगे। जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी, (सेवानिवृत्त जज सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया) कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। अक्षय एस. पित्ती, मेनेजिंग ट्रस्टी आरएमएल समता ट्रस्ट, हैदरावाद कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम के आयोजकों

राम मनोहर लोहिया समता न्यास, हैदराबाद के गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव एवं दामोदर रेड्डी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव 2.0 की थीम के तहत स्वास्थ्य और कल्याण समारोह के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद द्वारा जिला परिषद हाईस्कूल, नागोल, मेड़चल-मल्काजगिरी जिले में आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. एम. अर्चना, एसआरएफ (आयुर्वेद), और डॉ. लोकसाई किरीटी, एसआरएफ (आयुर्वेद) आयुर्वेद के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर आयुर्वेद ब्रोशर वितरित किये गये। कार्यक्रम में एनआईआईएमएच के के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालयाध्यक्ष) ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से, जिला परिषद हाई स्कूल, असमनगढ़, मलकपेट के प्राचार्य और छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य में आयुर्वेद के दायरे के बारे में के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने टीम का मार्गदर्शन किया और प्रधानाचार्य एम.रघुनाथ जी, टी.वेकटेश, सुधाकर, शिवैया, बशीर, नीरजा, सुब्बालक्ष्मी और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु कृपा सेवा समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा श्रीमद्भागवत कथा 17 से

मंत्री समेत कई महानुभवों को सौंपा गया निमंत्रण पत्र

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु कृपा सेवा समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा आगामी 17 जुलाई से 24 जुलाई शाम 7 बजे से 11:30 बजे तक होने वाले श्रीमद्भागवत कथा मेडचल स्थित श्री श्रीनिवास कल्याण मण्डपम में होने जा रहा है, जिसमें पूज्य गुरुवर राजाराम जी के सानिध्य में पूज्य संत श्री कृपाराम जी महाराज द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में तेलंगाना सरकार के मिनिस्टर व मेड़चल एमएलए सीएच मल्लारेड्डी को पत्रिका देकर आमंत्रित किया गया। मंच द्वारा सीएच मल्लारेड्डी के पुत्र महेंद्ररेड्डी, मेडचल के नगर पालिका अध्यक्ष दीपिका नर्शिमा रेड्डी, टीआरएस के नेता नंदारेड्डी, शेखर गौड़, भास्कर यादव, राजमल्लारेड्डी को पत्रिका देकर आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष गोगाराम सिरवी, उपाध्यक्ष चिमनाराम सिरवी, सचिव मोहनलाल सिरवी, सहसचि सोहनलाल सिरवी, सुरेश देवासी, निवर्तमान अध्यक्ष भीकाराम गुर्जर, बहादुर गुर्जर, कैलाश प्रजापति, लक्ष्मणसिंह राठौड़, कानाराम सिरवी व अन्य उपस्थित हुए।

समस्याओं का समाधान करने की मांग को लेकर ग्राम पंचायतकर्मियों ने किया प्रदर्शन

कुमरम भीम आसिफाबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले नौ दिनों से पीएफ ईएसआई जॉब सिक्योरिटी न्यूनतम वेतन लागू करने, ग्राम पंचायत कर्मियों की बढ़ती महंगाई का पता लगाने, मृत ग्राम पंचायत कर्मी को 10 लाख रुपये का बीमा देने, नौकरी देने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं. परिवार के किसी एक सदस्य को श्रेणीवार वेतन देने को कहा, लेकिन राज्य सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। इस कार्यक्रम में सीटू जिला सहायक सचिव राजेंद्र, ग्राम पंचायत कार्यकर्ता राजू, सम्मैय्या, शंकर, महेश, साबिर, नागेश, विलास, कैलास, यमुना बाई पद्मा आदि ने भाग लिया।

श्रीमद्भागवत कथा का पोस्टर जारी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा मेड़चल में 17 जुलाई से 24 जुलाई तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा के संबंध में पोस्टर गोगाराम सीरवी, विश्वमंगल गौशाला के कमेटी सदस्य और मोहनलाल सोहनलाल, शिमला राम, कानाराम, सुरेश देवासी, सुरेश सीरवी, भीखाराम गुर्जर आथद ने जारी किये। इस अवसर पर विश्व मंगल गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, बादर गुर्जर, कैलाश प्रजापत, सेसाराम और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी गोमाता प्रेमियों से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की गई है।

ऑपरेशन मुस्कान कार्यक्रम को जिले में सशस्त्र तरीके से संचालित किया जाए : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि जिले में ऑपरेशन मुस्कान कार्यक्रम आयोजित किया जाये। शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में ऑपरेशन मुस्कान कार्यक्रम के संचालन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि दुकानों, होटलों एवं उद्योगों में काम करने वाले बाल श्रमिकों की पहचान कर उन्हें बाल श्रम में शामिल किया जाए तथा जो नियोक्ता 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम करा रहे हैं उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाए। उन्होंने कहा कि ईंट बनाने, पत्थर बनाने वाली कंपनियों और क्रशर कंपनियों में काम करने वाले बाल मजदूरों की पहचान की जाये और उन्हें कस्तूरीबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकित कर शिक्षा प्रदान की जाये और बाल संरक्षण समिति के सदस्य इस दिशा में काम करें. उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को बाल विवाह रोकने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को स्कूल से दूर रहने वाले और स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए कदम उठाना चाहिए। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

मैनेज और आईएलआरआई, केन्या के बीच समझौता

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में लैंगिक असमानता को दूर करने का प्रयास

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद और अंतर्राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान (आईएलआरआई), केन्या के सीजीआईएआर लिंग मंच ने एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए हाथ मिलाया। दोनों संस्थानों के प्रमुख डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और प्रोफेसर अपोलिनेयर जिकेंग, महानिदेशक, आईएलआरआई इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म ने मैनेज, हैदराबाद में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसमें महिला कृषि उद्यमियों, महिला किसानों और मैनेज फैकल्टी के साथ सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म के निदेशक डॉ. निकोलिन डी हान और सीजीआईएआर जेंडर इंपैक्ट प्लेटफॉर्म के तहत साक्ष्य मॉड्यूल लीडर डॉ. रंजीता पुस्कुर ने भाग लिया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, सरकार द्वारा कार्यान्वित योजनाओं की महिला लाभार्थी। भारत के कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र (एसीएबीसी) और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) ने अपने अनुभव और उद्यमिता की यात्रा साझा की। केवीके, गद्दीपल्ली की कुछ प्रगतिशील महिला किसानों ने भी प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि पिछले कुछ समय में प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादन कैसे बढ़ा है, लेकिन उन्होंने उन्हें बेचने के लिए विपणन चुनौतियों के बारे में बताया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. निकोलिन डी हान ने नीति निर्माताओं को समझाने के लिए डेटा की आवश्यकता पर जोर दिया और इसलिए इस संबंध में साक्ष्य आधारित लिंग अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैनेज कृषि विकास की दिशा में लैंगिक मुद्दों को संबोधित करने में 'उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में सामने आ सकता है। डॉ. रंजीता पुस्कुर ने भी अपने संबोधन में कहा कि विस्तार सेवाओं को लैंगिक रूप से उत्तरदायी होना चाहिए। इसलिए ईएएस प्रदाताओं को, उनके लिंग की परवाह किए बिना, महिला किसानों तक पहुंचने के लिए इस पर ध्यान देना चाहिए। मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने अपनी समापन टिप्पणी में पोषण संवेदनशील कृषि और लिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. निकोलिन डी हान, डॉ. रंजीता पुस्कुर और डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (लिंग अध्ययन) ने भी सहयोगात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए इस वर्ष के लिए वार्षिक कार्य योजना पर चर्चा की और उसे अंतिम रूप दिया।

श्री दिगम्बर जैन समाज ने दी 108 कामकुमार नदीजी महाराज को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री दिगम्बर जैन समाज कैशरबाग आगापुरा स्थित श्री 1008 भगवान महवीर दिगम्बर जैन मन्दिर में दिगम्बर मुनि श्री 108 कामकुमार नदीजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में संस्था अध्यक्ष विनोद बज ने नमोकर महाराज से सभा का आरंभ किया और इस अवसर पर अपने विचार रखे। मंत्री राजेश पाटणी ने कहा कि दोशियों को कडी से कडी सजा दे। इस अवसर पर श्री इन्द्रपुरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष कान्ता पहाडे व वर्तमान मत्राणी श्रीमती शीमला पाण्डय व सुभाष कोहाडे ने अपने-अपने विचार रखकर श्रद्धांजली अर्पित की। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद बज, मंत्री राजेश पाटणी, सहमंत्री पकज छावडा, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण पांड्या, रमेश, सुनील पहाडे, अशोक बालकीवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कमला पाण्डया, गुणमाला काला, समाज क गणमान्य सदस्य व महिला मंडल की सदस्यता व अन्य सदस्यों ने आज मुनिश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आप और हम की विशेष बैठक 15 जुलाई को

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की प्रसिद्ध राजस्थानी व मारवाडी समाज की सशक्त संगठन आप और हम की विशेष बैठक का आयोजन 15 जुलाई को सायं 5 बजे आबिड्स स्थित राजस्थानी स्नातक भवन सभागृह में किया जाएगा।

उपरोक्त जानकारी चुनाव प्रभारी एवं पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने देते हुए आगे बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता नन्दगोपाल भट्टड़ करेंगे एवं संचालन पूर्व अध्यक्ष शशिकान्त अग्रवाल करेंगे। इस विशेष बैठक के विषय की जानकारी देते हुए चुनाव प्रभारी धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि संस्था की गतिविधियाँ कोरोना काल के कारण कम हो गई थी । अतः संस्था को पुनः जागृत करने व भावी कार्यक्रमों की रुप रेखा के लिए सत्र 2023-2025 में, नूतन अध्यक्ष का मनोनयन कर निर्णय इस बैठक में लिया या जायेगा। अतः सभी पूर्व पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व समिति सदस्यों के अतिरिक्त "आप और हम" से जुड़े सभी सदस्यों व सहयोगियों से उपरोक्त विशेष बैठक में भाग लेने की अपील की गई।

नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर में अभिषेकम व विशेष पूजा आयोजित

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर में श्री देवी नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर समिति के तत्वावधान में अभिषेकम विशेष पूजा की गई।

देवी के अभिषेक में मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के चेयरमैन और कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपना प्रताप मौजूद रहे तथा सभी पूजा गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, जम्पना प्रताप ने सुझाव दिया कि मेला आयोजकों को पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि बोनाला मेले के दौरान भक्तों को मंदिरों में किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। न्यू बोइनापल्ली में कई मंदिरों के परिसर में मिट्टी बिछाने के विचार पर कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ मधुकर नाइक ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि मिट्टी बिछाई जा रही है।

उन्होंने मेले के आयोजकों की ओर से सीईओ को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अजित कल्याण, पुट्टी नरसिम्हा, रामा राव, दुर्गा, जहांगीर, दशरथ, महेन्द्र, अशोक, अरुण यादव, नरेंद्र, प्रेम मुदिराज व अन्य लोगों ने भाग लिया।

बोइनपल्ली में आयोजित कैफे पॉलिटिक्स कार्यक्रम में टीएसएमडीसी के चेयरमैन कृषांक ने युवाओं कें संबोधित किया, जिसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम में भास्कर, वेंकट रामुलु, राकेश, वामसी, ऋषिकेश, संजीव, कनक सुंदर, संदीप, अंजी, अविनाश, अंकित और अन्य ने भाग लिया।

गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ और महेश गौड़ ने गौलीगुड़ा महाकाली मंदिर में 16 तारीख को आयोजित होने वाले बोनालू उत्सव में भाग लेने के लिए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और मंत्री महमूद अली को निमंत्रण पत्र सौंपा।

श्री अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिर, हरिबौली में शुक्रवार को मंदिर समिति के अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल और परिवार के सदस्यों द्वारा लक्ष कुमकुम अर्चना की गई। उपस्थित हैं मंदिर समिति के प्रतिनिधि जी.राजरत्नम, के.दत्तात्रेय, ए.सतीश, एस.पी.क्रांति कुमार और अन्य।

महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्याम मन्दिर में एकादशी के उपलक्ष्य में साँवरे के बावरे के तत्वावधान में आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में भजन प्रस्तुत करते हुए आशु भारती (बूंदी) राज, यश वर्मा एवं अंकित शर्मा। अवसर पर उपस्थित पहाडी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, सुभाष गोयल, विजय अग्रवाल एवं उपस्थित भक्तगण।

जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल ने तुलजापुर (महाराष्ट्र) की श्री तुलजा भवानी माता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ में हैं सुरेश टोलडी, शिव गुट्टेदार, संबैया गुट्टेदार, गुंदैया गुट्टेदार, आनंद व अन्य।

डेब्यू सेंचुरी माता-पिता को समर्पित : यशस्वी

पिता कांवड़ यात्रा पर निकले, कहा-भोलेबाबा उसका दोहरा शतक भी पूरा करें

डोमिनिका, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू टेस्ट में शतक लगाया। यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू टेस्ट में अपनी सेंचुरी माता-पिता को डेडिकेट की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद 21 साल के भारतीय ओपनर बोले, 'काफी इमोशनल मोमेंट था मेरे लिए, मैं इसे अपने माता-पिता को डेडिकेट करना चाहूंगा। बैटिंग अब भी जारी है, डबल सेंचुरी का नहीं सोच रहा, टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने पर फोकस है।'

शतक के बाद यशस्वी के पिता भूपेंद्र जायसवाल कावड़ यात्रा करने निकल गए। उन्होंने कहा, 'भोलेबाबा से यही मांगूंगा कि बेटा मेरा दोहरा शतक मारे और उसकी (यशस्वी) मेहनत सफल हो।'

पिता बोले-भोलेबाबा यशस्वी की मेहनत सफल करे

सोशल मीडिया पर 'भदोही वाला' नाम के यूजर ने यशस्वी के पिता का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में यशस्वी के पिता भूपेंद्र जायसवाल कावड़ यात्रा पर जाते नजर आए। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी हुई, भदोही जिला बहुत खुश है। मैं तो चाहता हूं कि बेटा मेरा दोहरा शतक मारे।

भोलेबाबा से यही मांगूंगा कि बेटा मेरा दोहरा शतक मारे और उसकी (यशस्वी) मेहनत सफल हो।'

यशस्वी मुंबई से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन उनका जन्म उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में हुआ। उनका परिवार आज भी भदोही में ही रहता है। 'बैटिंग के वक्त रोहित भैया (रोहित शर्मा) के साथ काफी बात हुई।

गेम से पहले भी उन्होंने मुझे मोटिवेट किया कि ये पिच मेरे ही लिए है, मैं यहां रन बना सकता हूं। उसी हिसाब से मैं भी प्रिपेयर्ड था।' भारत और वेस्टइंडीज के बीच डोमिनिका में पहला टेस्ट मैच 12 जुलाई से खेला जा रहा है। गुरुवार देर रात यशस्वी ने मैच के दूसरे दिन शतक लगाया। वह 143 रन बनाकर दिन का खेल खत्म होने तक नॉट आउट रहे। खेल खत्म होने के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए।

विदेश में डेब्यू पर भारत के लिए सबसे बड़ा स्कोर

स्कोर	प्लेयर	खिलाफ	साल
143*	यशस्वी जायसवाल	वेस्टइंडीज	2023
131	सौरव गांगुली	इंग्लैंड	1996
124	सुरिंदर अमरनाथ	न्यूजीलैंड	1976
120	सुरेश रैना	श्रीलंका	2010
112	अब्बास अली बैग	इंग्लैंड	1959

भारतीय ओपनर्स की वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे बड़ी पार्टनरशिप

रोहित-यशस्वी ने 229 रन बनाए, पहली बार बिना विकेट गंवाए लीड ली : 10 रिकॉर्ड्स

डोमिनिका, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला डोमिनिका के विंडसर पार्क मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले का दूसरा दिन भारतीय ओपनर्स के नाम रहा। कप्तान रोहित शर्मा और डेब्यू टेस्ट खेल रहे यशस्वी जायसवाल ने 229 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की। दोनों ओपनर्स ने अपने-अपने शतक भी पूरे किए।

कप्तान रोहित और जायसवाल की पारियों ने कई रिकॉर्ड्स बनाए। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब भारतीय टीम ने बिना विकेट गंवाए पहली पारी में लीड हासिल की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप

रोहित-जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड संजय बांगर और वीरेंद्र सहवाग (201 रन) ने 2002 में बनाया था।

सिंधु और सेन यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

> सिंधु ने युन और सेन ने जान को हराया

> शंकर भी अगले राउंड में पहुंचे

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सिंधु ने अपने दूसरे राउंड के मुकाबले में दुनिया की 30वें नंबर की चीनी ताइपे की खिलाड़ी सुंग शुओ युन को 21-14, 21-12 से हराया। भारत के लक्ष्य सेन यूएस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं, पीवी सिंधु भी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। लक्ष्य ने इससे पहले कनाडा ओपन में खिताब जीता था। सिंधु उस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार गई थीं।

सिंधु ने चीनी ताइपे की खिलाड़ी को हराया

कनाडा ओपन की सेमीफाइनलिस्ट सिंधु ने शुक्रवार को अपने दूसरे राउंड के मुकाबले में दुनिया की 30वें नंबर की चीनी ताइपे की खिलाड़ी सुंग शुओ युन को 21-14, 21-12 से हराया। सिंधु को मैच जीतने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। सिंधु क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांगजिए से भिड़ेंगी।

लक्ष्य ने चेक गणराज्य के जान को मात दी

लक्ष्य सेन ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में चेक गणराज्य के जान लौडा को 21-8, 23-21 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में हमवतन शंकर मुथुसामी से भिड़ेंगे।

शंकर मुथुसामी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

वहीं मेंस सिंगल्स के अन्य मैच में शंकर सुब्रमण्यम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने दूसरे मुकाबले में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 21-18, 21-23, 21-13 से शिकस्त दी।

साई प्रणीत पहले दौर से ही बाहर

मेंस सिंगल्स में बी साई प्रणीत पहले दिन ही बाहर हो गए थे। प्रणीत को पहले दौर में वर्ल्ड नंबर सात खिलाड़ी चीन के लि शि फेंग से हार का सामना करना पड़ा था। एक घंटे 14 मिनट तक चले इस मैच में टूर्नामेंट के दूसरे सीड शि फेंग ने 16-21, 21-14, 21-19 से हराया। प्रणीत ने पहला गेम जीत लिया था। उसके बाद लि शि फिंग ने वापसी की और दूसरा और तीसरा गेम जीतकर मैच को अपने पक्ष में कर लिया।

सहल समद मोहन बागान में शामिल

प्रीतम कोटल केरला ब्लास्टर्स में पहुंचे

कोलकाता, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम मोहन बागान सुपर जाइंट ने शुक्रवार को केरला ब्लास्टर्स एफसी के मिडफील्डर सहल अब्दुल समद के साथ पांच साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। मोहन बागान ने अपने अनुभवी डिफेंडर और कप्तान, प्रीतम कोटल की जगह समद को लिया, जो 2017 से केरला ब्लास्टर्स एफसी के साथ थे। केरला ब्लास्टर्स ने एक बयान में कहा, क्लब एक खिलाड़ी के बदले सहल अब्दुल समद के ट्रांसफर और एक अज्ञात ट्रांसफर शुल्क के लिए एक समझौते पर पहुंच गया है। सहल ने 2017-18 सीज़न में केरला ब्लास्टर्स एफसी के साथ आईएसएल में पदार्पण किया। मिडफील्डर ने अगले 2018-19 सीज़न में अपना सफल अभियान चलाया क्योंकि उन्होंने आईएसएल इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

ब्लास्टर्स के साथ उनके प्रदर्शन के कारण उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया, जहां उन्होंने थाईलैंड में किंग्स कप में पदार्पण किया। ब्लास्टर्स के लिए 97 मैच खेलने के बाद, 26 वर्षीय खिलाड़ी ने येलो आर्मी के लिए सबसे ज्यादा कैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्लब छोड़ा। अपने 97 मैचों में, मिडफील्डर ने सभी प्रतियोगिताओं में 10 गोल और नौ सहायता के साथ भुगतान किया है। उनकी नौ सहायता कोच्चि स्थित टीम के लिए किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक हैं। इस बीच, केरला ब्लास्टर्स ने मोहन बागान से कोटल को तीन साल के अनुबंध पर साइन करने की घोषणा की, जो उन्हें 2026 की गर्मियों तक क्लब में बनाए रखेगा।

कोटल ने कहा, क्लब का समृद्ध इतिहास और भावुक प्रशंसक इसे मेरे लिए एक रोमांचक अवसर बनाते हैं। मैं टीम में अपने कौशल और नेतृत्व का योगदान करने और हमारे सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं।

मैं केरला ब्लास्टर्स एफसी द्वारा मुझ पर दिखाए गए भरोसे के लिए आभारी हूं और मैं मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करता हूं। कोटल की फुटबॉल यात्रा चिराग यूनाइटेड की युवा टीम के साथ शुरू हुई, जहां एक प्रभावशाली कार्यकाल ने भारत की अंडर-19 टीम के लिए दरवाजे खोल दिए। 2011 में, वह 2013 में मोहन बागान में जाने और 2014 में आईएसएल में पदार्पण करने से पहले अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के विकासात्मक आई-लीग पक्ष, इंडियन एरोज में शामिल हो गए। तब से, उन्होंने दिल्ली डायनामोज, एटीके और मोहन बागान सुपर जाइंट सहित कई आईएसएल टीमों का प्रतिनिधित्व किया है।

हीरो एशियन चैंपियनशिप ट्रॉफी-2023 का चंडीगढ़ में हुआ स्वागत

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत 3 से 12 अगस्त तक पहली बार हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। उसकी विजेता ट्रॉफी को देश के अलग-अलग कोनों में ले जाया जा रहा है। चंडीगढ़ ने भी इस ट्रॉफी का शानदार स्वागत किया।

हॉकी चंडीगढ़ ने स्वागत समारोह सेक्टर-17 के एक होटल में आयोजित किया। चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित भी इस मौके पर मौजूद रहे। प्रशासक ने कहा हॉकी में पंजाब और चंडीगढ़ का दबदबा रहा है। मैं, उम्मीद करता हूं कि हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हमारे देश में ही रहेगी। मुझे देश के युवाओं से अच्छे खेल की उम्मीद है। उन्होंने देश के युवा हॉकी खिलाड़ियों को भी कमर कसने को कहा ताकि भारत इसमें अच्छा खेले और ट्रॉफी पर कब्जा करे।

हॉकी चंडीगढ़ के प्रेसिडेंट करण गिलहोत्रा ने कहा चंडीगढ़ वासियों के लिए यह गर्व का क्षण है कि हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 शहर में पहुंची है।

पीएम मोदी बोले-भारत में एमबाप्पे के फैंस फ्रांस से ज्यादा

24 साल के फ्रेंच फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे वर्ल्ड कप जीत चुके

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'फ्रांस के फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे को जितने लोग भारत में जानते हैं, उतने लोग उन्हें उनके देश में नहीं जानते होंगे।' पीएम मोदी इस वक्त फ्रांस के 2 दिवसीय दौरे पर हैं। उन्हें बैस्टिल डे परेड के लिए चीफ गेस्ट का न्योता मिला है। उन्होंने यहां फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे की तारीफ की। 24 साल के फ्रेंच फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे 2018 में फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। वर्ल्ड कप में उनके नाम 12 गोल हैं।

मोदी बोले-एमबाप्पे की पॉपुलैरिटी इंडिया में ज्यादा

पीएम मोदी ने अपने दौरे के पहले दिन ही एक सभा संबोधित की। इस सभा में उन्होंने कहा, 'फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे की पॉपुलैरिटी आप इंडिया आ कर देखिए। एमबाप्पे के जितने फैंस फ्रांस में नहीं होंगे, उससे ज्यादा वो भारत में पसंद किए जाते हैं।'

एमबाप्पे वर्ल्ड कप में गोल्डन बूट जीत चुके

किलियन एमबाप्पे फ्रांस की नेशनल टीम से फुटबॉल खेलते हैं। उन्होंने 2018 के वर्ल्ड कप में 4 गोल कर अपनी टीम को ट्रॉफी जिताई थी। 2022 के वर्ल्ड कप में तो उन्होंने सबसे ज्यादा 8 गोल कर गोल्डन बूट भी जीता। लेकिन उनकी टीम फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ हार गई। अर्जेंटीना की कप्तानी लियोनल मेसी कर रहे थे। मेसी और एमबाप्पे दोनों एक ही फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मन के लिए क्लब फुटबॉल खेल चुके हैं। मेसी इस वक्त इंटर मियामी हैं, जबकि एमबाप्पे अब भी पीएसजी टीम का ही हिस्सा हैं।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू करेंगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

टीम में बिंदिया रानी भी शामिल

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेउली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी।

मई में एशियाई चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग' कोच बने डा आरोन होर्शिंग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा भी इस वक्त अमेरिका में हैं, उन्होंने कहा, मीरा चोटिल नहीं है, हम उनके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी।

चार सितंबर से होगी विश्व चैंपियनशिप

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैंपियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरू हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरू होंगे।

चानू के पास बस एशियाई पदक की कमी

एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पदकों में केवल एशियाड पदक की कमी है। पूर्व विश्व चैंपियन चानू पिछले साल दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था। लेकिन 2024 ओलंपिक क्वालिफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्वकप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों के अलावा एक भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2023 ग्रां प्री 1, 2023 ग्रां प्री 2 और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में से तीन में शिरकत करना होता है।

विम्बलडन का सेमीफाइनल हारे बोपन्ना

डच-ब्रिटिश जोड़ी ने 7-5, 6-4 से हराया; लेडीज सिंगल्स का फाइनल मार्केट-जेबुर के बीच

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय 43 वर्षीय बोपन्ना सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में ओपन एरा के सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने से चूक गए। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और एबडेन की इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को टॉप सीड वेस्ले कूलहोफ और नील स्कुपस्की की डच-ब्रिटिश जोड़ी ने 7-5, 6-4 से हराया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स के फाइनलिस्ट डिसाइड हो गए हैं। ट्यूनीशिया की ओन्स जेबुर ने एक सेट और 4-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराया और लगातार दूसरी बार विंबलडन फाइनल में पहुंचे। चेक रिपब्लिक की मार्केटा वोंद्रोसोवा विंबलडन विमेंस फाइनल में पहुंचने वाली 60 साल में पहली गैरवरीय खिलाड़ी बन गईं, यानी वोंद्रोसोवा की कोई प्रोफेशनल रैंकिंग नहीं हैं।

8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचे थे बोपन्ना

बोपन्ना अपने जोड़ीदार ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन के साथ टालोन ग्रिक्सपुर और स्टीवंस को 6-7 (6-3), 7-5, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने पिछली बार 2015 में टॉप-4 तक का सफर तय किया था। बोपन्ना 2010 में यूएस ओपन (रनरअप) सहित मेंस डबल्स कैटेगरी में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना चुके हैं।

बोपन्ना इस साल की शुरुआत में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे और मेंस डबल्स में एबडेन के साथ दो एटीपी खिताब जीते थे। कुल मिलाकर, 2010 में यूएस ओपन के रनरअप बोपन्ना ने मेंस डबल्स में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी वोंद्रोसोवा

चेक रिपब्लिक की मार्केटा वोंद्रोसोवा विंबलडन महिला फाइनल में पहुंचने वाली 60 साल में पहली गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हराया। वोंद्रोसोवा ने 6-3, 6-3 से जीत हासिल की और अब शनिवार को खिताब के लिए पिछले साल की उपविजेता ओन्स जेबुर से भिड़ेंगी। बाएं हाथ की वोंद्रोसोवा 2019 फ्रेंच ओपन में रनरअप रहने के बाद अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी।

बड़ी बचत ALTO K10 ₹66 100* S-PRESSO ₹71 100* WAGONR ₹66 000* CELERIO ₹59 100*

ALTO K10 S-PRESSO WAGONR CELERIO

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

MARUTI SUZUKI AUTHORISED DEALERS: TELANGANA STATE: ADARSHA: (KARIMNAGAR) CALL: 9133308022, (WARANGAL) CALL: 7799790501. **VARUN**: (NIZAMBAD) CALL: 8462236236, (KARIMNAGAR) CALL: 0878- 2950555. **PAVAN:** (NALGONDA) CALL: 8790902131. **SRI JAYARAMA**: (MEHABUBNAGAR) CALL: 8096998841. **WIN MOTORS:** (WARANGAL) CALL: 8688828002. **E-OUTLETS: ADARSHA:** (MANCHERIAL) CALL: 8886006633, (NIRMAL) CALL: 9133307720, (JAGITYAL) CALL: 8886776633, (GODAVARIKHANI) CALL: 8886556633, (ADILABAD) CALL: 7799784536, (JANGAON) CALL: 8886256633, (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (KAMAREDDY) CALL: 9966111132, (ARMUR) CALL: 9052022990, (KOTTAGUDEM) CALL: 9885260333. **PAVAN**: (MIRYALAGUDA) CALL: 8790902154, (KODADA) CALL: 8790902135. **SRI JAYARAMA:** (SHADNAGAR) CALL: 8096998841, (WANAPARTHY) CALL: 8096998841. **MITHRA AUTO:** (KHAMMAM) CALL: 8886063524. **SAI SERVICE:** (ZAHEERABAD) CALL: 7331168888. **HYDERABAD: ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 8100823456. **PAVAN:** (SERILINGAMPALLY) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **RKS:** (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st July 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.